RNI No. DELHI/2013/54397

In Just 500 ₹
Get
Video AD +2 Days Free Marketing
media social
Advertise On Leading News Channel
9891255609
9354173558
9891221238

DD दिव्य दिल्ली

divyadelhi.com | शुक्रवार, 20 जून, 2025 | वर्ष: 12 अंक: 216, पृष्ठ: 08 | ₹ 05/- | दिल्ली से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

हमारे देश की भाषाओं के बगैर हम भारतीय नहीं: शाह

देश में अंग्रेजी बोलने वालों को जल्द शर्म आएगी, ऐसे समाज का निर्माण दूर नही: शाह

नई दिल्ली/एजेंसी
केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, 'इस देश में जो लोग अंग्रेजी बोलते हैं, उन्हें जल्द ही शर्म आएगी। ऐसे समाज का निर्माण दूर नहीं है। उन्होंने यह बयान गुरुवार को नई दिल्ली में पूर्व IAS आशुतोष अग्निहोत्री की बुक 'मैं बूंद स्वयं, खुद सागर हूं' के विमोचन के मौके पर दिया। शाह ने हिंदी समेत 'भारतीय भाषाओं के भविष्य' पर कहा, 'अपना देश, अपनी संस्कृति, अपना इतिहास और अपने धर्म को समझने के लिए कोई भी विदेशी भाषा पर्याप्त नहीं हो सकती। अधूरी विदेशी भाषाओं के जरिए संपूर्ण भारत की कल्पना नहीं की जा सकती। मैं अच्छी तरह जानता हूं, यह लड़ाई कितनी कठिन है, लेकिन मुझे पूरा विश्वास है कि भारतीय समाज इसे जीतेगा। एक बार फिर स्वाभिमान के साथ हम अपने देश को अपनी भाषाओं में चलाएंगे और दुनिया का नेतृत्व भी करेंगे।

शाह बोले- 2047 तक हम दुनिया में टॉप पर होंगे
अमृत काल के लिए पीएम मोदी ने पंच प्रण की नींव रखी है।पांच प्रतिज्ञाएं 130 करोड़ लोगों का संकल्प बन गई हैं। यही कारण है कि 2047 तक हम टॉप पर होंगे और हमारी भाषाएं इस यात्रा में प्रमुख भूमिका निभाएंगी। शाह ने कहा कि इन पांच प्रतिज्ञाओं में विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करना, गुलामी के हर निशान से छुटकारा पाना, अपनी विरासत पर गर्व करना, एकता और एकजुटता के लिए प्रतिबद्ध रहना और हर नागरिक में कर्तव्य की भावना जगाना शामिल है।

प्रशासनिक अधिकारियों की ट्रेनिंग में बदलाव की जरूरत
शाह ने कहा कि देश में प्रशासनिक अधिकारियों की ट्रेनिंग में कुछ बदलाव की जरूरत है। उन्हें शायद ही हमारी व्यवस्था में सहानुभूति लाने के लिए ट्रेंड किया जाता है। ऐसा शायद इसलिए क्योंकि अंग्रेजों के जमाने से इस ट्रेनिंग मॉडल की प्रेरणा मिली है। उन्होंने कहा कि मेरा मानना \है कि अगर कोई शासक या प्रशासक बिना सहानुभूति के शासन करता है, तो वह शासन के वास्तविक उद्देश्य को प्राप्त नहीं कर सकता। केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने कहा कि जब हमारा देश घोर अंधकार के युग में डूबा हुआ था, तब भी साहित्य ने हमारे धर्म, स्वतंत्रता और संस्कृति के दीप जलाए रखे। जब सरकार बदली तो किसी ने इसका विरोध नहीं किया, लेकिन जब भी किसी ने हमारे धर्म, संस्कृति और साहित्य को छूने की कोशिश की तो हमारा समाज उनके खिलाफ खड़ा हुआ और उन्हें हरा दिया। साहित्य हमारे समाज की आत्मा है।

अमित शाह बताएं हम कौन सी भाषा बोलें: आईएसएफ

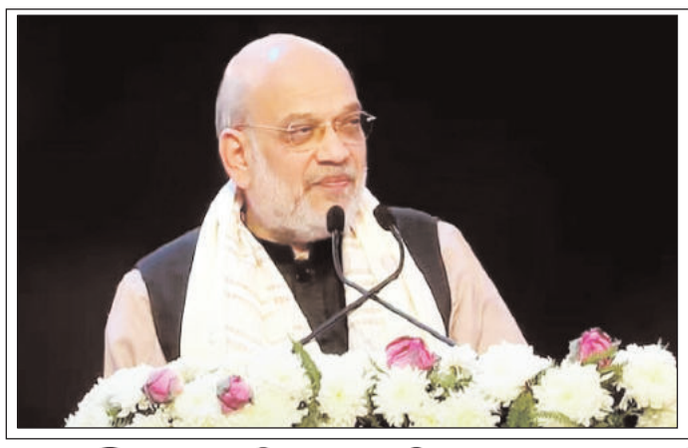

शाह के बयान पर इंडियन सेक्युलर फ्रंट (आईएसएफ) विधायक नौशाद सिद्दीकी ने सवाल किया। उन्होंने कहा- शाह बताएं कि हमें कौन सी भाषा बोलनी चाहिए- सिर्फ हिंदी? हमारे देश में बंगाली, हिंदी, अंग्रेजी जो भी उन्हें पसंद हो, बोलेंगे। भारत कई भाषाओं का देश है। लोग अपनी पसंद की कोई भी भाषा बोलने और सीखने के लिए स्वतंत्र हैं। अंग्रेजी एक अंतरराष्ट्रीय भाषा है और इसका ज्ञान होना जरूरी है। 27 फरवरी को तमिलनाडु में कोयंबटूर में ईशा फाउंडेशन के महाशिवरात्रि समारोह में अमित शाह भी शामिल हुए थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शाह ने कहा था कि सबसे

साहित्य ही हमारे समाज की आत्मा: अमित शाह

केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने कहा कि जब हमारा देश घोर अंधकार के युग में डूबा हुआ था, तब भी साहित्य ने हमारे धर्म, स्वतंत्रता और संस्कृति के दीप जलाए रखे। जब सरकार बदली तो किसी ने इसका विरोध नहीं किया, लेकिन जब भी किसी ने हमारे धर्म, संस्कृति और साहित्य को छूने की कोशिश की तो हमारा समाज उनके खिलाफ

खड़ा हुआ और उन्हें हरा दिया। शाह के बयान पर इंडियन सेक्युलर फ्रंट (आईएसएफ) विधायक नौशाद सिद्दीकी ने सवाल किया। उन्होंने कहा- शाह बताएं कि हमें कौन सी भाषा बोलनी चाहिए- सिर्फ हिंदी? हमारे देश में बंगाली, हिंदी, अंग्रेजी जो भी उन्हें पसंद हो, बोलेंगे। भारत कई भाषाओं का देश है। लोग अपनी पसंद की कोई भी भाषा बोलने और सीखने के लिए स्वतंत्र हैं। अंग्रेजी एक अंतरराष्ट्रीय भाषा है और इसका ज्ञान होना जरूरी है।

मनसे कार्यकर्ताओं ने जलाईं हिंदी की किताबें

मुंबई/एजेंसी
महाराष्ट्र के स्कूलों में तीसरी भाषा को लेकर छिड़ा विवाद बढ़ रहा है। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के कार्यकताओं ने राज्य में जगह-जगह हिंदी की किताबें जलाईं। वहीं मनसे प्रमुख राज ठाकरे ने एक बार फिर सरकार के फैसले पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि हम स्कूलों में छात्रों को हिंदी नहीं पढ़ाने देंगे। महाराष्ट्र में केंद्र सरकार के तीन भाषा फामूर्ले को लेकर विवाद छिड़ा हुआ है। राज्य की महायुति सरकार ने छात्रों के लिए हिंदी को तीसरी भाषा के रूप में अनिवार्य बनाने की बाध्यता हटा दी है। अब प्रदेश के स्कूलों में कोई भी भारतीय भाषा तीसरी भाषा के रूप में चुनी जा सकती है। मनसे प्रमुख राज ठाकरे और कुछ मराठी संगठनों ने सरकार पर हिंदी थोपने का आरोप लगाया है। मनसे प्रमुख राज ठाकरे ने कहा कि एमपी और यूपी में कौन सी भाषा को तीसरी भाषा के तौर पर पढ़ाएंगे? मराठी राज्य भाषा है, तो यह भाषा क्यों थोप रहे हैं ? यूपी, बिहार और एमपी में तीसरी भाषा क्या मराठी सिखाएंगे? क्या गुजरात में भी तीसरी भाषा के तौर पर हिंदी जरूरी नहीं होगी? राज ठाकरे के बयान के बाद मनसे कार्यकर्ता सड़कों पर उतर आए। कार्यकताओं ने स्कूलों में जाकर प्रधानाध्यापकों को पत्र दिए और हिंदी की किताबें जलाईं। दुकानों से भी हिंदी की किताब खरीद कर जलाई गईं। इससे पहले बुधवार को महाराष्ट्र सरकार का एक सरकारी आदेश सामने आया। इसके मुताबिक अब राज्य के स्कूलों में हिंदी को तीसरी भाषा के रूप में पढ़ाया जाएगा।

योगी सरकार की पुलिस ने आठ साल में 234 दुर्दांत अपराधियों को किया ढेर

लखनऊ/एजेंसी
योगी सरकार ने जीरो टॉलरेंस नीति के तहत प्रदेश में पिछले आठ वर्षों में अपराध और अपराधियों के खिलाफ ताबड़तोड कार्रवाई करते हुए एनकाउंटर में 234 दुर्दांत अपरधियों को मुठभेड़ में ढेर कर यमलोक पहुंचाया है। इस दौरान पुलिस ने कुल 14,741 मुठभेड़ की कार्रवाइयां कीं, जिनमें 30,293 अपराधियों को गिरफ्तार किया गया। एनकाउंटर की कार्रवाई में 9,202 अपराधी घायल हुए। वहीं अपराधियों से लोहा लेते हुए 18 पुलिसकर्मी शहीद हो गये जबकि 1,700 पुलिसकर्मी घायल हुए।

एनकाउंटर में मेरठ जोन ने मारी बाजी, पूरे प्रदेश में एनकाउंटर में पहले स्थान पर
डीजीपी राजीव कृष्णा ने बताया कि प्रदेश में सबसे अधिक मुठभेड़ मेरठ जोन में दर्ज की गईं, जहां पुलिस ने 4,183 कार्रवाई की। इस कार्रवाई में 7,871 अपराधी दबोचे गये जबकि 2,839 अपराधियों को घायल हुए। वहीं 77 कुख्यात अपराधियों को मौके पर ही मार गिराया गया। मेरठ जोन की मुठभेड़ के दौरान 2,839 अपराधी घायल हुए। इस दौरान 452 पुलिसकर्मी घायल हुए जबकि अपने कर्तव्य का निर्वहन करते हुए दो पुलिसकर्मी शहीद हो गये। उन्होंने बताया कि एनकाउंटर कार्रवाई ने पूरे प्रदेश में मेरठ जोन पहले स्थान पर रहा है। इसी तरह वाराणसी जोन में 1,041 मुठभेड़ हुईं, जिनमें 2,009 अपराधियों को गिरफ्तार किया गया जबकि 26 अपराधियों को मुठभेड़ में ढेर कर दिया गया। इस दौरान 605 अपराधी और 96 पुलिसकर्मी घायल हुए। पूरे प्रदेश में वाराणसी जोन एनकाउंटर कार्रवाई में दूसरे स्थान पर है। वहीं एनकाउंटर कार्रवाई में पूरे प्रदेश में आगरा जोन तीसरे स्थान पर है। यहां 2,288 एनकाउंटर की कार्रवाई की गईं, जिनमें 5,496 अपराधियों को दबोचा गया। इस दौरान 715 अपराधी घायल हुए जबकि 19 अपराध मार गिराए गए। मुठभेड़ के दौरान 56 पुलिसकर्मी घायल हुए।

कमिश्नरेट में सबसे अधिक लखनऊ कमिश्नरी ने मारी बाजी, 11 अपराधी किये ढेर
डीजीपी ने बताया कि एनकाउंटर आंकड़ों पर नजर डालें तो लखनऊ जोन में 790 मुठभेड़ के दौरान 15 दुर्दांत अपराधियों को मारा गया, वहीं प्रयागराज जोन में 506 मुठभेड़ के दौरान 10 अपराधी मारे गए। बरेली जोन में 1,962 मुठभेड़ों में 15, कानपुर जोन में 657 मुठभेड़ों में 11 और गोरखपुर जोन में 594 मुठभेड़ों में 8 अपराधियों को मारा गया।

प्रधानमंत्री मोदी तीन देशों की सफल यात्रा के बाद स्वदेश लौटे

नई दिल्ली/एजेंसी
प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी साइप्रस, कनाडा और क्रोएशिया की अपनी तीन देशों की यात्रा पूरी करने के बाद गुरुवार को स्वदेश लौट आए। यह यात्रा रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने, द्विपक्षीय संबंधों को नया आयाम देने और वैश्विक मंच पर भारत की भूमिका को और सुदृढ़ करने के उद्देश्य से की गई थी। प्रधानमंत्री के स्वागत के लिए दिल्ली हवाई अड्डे पर मंत्रिमंडल के सदस्य, वरिष्ठ अधिकारी और भाजपा कार्यकर्ता मौजूद थे। यात्रा की पहली कड़ी में प्रधानमंत्री मोदी साइप्रस पहुंचे, जहां उन्होंने राष्ट्रपति निकोस

क्रिस्टोडुलाइड्स से मुलाकात की। दोनों देशों ने ऊर्जा, आईटी और निवेश के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई। भारत और साइप्रस के बीच दोहरे कराधान से बचाव समेत तीन समझौतों पर हस्ताक्षर हुए। कनाडा यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने अपने कनाडाई समकक्ष मार्क कार्नी से मुलाकात की और आपसी व्यापार, शिक्षा एवं सुरक्षा के मुद्दों पर व्यापक चर्चा की। इसके अलावा प्रधानमंत्री मोदी ने टोरंटो में बसे भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि भारत की प्रगति में प्रवासी भारतीयों की भूमिका अहम है। कनाडा के साथ अनुसंधान और पर्यावरण संरक्षण से जुड़े समझौतों को भी अंतिम रूप दिया गया। यात्रा के अंतिम चरण में प्रधानमंत्री क्रोएशिया पहुंचे, जहां उन्होंने राष्ट्रपति जोरान मिलानोविच और प्रधानमंत्री आंद्रे प्लेंकोविच से बातचीत की।

एअर इंडिया का ब्लैक बॉक्स अमेरिका भेजा जाएगा

देश में डेटा रिकवरी मुमकिन नहीं

अहमदाबाद /एजेंसी
अहमदाबाद में 12 जून को क्रैश हुए एअर इंडिया विमान का ब्लैक बॉक्स जांच के लिए अमेरिका भेजा जाएगा है। क्रैश हुए बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर विमान का ब्लैक बॉक्स क्रैश के दिन ही रिकवर कर लिया गया था। विमान में आग लगने के बाद ब्लैक बॉक्स इतना डैमेज हो चुका है कि उससे डेटा रिकवर करना मुश्किल है। इसलिए उसे जांच के लिए अमेरिका भेजने का फैसला लिया गया है। अहमदाबाद में 12 जून को लंदन जाने वाली एअर इंडिया की

फ्लाइट अक-171 उड़ान भरने के तुरंत बाद क्रैश हो गई थी। इसमें सवार 241 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि एक यात्री की जान बच गई थी। वहीं, इस घटना में कुल 270 लोग मारे गए थे। अफसरों की निगरानी में अमेरिका जाएगा ब्लैक बॉक्स के 2 हिस्से कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर और फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर को हीट और आग से नुकसान पहुंचा है।देश में ऐसी कोई लैब नहीं है, जहां डेटा रिकवर किया जा सके। इसी वजह से, अब इन्हें अमेरिका की नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड की लैब में भेजने का फैसला किया गया है। इसके साथ सरकारी अफसर भी जाएंगे ताकि सुरक्षा और गोपनीयता बनी रहे। इसे ब्लैक बॉक्स क्यों कहते हैं 'ब्लैक बॉक्स' नाम को लेकर कई बातें कही जाती हैं। एक मान्यता है कि पहले इसके अंदर का हिस्सा काला होता था, इसलिए इसे यह नाम मिला। दूसरी राय यह है कि हादसे के बाद आग से जलकर इसका रंग काला हो जाता है, इसलिए लोग इसे "ब्लैक बॉक्स" कहने लगे। अहमदाबाद प्लेन हादसे में जान गंवाने वाले अब तक 211 मृतकों की पहचान ऊ्रअ टेस्ट से हो चुकी है और 189 शव उनके परिवारों को सौंप दिए गए हैं। यह जानकारी गुजरात के स्वास्थ्य मंत्री रुशिकेश पटेल ने गुरुवार को दी।

कैश केस- जांच पैनल का प्रस्ताव जस्टिस वर्मा को हटाएं

स्टोर रूम पर जज और उनके परिवार का ही कंट्रोल था

नई दिल्ली/एजेंसी
जस्टिस यशवंत वर्मा के घर से मिले कैश केस की जांच कर रहे पैनल की रिपोर्ट गुरुवार को सामने आई है। इसमें कहा गया है कि हाईकोर्ट जज यशवंत वर्मा और उनके परिवार के सदस्यों का स्टोर रूम पर सीक्रेट या एक्टिव कंट्रोल था।

यहीं 14 मार्च की रात आग लगने के बाद बड़ी संख्या में अधजले नोट मिले थे। पैनल की रिपोर्ट में कहा गया है कि इससे जस्टिस वर्मा के बुरे व्यवहार का पता चलता है, जो इतना गंभीर है कि उन्हें हटाया जाना चाहिए। घटना के समय जस्टिस वर्मा दिल्ली हाईकोर्ट के जज थे और अब इलाहाबाद हाईकोर्ट में कार्यरत हैं। पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस शील नागू की अध्यक्षता वाले तीन जजों के पैनल ने 10 दिनों तक जांच की। 55 गवाहों से पूछताछ की और जस्टिस वर्मा के आधिकारिक आवास का दौरा किया था। रिपोर्ट में यह भी कहा

गया है, रिकॉर्ड पर मौजूद सबूतों को ध्यान में रखते हुए समिति इस बात पर सहमत है कि CJI के 22 मार्च के लेटर में लगाए गए आरोपों में पर्याप्त तथ्य हैं। आरोप इतने गंभीर है कि जस्टिस वर्मा को हटाने के लिए कार्यवाही शुरू करनी चाहिए। 10 चश्मदीदों ने आधी जली हुई नकदी देखी, इनमें दिल्ली फायर सर्विस, पुलिस के अधिकारी थे। इन सभी ने जस्टिस वर्मा के घर के स्टोर रूम में जले हुए नोटों के ढेर देखे थे।इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य (स्टोर रूम के वीडियो-फोटो) चश्मदीदों के बयानों की पुष्टि करते हैं। घटनास्थल पर लिए गए वीडियो का जस्टिस वर्मा ने भी खंडन नहीं किया है।

ऑपरेशन सिंधु- ईरान से रेस्क्यू 110 भारतीय छात्र दिल्ली पहुंचे

नई दिल्ली/एजेंसी
ईरान की उर्मिया मेडिकल यूनिवर्सिटी में पढ़ रहे लगभग 110 भारतीय छात्र सुरक्षित भारत पहुंच गए हैं। इनमें से 90 छात्र कश्मीर के हैं। ईरान-इजराइल जंग में फंसे छात्रों को वापस लाने के लिए सरकार ने ऑपरेशन सिंधु शुरू किया है। भारत पहुंचे छात्रों ने बताया, 'वहां के हालात हर दिन खराब होते जा रहे हैं। खासकर तेहरान में स्थिति बहुत खराब है। युद्ध अच्छी चीज नहीं है। इंसानियत ही मारी जाती है। ईरान से निकाले

गए ये छात्र मंगलवार को आर्मेनिया पहुंचे थे, जहां उन्हें राजधानी येरेवन के होटलों में ठहराया गया। इसके बाद आज इन्हें कतर के रास्ते भारत लाया गया। इंडिगो की एक फ्लाइट आर्मेनिया के येरेवन एयरपोर्ट से इन छात्रों को लेकर कतर की राजधानी दोहा के लिए रवाना हुई थी। इसके बाद एक दूसरी फ्लाइट से इन्हें दोहा से नई दिल्ली के इंदिरा गांधी एयरपोर्ट लाया गया। मंगलवार को भारतीय विदेश मंत्रालय ने छात्रों को ईरान से बाहर निकालने की पुष्टि की थी।
ईरान से भारत पहुंची मरियम रोज ने कहा कि भारतीय दूतावास ने हमारे लिए सब कुछ तैयार रखा था। हमें ज्यादा समस्या नहीं हुई।
ईरान से भारत पहुंची मरियम रोज ने कहा कि भारतीय दूतावास ने हमारे लिए सब कुछ तैयार रखा था। हमें ज्यादा समस्या नहीं हुई।
छात्रों ने ईरान से रेस्क्यू की जानकारी दी

ईरान से बसों में लाए गए छात्र
इन छात्रों को आर्मेनिया बॉर्डर पर नॉरदुज चौकी से बसों में निकाला गया। ईरान में 1,500 स्टूडेंट्स सहित लगभग 10 हजार भारतीय फंसे हैं।
ईरानी विदेश मंत्रालय ने कहा था कि मौजूदा हालात में देश के एयरपोर्ट भले ही बंद हैं, लेकिन लैंड बॉर्डर्स खुले हुए हैं।

गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे का लोकार्पण आज, योगी करेंगे उद्घाटन

गोरखपुर/एजेंसी
मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज पूर्वांचल के बहुप्रतीक्षित गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे का लोकार्पण करेंगे। करीब 7,283 करोड़ की लागत से तैयार हुए 91.352 किलोमीटर लंबे इस एक्सप्रेसवे का उद्घाटन समारोह जैतपुर (NH-27), गोरखपुर में दोपहर 12:30 बजे से आयोजित किया जाएगा। लोकार्पण के बाद मुख्यमंत्री एक जनसभा को भी संबोधित करेंगे। गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे से अब गोरखपुर, संत कबीर नगर, अम्बेडकरनगर और आजमगढ़ जैसे प्रमुख जिलों की राजधानी लखनऊ और पूर्वांचल एक्सप्रेसवे से सीधी कनेक्टिविटी सुनिश्चित हो जाएगी। रोजगार के नए अवसर खोलेगा और औद्योगिक निवेश को बढ़ावा देगा। यह लिंक एक्सप्रेसवे आजमगढ़ जिले के जैतापुर में पूर्वांचल एक्सप्रेसवे से मिलकर न केवल गोरखपुर बल्कि पूरे पूर्वांचल को राजधानी और पश्चिमी उत्तर प्रदेश से बेहतर सड़क संपर्क प्रदान करेगा।

मुख्यमंत्री योगी ने रचा कानून-व्यवस्था और सुशासन का नया इतिहास

लखनऊ/एजेंसी
उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने कार्यकाल में राज्य की तस्वीर बदल दी है। कभी अपराध, माफियाओं और भ्रष्टाचार के लिए बदनाम रहने वाला उत्तर प्रदेश, अब कानून व्यवस्था, सुशासन और विकास के मॉडल के रूप में देश-दुनिया में पहचाना जा रहा है। योगी सरकार की सख्त नीतियों और प्रशासनिक दृढ़ता का असर यह है कि अब उत्तर प्रदेश का नाम बुलडोजर कार्रवाई, अपराधियों की गिरफ्तारी और महिलाओं की सुरक्षा जैसे मुद्दों पर लिया जा रहा है। यही नहीं, ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में रिकॉर्ड निवेश प्रस्ताव मिलने के बाद अब उत्तर प्रदेश आर्थिक शक्ति के रूप में उभर रहा है। मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व में राज्य की पुलिस

और प्रशासन ने माफिया राज पर बड़ा प्रहार किया है।

गृह विभाग के अनुसार:
हत्या के मामलों में 25.8% की गिरावट,लूट में 60% की कमी,
डकैती में 65% की गिरावट,
बलात्कार के मामलों में 27% की कमी आई।पुलिस विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, वर्ष 2017 से अब तक 10,000 से अधिक एनकाउंटर किए गए, जिनमें 186 दुर्दांत अपराधी मारे गए और 5000 से अधिक घायल हुए। मुख्यमंत्री के निर्देश पर प्रदेश भर में 1,400 से अधिक माफियाओं की संपत्तियां जब्त या ध्वस्त की गईं, जिनकी अनुमानित कीमत 3,300 करोड़ रुपये से अधिक है। योगी सरकार का बुलडोजर अब न सिर्फ अवैध कब्जे हटाने का प्रतीक बन चुका है, बल्कि यह आम जनता में कानून के प्रति विश्वास जगाने वाला एक प्रभावी कदम भी साबित हुआ है। अतीक अहमद, मुख्तार अंसारी, प्रेम प्रकाश सिंह उर्फ मुन्ना बजरंगी जैसे माफियाओं की संपत्तियों पर कार्रवाई ने प्रदेश को माफिया-मुक्त बनाने की दिशा में नया संदेश दिया।

महिलाओं की सुरक्षा के लिए योगी सरकार द्वारा 'मिशन शक्ति' जैसे अभियानों को शुरू किया गया। इसके तहत:
पिंक बूथ व महिला थानों की स्थापना।
1090 वूमेन पावर लाइन को सशक्त बनाया गया। 7 करोड़ से अधिक महिलाओं को जागरूकता कार्यक्रमों से जोड़ा गया।
इसके साथ ही राज्य सरकार ने महिला हेल्प डेस्क, स्कूली बच्चियों की सुरक्षा के लिए विशेष पेट्रोलिंग व्यवस्था लागू की। साल 2023 में लखनऊ में आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में यूपी को 35 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव मिले। अनुमान है।

पीएम मोदी और मार्क कार्नी ने भारत-कनाडा संबंधों के लिए संतुलित कदम उठाने पर सहमति जताई : विदेश सचिवविक्रम मिस्री

नई दिल्ली। भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने बताया कि जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी से पीएम मोदी की मुलाकात में दोनों देशों ने आपसी संबंधों को बहाल करने के लिए संतुलित कदम उठाने पर सहमति जताई है। भारत के विदेश सचिव के अनुसार, दोनों नेताओं के बीच 'बहुत सकारात्मक और रचनात्मक बैठक' हुई और वे संबंधों में स्थिरता लाने के लिए 'सुनियोजित कदम÷ उठाने पर सहमत हुए।

मिस्री ने कहा, ÷प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने कुछ समय पहले ही कनाडा के कनानास्किस में जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान एक बहुत ही सकारात्मक और रचनात्मक बैठक संपन्न की है।' बैठक में भारत-कनाडा संबंधों को मजबूत करने की पारस्परिक इच्छा को रेखांकित किया गया, जिनमें हाल ही में तनाव देखा गया है। मिस्री ने कहा, 'बैठक में भारत-कनाडा संबंधों के महत्व पर चर्चा की गई, जो साझा मूल्यों, लोकतंत्र और कानून के शासन, लोगों के बीच संपर्क और कई अन्य समानताओं पर आधारित है। शुरुआती कदम के तौर पर, दोनों नेताओं ने जल्द से जल्द एक-दूसरे की राजधानियों में उच्चायुक्तों को बहाल करने पर सहमति जताई। मिस्री ने कहा, 'प्रधानमंत्री इस बेहद महत्वपूर्ण रिश्ते में स्थिरता बहाल करने के लिए सावधानी से कदम उठाने पर सहमत हुए और इनमें से पहला कदम जिस पर सहमति बनी,

वह जल्द से जल्द एक-दूसरे की राजधानियों में उच्चायुक्तों को बहाल करना था। अन्य कूटनीतिक कदम ' भी समय के साथ उठाए जाएंगे।इसके अलावा, दोनों पक्षों ने विभिन्न मोर्चों पर वरिष्ठ और कार्यकारी स्तर के तंत्र को पुनर्जीवित करने का संकल्प लिया। वे व्यापार, लोगों के बीच संपर्क और कनेक्टिविटी से संबंधित कई क्षेत्रों में वरिष्ठ और कार्यकारी स्तर के तंत्र और चर्चाओं को फिर से शुरू करने पर भी सहमत हुए। चर्चा में रुकी हुई व्यापार वार्ताओं पर भी चर्चा हुई, जिन्हें जल्द ही फिर से शुरू करने के निर्देश दिए गए। मिस्री ने कहा, 'दोनों देशों के बीच व्यापार वार्ता फिलहाल रुकी हुई है, जिसे देखते हुए दोनों नेताओं ने अपने अधिकारियों को इसे जल्द से जल्द शुरू करने का निर्देश देने का भी फैसला किया। दोनों नेताओं ने संपर्क में बने रहने और जल्द से जल्द एक बार फिर मिलने पर सहमति जताई।' प्रधानमंत्री मोदी ने जी-7 के निमंत्रण के लिए कार्नी को धन्यवाद दिया और 2015 में कनाडा की अपनी पिछली यात्रा को याद किया। उन्होंने कहा, एक बार फिर कनाडा आना मेरे लिए सम्मान की बात है। जी20 शिखर सम्मेलन के दौरान भारत ने जो मजबूत नींव रखी थी, उसने जी7 शिखर सम्मेलन में एक नया आकार लिया है और इसके क्रियान्वयन को नई दिशा दी है।

एक्सिओम मिशन-4 की लॉन्चिंग 22 जून को संभावित

एजेंसी

नई दिल्ली। एक्सिओम मिशन-4 के प्रक्षेपण (लॉन्चिंग) की नई संभावित सामने आ गई है। संभावित लॉन्च तिथि 22 जून हो सकती है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने आज सुबह अपने एक्स हैंडल पर यह जानकारी देते हुए कुछ महत्वपूर्ण ब्योरा जारी किया है। इसरो ने लिखा है, इसरो, पोलैंड और हंगरी की टीमों ने एक्सिओम मिशन -4 की संभावित लॉन्च टाइमलाइन के बारे में एक्सिओम स्पेस के साथ विस्तृत चर्चा की। इसके बाद, एक्सिओम स्पेस ने कई तत्परता मापदंडों का आकलन करने के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका के नेशनल एरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (नासा) और स्पेसएक्स के साथ परामर्श किया। इसरो ने एक्स पर बताया कि स्पेसएक्स फाल्कन-9 लॉन्च वाहन, ड्रैगन अंतरिक्ष यान की तत्परता की स्थिति, अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के ज्वेज्दा मॉड्यूल में मरम्मत, चढ़ाई गलियारे की मौसम की स्थिति और संगरोध में चालक दल के स्वास्थ्य और तैयारियों के आधार पर एक्सिओम स्पेस ने सूचित किया है कि अगली संभावित लॉन्च तिथि 22 जून 2025 है। एक्सिओम मिशन-4 की खास बात यह है कि नासा की पूर्व अंतरिक्ष यात्री और एक्सिओम स्पेस में मानव अंतरिक्ष उड़ान की निदेशक पैगी व्हिटसन वाणिज्यिक मिशन की कमान संभालेंगी, जबकि भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला पायलट के रूप में काम करेंगे। दो मिशन विशेषज्ञ पोलैंड के यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी परियोजना अंतरिक्ष यात्री स्लावोज उज्नान्स्की-विस्निएव्स्की और हंगरी के टिबोर कपू हैं। चालक दल फ्लोरिडा में नासा के कैनेडी स्पेस सेंटर के लॉन्च कॉम्प्लेक्स 39ए से फाल्कन-9 पर स्पेसएक्स ड्रैगन अंतरिक्ष यान पर सवार होकर उड़ान भरेगा।

मणिपुर में तीन उग्रवादी सहित पांच लोग गिरफ्तार

एजेंसी

इंफाल। मणिपुर में पुलिस और सुरक्षा कर्मियों ने पिछले 24 घंटों के दौरान तीन अलग-अलग घटनाओं में तीन उग्रवादियों सहित पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने कहा कि सुरक्षा बलों ने इंफाल पश्चिम जिले के लामफेल थाना क्षेत्र के चिंगमेइरोंग ममांग लेइकाई से एक उग्रवादी को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार उग्रवादी लोगों से जबरन वसूली के मामले में संलिप्त था। वहीं, सुरक्षा बलों ने बिष्णुपुर जिले के निंगथौखोंग खा खुनौ इलाके से एक महिला सहित दो उग्रवादियों को भी गिरफ्तार किया है। सुरक्षा बलों ने लामफेल थाना क्षेत्र के तहत लैरीकेंगबाम माखा लेइकाई से एक व्यक्ति को अवैध हथियार और गोला-बारूद रखने के आरोप में गिरफ्तार किया।मणिपुर पुलिस ने पिछले 15 जून को सोशल मीडिया (फेसबुक) प्लेटफॉर्म पर बिष्णुपुर जिले के फुबाला में गोलीबारी की झूठी सूचना फैलाने के सिलसिले में बिष्णुपुर वार्ड नंबर 3 मानिंग लेइकाई एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया।

मध्यप्रदेश में पर्यटकों की संख्या में 500 फीसदी से ज्यादा का इजाफा : यादव

भोपाल। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने आज कहा कि राज्य में पर्यटकों की संख्या में पिछले चार साल में 500 फीसदी से ज्यादा का इजाफा हुआ है। इसके साथ ही उन्होंने देश-विदेश के लोगों से अधिक से अधिक संख्या में राज्य में पर्यटन के लिए आने का आग्रह किया। डॉ यादव ने एक्स पोस्ट में कहा, मध्यप्रदेश की पुण्य धरा पर्यटकों की पहली पसंद बन गई है। 2020 की तुलना में 2024 में यहां देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों की संख्या में 526 प्रतिशत की वृद्धि हम सभी के लिए हर्ष, आनंद और गौरव का विषय है। सभी को आमंत्रण है, प्राकृतिक सौंदर्य, सांस्कृतिक समृद्धता और अद्भुत वन्य सम्पदा से परिपूर्ण मध्यप्रदेश में अवश्य पधारें। राज्य में धार्मिक, वन्य और सांस्कृतिक पर्यटन की अनेक प्रकार की संभावनाएं हैं। मध्यप्रदेश में बाघों के बाद अब चीतों की बसाहट से पर्यटन के क्षेत्र में और द्वार खुल गए हैं। राज्य में धार्मिक पर्यटन के लिए उज्जैन, ओंकारेश्वर, खजुराहो, चित्रकूट, मैहर, दतिया, ओरछा और सीहोर का सलकनपुर, मंदसौर का पशुपतिनाथ, आगर-मालवा का नलखेड़ा मंदिर प्रसिद्ध हैं। वन्य जीव पर्यटन में मंडला का कान्हा, उमरिया का बांधवगढ़, सिवनी का पेंच, पन्ना, होशंगाबाद का सतपुड़ा, श्योपुर का कूनो, भोपाल का रातापानी और शिवपुरी का माधव टाइगर रिजर्व प्रमुख अभयारण्य हैं।

भजनलाल ने किया योग

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस (21 जून) से पूर्व बुधवार सुबह यहां योग किया। श्री शर्मा ने सुबह मुख्यमंत्री निवास पर योग किया। योग दिवस से पूर्व योग साधकों, बच्चों और मुख्यमंत्री कार्यालय के अधिकारियों ने भी योग अभ्यास किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने संदेश दिया कि सभी नियमित रूप से योग करें। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के आयोजनों में सभी बढ़ चढ़कर भाग लें।

दिल्ली से बाली जाने वाली एयर इंडिया की फ्लाइट ज्वालामुखी विस्फोट की वजह से वापस लौटी

नई दिल्ली । इंडोनेशिया के रिसॉर्ट द्वीप बाली से आने-जाने वाली दर्जनों उड़ानें बुधवार को माउंट लेवोटोबी लाकी-लाकी ज्वालामुखी के फटने के बाद रद्द कर दी गईं, जिसके बाद एयर इंडिया की दिल्ली से बाली जाने वाली फ्लाइट एआई2145 को यात्रियों की सुरक्षा को देखते हुए वापस दिल्ली लौटने की सलाह दी गई। यह विस्फोट फ्लोरेस के पूर्वी द्वीप पर हुआ। 1,584 मीटर ऊंचे ज्वालामुखी को देखते हुए अधिकारियों को इंडोनेशिया के चार-स्तरीय पैमाने पर इसके अलर्ट स्टेटस को उच्चतम स्तर तक बढ़ाना पड़ा। एयर इंडिया के प्रवक्ता ने कहा, ÷एआई2145 फ्लाइट सुरक्षित रूप से दिल्ली वापस लौट गई है और सभी यात्री उतर गए हैं। प्रवक्ता ने कहा, यात्रियों को हुई असुविधा के लिए हम खेद व्यक्त करते हैं। प्रभावित यात्रियों को होटल में ठहरने की सुविधा प्रदान कर उन्हें हुई परेशानी को दूर करने का हर संभव प्रयास किया गया है। अगर यात्री चाहें तो कैंसलेशन या कॉम्प्लीमेंट्री रिशेड्यूलिंग पर उन्हें पूरा रिफंड भी ऑफर किया जा रहा है। बाली एयरपोर्ट ऑपरेटर अंगकासा पुरा इंडोनेशिया के अनुसार, पूर्वी नुसा तेंगारा में लेवोटोबी लाकी-लाकी ज्वालामुखी के कारण गुस्ती नगुराह राय एयरपोर्ट पर कई उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। एयरएशिया द्वारा संचालित कई घरेलू उड़ानें भी रद्द कर दी गई हैं। जेटस्टार ने कहा कि बाली से आने-जाने वाली उड़ानें रद्द कर दी गई हैं, लेकिन राख का बादल साफ होने की उम्मीद के कारण दोपहर की कुछ उड़ानें शाम तक के लिए टाल दी गई हैं।

बाली के अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट वेब पोर्टल पर एयर न्यूजीलैंड, सिंगापुर की टाइगरएयर और चीन की जुनेयाओ एयरलाइंस की उड़ानें भी रद्द दिखाई गई हैं। इंडोनेशिया डिजास्टर मिटिगेशन एजेंसी ने कहा कि मंगलवार देर रात ज्वालामुखी के आसपास के गांवों पर इसकी राख गिरनी शुरू हो गई थी, जिसे देखते हुए एक बस्ती को खाली करवाना पड़ा।

भारत ने कभी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता को स्वीकार नहीं किया

ट्रंप के साथ बातचीत में पीएम मोदी की दो टूक

एजेंसी

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत-पाकिस्तान सीजफायर को लेकर स्पष्ट कर दिया है कि इसमें अमेरिका की कोई भूमिका नहीं थी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ 35 मिनट चली बातचीत में पीएम मोदी ने दो टूक शब्दों में कहा कि भारत ने कभी भी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता को स्वीकार नहीं किया है और भविष्य में भी ऐसी मध्यस्थता को स्वीकार नहीं करेगा। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने मीडिया को इस बातचीत की जानकारी दी। विदेश सचिव विक्रम मिस्री के मुताबिक, पीएम मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच फोन पर बातचीत हुई है। दोनों नेताओं की

मुलाकात कनाडा में आयोजित जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान होनी थी, लेकिन राष्ट्रपति ट्रंप को जल्दी वापस अमेरिका लौटना पड़ा, जिसके कारण ये मुलाकात नहीं हो पाई। इसके बाद राष्ट्रपति ट्रंप के आग्रह पर आज दोनों लीडर्स की फोन पर बीच ये पहली बातचीत हुई। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने बताया, पीएम मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप को स्पष्ट रूप से कहा है कि ऑपरेशन सिंदूर के संबंध में कभी भी और किसी भी स्तर पर भारत-अमेरिका ट्रेड डील या अमेरिका की ओर से लगभग 35 मिनट तक बात हुई। ऑपरेशन सिंदूर के बाद प्रधानमंत्री मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के भारत और पाकिस्तान के बीच मध्यस्थता जैसे विषयों पर बात नहीं हुई थी। सैन्य कार्रवाई रोकने की बात सीधे भारत और पाकिस्तान के बीच हुई। दोनों सेनाओं की बात मौजूदा चैनल्स के माध्यम से हुई थी। पाकिस्तान के ही आग्रह पर ये बातचीत हुई थी। पीएम मोदी और ट्रंप की बातचीत को लेकर विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति ट्रंप से ऑपरेशन सिंदूर के बारे में विस्तार से बात की। प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति ट्रंप से कहा कि 22 अप्रैल के बाद भारत ने आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई करने का अपना दृढ़ संकल्प पूरी दुनिया को बता दिया था। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि 6-7 मई की रात को भारत ने पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में सिर्फ आतंकी ठिकानों को ही निशाना बनाया था।

दिल्ली में कोरोना का कहर, एक और हुई मौत; अब तक संक्रमण से 13 की गई जान

एजेंसी

जयपुर । कोरोना से दिल्ली में एक और मौत की खबर सामने आई है। 65 वर्षीय बुजुर्ग ने दम तोड़ दिया है। बुजुर्ग मुंह के कैंसर और किडनी संबंधी बीमारी से जूझ रहे थे। दिल्ली में कोरोना के 620 सक्रिय मरीज और 13 लोगों मौत हो चुकी है।

बीती 15 जून को कोरोना की वजह से पहली बार एक दिन में तीन लोगों की मौत हुई। कोरोना से दिल्ली में तब तक 11 लोगों की मौत हो चुकी थी। जिन तीन लोगों की मौत हुई है उनमें दो महिला और एक पुरुष शामिल है। 57 वर्षीय महिला को मधुमेह, फेफड़े की समस्या थी। 57 वर्षीय पुरुष को मधुमेह, फेफड़े की समस्या थी। वहीं, 83 वर्षीय महिला को मधुमेह, उच्च रक्तचाप, फेफड़े की समस्या थी। हालांकि, कोरोना के सक्रिय मरीजों में तीन दिन से गिरावट देखी गई है। बीते शनिवार को सक्रिय मरीजों की संख्या घटकर 672 रह गई। कोई नया मामला भी दर्ज नहीं किया गया। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग के कोविड डैशबोर्ड के अनुसार, 24 घंटे में 212 मरीजों

ने कोरोना को मात दी। दिल्ली में एक जनवरी से अब तक 1960 कोरोना के मरीज सामने आए हैं जिनमें से 11 मरीजों की मौत हो गई। देश में दिल्ली कोरोना के कुल मामलों में दूसरे नंबर पर है। नए वैरिएंट्स आमतौर पर तेजी से फैलते हैं, लेकिन जरूरी नहीं कि वे पहले जितने घातक हों। बुजुर्ग, गर्भवती महिलाएं, छोटे बच्चे और पहले से बीमार व्यक्ति सबसे ज्यादा जोखिम में रहते हैं। हल्के लक्षणों से शुरू होकर गंभीर सांस की दिक्कत तक मामला जा सकता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं कि संक्रमण के बढ़ते मामलों को लेकर घबराने या चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। हालांकि सर्दी जुकाम के साथ सांस लेने में दिक्कत से पीड़ित होने वाले मरीजों को डॉक्टर से मिलकर जांच कराना चाहिए। अधिकतर लोग घर पर रहकर ही ठीक हो जा रहे हैं, इसलिए संक्रमण की स्थिति में भी ज्यादा परेशान होने या अस्पताल भागने की जरूरत नहीं है।

बुलंदशहर में दर्दनाक सड़क हादसा, कार में आग लगने से एक ही परिवार के पांच लोग जिंदा जले

एजेंसी

बुलंदशहर । उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर जिले के थाना जहांगीराबाद क्षेत्र में सुबह एक भीषण सड़क हादसे में एक ही परिवार के पांच लोगों की जिंदा जलकर दर्दनाक मौत हो गई, जबकि एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। यह हादसा जहांगीराबाद-बुलंदशहर मार्ग पर ग्राम जानीपुर के पास हुआ, जब एक स्विफ्ट कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पुलिया से टकरा गई और उसमें आग लग गई। पुलिस के अनुसार, हादसा सुबह करीब साढ़े पांच बजे हुआ। कार में सवार छह लोग जनपद बदायूं के थाना सहसवान क्षेत्र के चमनपुर में एक विवाह समारोह में शामिल होने के बाद दिल्ली के मालवीय नगर लौट रहे थे। प्राथमिक जांच में पता चला है कि चालक को नींद की झपकी आने के कारण कार अनियंत्रित होकर पुलिया से टकराई और पलट गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार में तुरंत आग भड़क उठी, जिसने देखते ही देखते पूरी गाड़ी को अपनी चपेट में ले लिया। सूचना मिलते ही जहांगीराबाद पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और

बचाव कार्य शुरू किया। कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया, लेकिन तब तक कार में सवार पांच लोगों की जलकर मौत हो चुकी थी। हादसे में एकमात्र जीवित बची 28 वर्षीय गुलनाज को गंभीर हालत में निकालकर जहांगीराबाद के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है।

बुलंदशहर के एसपी देहात डॉ. तेजवीर सिंह ने बताया कि मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर पंचायतनामा और पोस्टमार्टम की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। पुलिस ने प्रारंभिक जांच में चालक की लापरवाही को हादसे का प्रमुख कारण माना है। मामले की गहन जांच की जा रही है और आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

हरियाणा में अपराधियों पर हाई ऑक्टेन अभियान चलाने के निर्देश, कानून-व्यवस्था सर्वोच्च प्राथमिकता: सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति और आबकारी नीलामी की प्रगति की उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। बैठक के दौरान अपराधियों के खिलाफ 'हाई ऑक्टेन अभियान'चलाने और हरियाणा में पुलिस की प्रभावी व उत्तरदायी उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि कानून-व्यवस्था को मजबूत बनाए रखना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है कुरुक्षेत्र में एक आबकारी लाइसेंसधारी की हत्या की रिपोर्ट पर चिंता जताते हुए मुख्यमंत्री ने पुलिस महानिदेशक को दोषियों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए। साथ ही, उन्होंने कहा कि जारी कर उसे इमरजेंसी सेवा '112' से लिंक करने के निर्देश दिए गए।

जिन नागरिकों को धमकी या फिरौती संबंधी कॉल मिल रही हैं, उन्हें त्वरित सुरक्षा प्रदान की जाए। इस उद्देश्य के लिए एक समर्पित हेल्पलाइन नंबर मुख्यमंत्री ने आबकारी एवं कराधान विभाग की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आबकारी नीलामी की प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण करने और राज्य को मिलने वाले राजस्व को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। आबकारी नीलामी में, अब तक विभाग 934 आबकारी जोन की नीलामी के साथ अधिकांश आबकारी जोन की नीलामी करने में सक्षम रहा है और पिछले वर्ष के 5037 करोड़ रुपये की तुलना में इस बार 11,054 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त किया है। नीलामी के दौरान अब तक अच्छी प्रतिक्रिया प्राप्त हुई है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पुलिस बल को कड़े निर्देश देते हुए कहा कि धरातल पर पुलिस की उपस्थिति ऐसी होनी चाहिए जिससे जनता सुरक्षित महसूस करे और गलत काम करने वालों व असामाजिक तत्वों के बीच कानून का डर पैदा हो।

योगी ने लगाया जनता दरबार,जन समस्यायों के निराकरण के निर्देश

एजेंसी

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को गोरखपुर में आयोजित जनता दर्शन में लोगों की समस्याओं को सुना और संबंधित अधिकारियों को प्राथमिकता के साथ जन-समस्याओं के शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए । गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री एक एक कर कुर्सियों पर बैठे फरियादियों के बीच गये और उनकी समस्यायों को गंभीरता से सुना। उन्होने संबंधित अधिकारियों को पीड़ितो की समस्या के निराकरण के निर्देश दिये। उन्होने कहा कि दबंगों और भूमाफियाओं के खिलाफ कतई नरमी नहीं बरती जायेगी और जनता की समस्यायों का प्राथमिकता से निराकरण हर अधिकारी की जिम्मेदारी है और इसमें कोताही बर्दाश्त नहीं की जायेगी।

आगरा में दो सड़क हादसों में छह लोगों की मौत

एजेंसी

आगरा। उत्तर प्रदेश के आगरा जिले में मंगलवार देर रात और बुधवार की सुबह हुई दो अलग अलग सड़क दुर्घटनाओं में छह लोगों की जान चली गई और करीब 33 लोग घायल हो गए। सुबह टहलने निकले लोगों पर एक मैक्स गाड़ी पलट गई, जिससे चार लोगों की मौत हो गई। इससे पहले लखनऊ एक्सप्रेस वे पर खड़े ट्रक में बस पीछे से टकरा जाने से दो लोगों की जान चली गई। पुलिस सूत्रों ने बताया कि थाना ट्रांस यमुना क्षेत्र में बुधवार की सुबह मैक्स (मिनी ट्रक) पलट गई। हादसे की चपेट में आने से टहलने निकले तीन लोगों और मैक्स चालक की मौत हो गई। यह हादसा शाहदरा फ्लाई ओवर पर हुआ। लखनऊ मंडी से आम भरकर ला रही मैक्स गाड़ी अचानक अनियंत्रित होकर डिवाइडर में टकराई और पलट गई। हाईवे किनारे टहलने के लिए निकले तीन लोग मैक्स के नीचे दब गए। चालक भी गंभीर रूप से घायल हो गया। घायलों को उपचार के लिए जब तक अस्पताल भेजा जाता, तब तक चार की मौके पर ही मौत हो गई।मैक्स गाड़ी का क्लीनर भी गंभीर रूप से घायल हो गया, उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। माना जा रहा है कि चालक को झपकी आने से यह हादसा हुआ। हादसे में शाहदरा निवासी राजेश (55), रामेश्वर (60), हरीबाबू (63) और गाड़ी चालक कृष्णा की मौत हो गई।

नौसेना में शामिल होने जा रहा एंटी-सबमरीन वॉरफेयर युद्धपोत 'अर्नाला'

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना का पहला एंटी-सबमरीन वॉरफेयर शैलो वॉटर क्राफ्ट (युद्धपोत) 'अर्नाला' नौसेना में शामिल होने जा रहा है। बुधवार को यह युद्धपोत भारतीय नौसेना का हिस्सा बन जाएगा। भारतीय नौसेना की तटीय रक्षा क्षमताओं को और सुदृढ़ करते हुए, 16 स्वदेशी रूप से डिजाइन और निर्मित एंटी-सबमरीन वॉरफेयर शैलो वॉटर क्राफ्ट युद्धपोतों को नौसेना में शामिल किया जा रहा है। इस श्रृंखला का पहला युद्धपोत अर्नाला 8 मई को सौंपा गया था। अब चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान की अध्यक्षता में इसकी आधिकारिक कमीशनिंग की जाएगी। यह परियोजना आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत भारतीय समुद्री सुरक्षा क्षमताओं को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इन युद्धपोतों का निर्माण गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स तथा कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड द्वारा किया गया है। ये नए पोत पुरानी हो रही अभय-क्लास कॉर्वेट्स की जगह लेंगे। 80 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी सामग्री के साथ निर्मित ये पोत भारत की बढ़ती हुई आत्मनिर्भरता और घरेलू रक्षा उद्योग की मजबूती का प्रतीक हैं। नौसेना के मुताबिक इन युद्धपोतों का मुख्य उद्देश्य तटीय और उथले समुद्री क्षेत्रों में दुश्मन की पनडुब्बियों की पहचान करना, उन्हें ट्रैक करना और नष्ट करना है।

लत सूचना फैलाने का आरोप लगाया

नई दिल्ली। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ ने कांग्रेस पार्टी पर कड़ा प्रहार करते हुए उस पर गलत सूचना फैलाने का आरोप लगाया है। साथ ही उन्होंने हाल ही में केंद्र सरकार द्वारा जारी जाति जनगणना अधिसूचना का हवाला देते हुए राष्ट्रीय सुरक्षा और सामाजिक न्याय पर मोदी सरकार के प्रयासों की प्रशंसा की। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ ने मंगलवार को समाचार एजेंसी आईएएनएस से बात करते हुए जाति आधारित जनगणना पर कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने इसे कराने का फैसला करके एक स्पष्ट और ऐतिहासिक÷ कदम उठाया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस कदम से पिछड़े समुदायों के लिए समान प्रतिनिधित्व सुनिश्चित होगा। उन्होंने कांग्रेस पर भी तीखा हमला किया और उसे फर्जी खबरों की फैक्ट्री करार दिया। चुघ ने कहा, कांग्रेस लगातार झूठ फैला रही है और उसके दावे पूरी तरह से झूठे और निराधार हैं। पीएम मोदी ने स्पष्ट तौर पर बताया है कि आगामी जनगणना के साथ ही जाति जनगणना होगी।

जातिगत जनगणना पर सवाल उठाए जाने को लेकर कांग्रेस पर बिफरे शाहनवाज हुसैन, बोले- इनके पास अब कोई काम नहीं

नई दिल्ली । भाजपा नेता शाहनवाज हुसैन ने मंगलवार को कहा कि एक तरफ जहां कांग्रेस जातिगत जनगणना की मांग करती है। वहीं दूसरी तरफ जब केंद्र सरकार जातिगत जनगणना कराने के लिए राजी हो जाती है, तो ये लोग उल्टे सीधे सवाल उठाने पर आमादा हो जाते हैं। आखिर यह लोग क्या चाहते हैं। इन लोगों को अपनी स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। उन्होंने ये बातें समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में कांग्रेस की तरफ से जातिगत जनगणना पर सवाल उठाए जाने के संबंध में कही है। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि इस पार्टी के पास कोई काम नहीं है, इसलिए यह अब इधर-उधर की बातें कर रही है, जिसे किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता है। कांग्रेस की इन्हीं उल्टी-सीधी बातों की वजह से अब कोई भी इनकी बातों को सुनने के लिए तैयार नहीं हो रहा है। कांग्रेस के पास मौजूदा समय में कोई काम नहीं रह गया है, इसलिए अब यह इधर-उधर की बातें कर रही है। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने जातिगत जनगणना के संबंध में केंद्र सरकार की तरफ से जारी अधिसूचना को लेकर अपने सोशल मीडिया एक्स हैंडल पर पोस्ट किया। अपने पोस्ट में उन्होंने तेलंगाना सरकार की तरफ से जातिगत जनगणना के संबंध में जारी।

नीतीश कटारा हत्याकांडः सुप्रीम कोर्ट ने दोषी विकास यादव की अंतरिम जमानत बढ़ाई

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने नीतीश कटारा हत्याकांड में विकास यादव को राहत दी है। मंगलवार को हत्याकांड के दोषी विकास यादव की अंतरिम जमानत बढ़ा दी गई। सुप्रीम कोर्ट ने विकास की अंतरिम जमानत को दो हफ्ते के लिए बढ़ाया है। नीतीश कटारा हत्याकांड में विकास यादव को 25 साल की सजा हुई थी। विकास यादव की मां बीमार है। उसने मां के इलाज के लिए अंतरिम जमानत के लिए कोर्ट का रुख किया था। 24 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट ने उसे अंतरिम जमानत दी थी। 19 मई को सुप्रीम कोर्ट ने विकास यादव की अंतरिम जमानत को चार हफ्ते के लिए बढ़ाया। इसके बाद फिलहाल और दो हफ्ते के लिए अंतरिम जमानत बढ़ाई गई है।हालांकि सुप्रीम कोर्ट में इस दौरान पीड़ित नीलम कटारा के वकील ने विकास की अंतरिम जमानत का विरोध किया था। वकील ने कहा कि दोषी विकास यादव की मां की सर्जरी हो चुकी हो और अब वो हॉस्पिटल से डिस्चार्ज हो चुकी हैं। ऐसे में अंतरिम जमानत बढ़ाने का कोई आधार नहीं बनता। फरवरी 2002 में नीतीश कटारा की हत्या हुई थी।

जीवाश्मों से साबित हुआ एक समय पश्चिमी घाट की तरह गर्म और आर्द्र था पूर्वोत्तर

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र में मिले जीवाश्मों से यह साबित हुआ है कि एक समय यह क्षेत्र पश्चिमी घाट की तरह गर्म और आर्द्र था। समय के साथ यहां के तापमान, वर्षा और हवाओं में बदलाव हुए, जिससे यह क्षेत्र उष्णकटिबंधीय पौधों के लिए अनुपयुक्त हो गया। यह जलवायु परिवर्तन आज भी जारी है। यह जानकारी बीरबल साहनी पैलियोसाइंसेज़ संस्थान, लखनऊ (बीएसआइपी) के शोधकर्ताओं द्वारा दी गई है। विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) के अधीन स्वायत्त इस संस्थान की टीम ने असम के माकुम कोलफील्ड से प्राप्त 24 लाख वर्ष पुराने पत्तों के जीवाश्मों का अध्ययन किया। इनकी बनावट की पहचान हर्बेरियम तुलना और क्लस्टर विश्लेषण के माध्यम से की गई। अध्ययन में यह स्पष्ट हुआ कि यह जीवाश्म वेस्टर्न घाट्स में

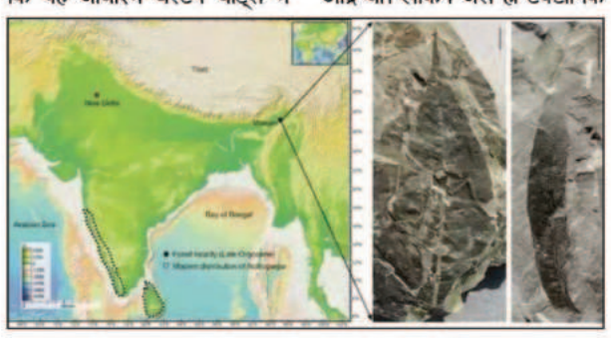

आज भी पाए जाने वाले 'नोथोपेगिया' वंश के पौधों से मेल खाते हैं।शोधकर्ताओं ने जलवायु पत्ती विश्लेषण बहुविषयी कार्यक्रम (सीएलएएमपी) की सहायता से यह भी स्पष्ट किया कि उस काल में पूर्वोत्तर भारत का वातावरण गर्म और आर्द्र था। लेकिन जैसे ही टेक्टोनिक गतिविधियों से हिमालय का उत्थान हुआ, तापमान, वर्षा और हवाओं में भारी परिवर्तन आए। इससे यह क्षेत्र ठंडा होता गया और 'नोथोपेगिया' जैसे उष्णकटिबंधीय पौधों के लिए अनुपयुक्त हो गया। दूसरी ओर, पश्चिमी घाट का जलवायु स्थिर बना रहा। इसी कारण 'नोथोपेगिया' वंश वहां अब भी जीवित है और यह एक प्राचीन पारिस्थितिकी का अवशेष माना जा सकता है। शोध पत्र 'रिव्यू ऑफ पैलियोबॉटनी और पैलिनोलॉजी' में प्रकाशित हुआ है। अध्ययन में यह भी दर्शाया गया है कि जैविक प्रवास और प्रजातियों के विलुप्त होने की घटनाएं प्राकृतिक जलवायु परिवर्तन से जुड़ी रही हैं। शोध की सहलेखिका हर्षिता भाटिया ने इसे अतीत की एक खिड़की कहा है, जो भविष्य को समझने में मदद कर सकती है। यह खोज दक्षिण एशिया की जैव विविधता के इतिहास को समझने में एक महत्वपूर्ण योगदान मानी जा रही है।

जातिगत जनगणना का अधिकार केवल केन्द्र के पासः भाजपा

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी का कहना है कि राज्य सरकारें जातिगत जनगणना नहीं करा सकतीं, केवल सर्वे करा सकती हैं। कांग्रेस जनता को भ्रमित कर रही है, जबकि केंद्र सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि सामाजिक, आर्थिक और जातिगत जनगणना केंद्र स्तर पर ही की जाएगी। दिल्ली में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में राज्यसभा सदस्य और भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने इस मुद्दे पर आज कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि वह बार-बार जानबूझकर तथ्यों को तोड़-मरोड़कर पेश कर रही है। त्रिवेदी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार जनता से जुड़ी सामाजिक, आर्थिक और जातिगत जानकारी एकत्र करायेगी। यह स्वतंत्र भारत के इतिहास में पहली बार होगा।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस तेलंगाना में हो रहे सर्वे को जनगणना बताकर जनता को गुमराह कर रही है। सच्चाई यह है कि राज्य केवल सर्वेक्षण कर सकते हैं, जनगणना का अधिकार केंद्र सरकार के पास है। उन्होंने सवाल पूछा कि कांग्रेस की तेलंगाना सरकार में कितने ओबीसी मंत्री हैं। वहीं, आज देश में सबसे अधिक ओबीसी मंत्री केंद्र सरकार में हैं। त्रिवेदी ने कांग्रेस पर परिवारवाद और केवल सत्ता की राजनीति करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भाजपा और एनडीए का विचार है– 'सबका विश्वास, सबका प्रयास' है। कांग्रेस और इंडी गठबंधन का उद्देश्य केवल जातियों में विभाजन पैदा करना है। उल्लेखनीय है कि भारत में 1931 में ब्रिटिश शासन के दौरान अंतिम जातिगत जनगणना हुई थी। स्वतंत्र भारत में 1951 के बाद जातिगत आंकड़े नहीं लिए गए। 2011 में सामाजिक-आर्थिक और जातिगत सर्वेक्षण हुआ लेकिन उसे औपचारिक जनगणना के रूप में मान्यता नहीं मिली थी।

केरल के कासरगोड में हादसे के बाद एनएचएआई ने ठोस कदम उठाए, विशेषज्ञ समिति करेगी जांच

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार की अधीनस्थ संस्था राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने केरल के कासरगोड जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग-66 (एनएच-66) के चेरक्कला क्षेत्र में ढलान सुरक्षा कार्य के ढहने की घटना को गंभीरता से लिया है। यह हादसा 16 जून को चेंगला-नीलेश्वरम सेक्शन में घटित हुआ था। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने बताया कि शुरुआती जांच में पाया गया कि दुर्घटना का मुख्य कारण अनुचित डिज़ाइन, अपर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था और खराब ड्रेनेज सिस्टम था। इस लापरवाही के लिए एनएचएआई ने ठेकेदार कंपनी मेघा इंजीनियरिंग एंड इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड और इसके प्रमोटर को भविष्य की सभी परियोजनाओं की निविदाओं (बोली) से बाहर कर दिया है। इसके अतिरिक्त कंपनी को कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए एक साल के लिए डिबार करने और 9 करोड़ रुपये तक के जुर्माने की चेतावनी भी दी गई है। इस परियोजना को हाइब्रिड एन्युइटी मोड के तहत विकसित किया जा रहा है, जिसमें ठेकेदार को न केवल निर्माण करना होता है बल्कि 15 वर्षों तक राजमार्ग का रखरखाव भी करना होता है। अब कंपनी को अपने खर्च पर ढलान सुरक्षा कार्य दोबारा करने होंगे। एनएचएआई ने इस घटना की गहन जांच के लिए उच्च स्तरीय विशेषज्ञ समिति गठित की है, जिसमें केंद्रीय सड़क अनुसंधान संस्थान (सीआरआरआई) के वरिष्ठ वैज्ञानिक, आईआईटी पालक्काड़ के सेवानिवृत्त प्रोफेसर और भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) के विशेषज्ञ

शामिल हैं। यह समिति घटनास्थल का दौरा कर डिजाइन और निर्माण की समीक्षा करेगी तथा इस परियोजना के लिए आवश्यक सुधारात्मक सुझाव देगी। एनएचएआई ने स्पष्ट किया है कि वह भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए सभी आवश्यक कदम उठा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि सड़क सुरक्षा और ढांचागत गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यह घटना राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण और रखरखाव के मानकों पर एक बार फिर सवाल खड़े करती है। स्थानीय नागरिकों और यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए इस प्रकार की कड़ी कार्रवाई को साहसिक और आवश्यक कदम माना जा रहा है।

ईरान में फंसे भारतीयों को वापस लाने के लिए शिया धर्म गुरु ने विदेश मंत्री को लिखा पत्र

एजेंसी

नई दिल्ली। ईरान-इजरायल युद्ध के बीच भारत से ईरान-इराक गए तीर्थ यात्रियों और दोनों देशों के विश्वविद्यालय में शिक्षा प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को सकुशल भारत वापस लाने के लिए प्रयास तेज हो गए हैं। शिया धर्म गुरु मौलाना सैफ अब्बास नकवी ने विदेश मंत्री एस जयशंकर को पत्र लिखकर ईरान, इराक में फंसे तीर्थ यात्रियों और छात्रों को भारत वापस लाने की अपील की है। उन्होंने पत्र लिखकर विदेश मंत्री को सारे हालात से आगाह किया है।

मौलाना सैफ अब्बास नकवी ने हिन्दुस्थान समाचार से बात करते हुए बताया कि ईरान-इजरायल युद्ध के बीच भारत से ईरान और इराक गए तीर्थ यात्रियों के वहां पर फंसे रहने की वजह से भारत में उनके परिजनों को काफी चिंता है। उन्होंने बताया कि भारत में रहने वाले यह सभी लोग ईरान, इराक में स्थित धार्मिक स्थलों का दर्शन करने के लिए गए हुए थे। इस बीच वहां युद्ध छिड़ने की वजह से दोनों देशों में हवाई जहाज की उड़ानों पर रोक लगा दी गई है। उन्होंने बताया कि इस समय 1500 के

लगभग भारत के छात्र ईरान में मौजूद है जो वहां के विभिन्न विश्वविद्यालय में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। यह सभी वहां पर फंसे हुए हैं। इसके अलावा 800 के करीब तीर्थ यात्री भी ईरान में फंसे हुए हैं। उन्होंने बताया कि इराक में भी 800 के लगभग छात्र और 850 के लगभग तीर्थ यात्री फंसे हुए हैं। इन सभी लोगों को सकुशल भारत लाने के लिए विदेश मंत्री से गुहार लगाई गई है। उन्होंने बताया कि उनके अलावा जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्लाह भी ईरान और इराक में फंसे तीर्थ यात्रियों और छात्रों के लिए काफी चिंतित है और उन्होंने भी भारत सरकार से इस दिशा में उचित कदम उठाने की मांग की है।

मौलाना ने बताया कि विदेश मंत्रालय कुछ सुझाव दिए गए हैं, जिसमें कहा गया है कि ईरान से बाई रोड आर्मेनिया आने के बाद उन्हें हवाई जहाज से भारत लाया जा सकता है। हालांकि, यह कदम काफी खतरनाक हो सकता है, क्योंकि युद्ध के दौरान दोनों देशों के जरिए एक दूसरे पर मिसाइलों और फाइटर जहाज से बमों की बारिश की जा रही है। इसकी चपेट में आकर कोई बड़ी घटना भी घट सकती है। इसलिए जब तक सुरक्षित रास्ता उपलब्ध नहीं कराया जाता है, तब तक भारतीय तीर्थ यात्रियों और छात्रों को भारत लाने के लिए इस तरह का कोई कदम नहीं उठाना चाहिए।

एयर इंडिया की दिल्ली-पेरिस सहित कई उड़ानें रद्द, मौसम ने भी बढ़ाई मुश्किलें

एजेंसी

नई दिल्ली। टाटा की अगुवाई वाली एयर इंडिया एयरलाइंस ने दिल्ली-पेरिस फ्लाइट संख?या एआई-143 और अहमदाबाद-लंदन रूट सहित कई अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रद्द कर दी हैं। वहीं, नई दिल्ली में खराब मौसम की वजह से एयर इंडिया के उड़ानों का परिचालन भी प्रभावित हुआ है, जिससे कुछ उड़ानों का मार्ग परिवर्तित किया गया है। दिल्ली एयरपोर्ट ने खराब मौसम के चलते उड़ाने प्रभावित होने की एडवाइजरी भी जारी की है। एयर इंडिया ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी बयान में बताया कि दिल्ली में खराब मौसम की वजह से हमारी उड़ानों का परिचालन प्रभावित हो रहा है। एयरलाइन ने परिचालन कारणों और भारत के विमानन नियामक, नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) द्वारा शुरू किए गए एहतियाती विमान निरीक्षण का हवाला देते हुए 6 अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रद्द कर दीं। कुछ

उड़ानों का मार्ग परिवर्तित किया गया है। ऐसे में यात्रियों से हवाई अड्डे पर जाने से पहले उड़ानों की स्थिति की जांच करने की अपील की गई है। इससे पहले एयर इंडिया ने अपनी 5 अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को रद्द कर दिया है। एयर इंडिया ने कहा कि विमान की अनुपलब्धता के कारण अहमदाबाद से लंदन की उसकी उड़ान रद्द कर दी गई है। एयरलाइंस ने दिल्ली से पेरिस की उड़ान संख?या एआई-143 को भी रद्द कर दिया है। इसके साथ ही पेरिस से दिल्ली वापसी उड़ान संख?या एआई-142 और अमृतसर की उड़ान भी शामिल है। एयरलाइन ने रद्दीकरण के कारणों के रूप में पेरिस के चार्ल्स डी गॉल हवाई अड्डे पर रात के संचालन पर मुद्दों और प्रतिबंधों की पहचान करने वाली अनिवार्य प्री-फ्लाइट जांच का हवाला दिया। एयर इंडिया के प्रवक्ता ने जारी एक बयान में बताया कि अहमदाबाद से लंदन के गैटविक के लिए उसकी उड़ान को विमान की अनुपलब्धता की वजह से रद्द कर दी गई है, जिसके परिणामस्वरूप हवाई क्षेत्र प्रतिबंध और अतिरिक्त एहतियाती जांच हुई है। एयरलाइन ने इस दावे से इनकार किया कि किसी तकनीकी खराबी के कारण उड़ान रद्द की गई है। कंपनी ने यात्रियों को हुई असुविधा पर खेद जताते हुए कहा कि यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की गई है। इसके साथ ही होटल में ठहरने की व्यवस्था की जा रही है और यात्रियों द्वारा विकल्प चुनने पर रद्दीकरण या मानार्थ पुनर्निर्धारण पर रिफंड की पेशकश भी की जा रही है। उल्लेखनीय है कि एयर इंडिया का लंदन जाने वाला बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर विमान 12 जून को अहमदाबाद के सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ान भरने के तुरंत बाद एक छात्रावास परिसर में दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी, जिसमें 242 में से 241 यात्रियों और चालक दल के सदस्यों की मौत हो गई थी।

इस वर्ष सिख श्रद्धालुओं का जत्था नहीं जाएगा पाकिस्तान

एजेंसी

चंडीगढ़। शिरोमणि गुरूद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) ने फैसला किया है कि इस बार सिख श्रद्धालुओं का जत्था पाकिस्तान में गुरूधामों की यात्रा पर नहीं जाएगा। यह जानकारी एसजीपीसी के सचिव प्रताप सिंह ने दी। दरअसल, शेरे पंजाब महाराजा रणजीत सिंह की बरसी के अवसर पर जून माह के अंतिम सप्ताह में पाकिस्तान में हर साल कार्यक्रम होते हैं। हर साल की तरह इस साल भी पाकिस्तान की तरफ से कार्यक्रमों का ब्यौरा एसजीपीसी को भेजा गया था। जिसके तहत 29 जून को भारतीय सिख श्रद्धालुओं के जत्थे को पाकिस्तान रवाना होना था। एसजीपीसी के सचिव प्रताप सिंह ने बताया कि सिख श्रद्धालुओं की तरफ से पाकिस्तान जाने के लिए अपने पासपोर्ट तथा अन्य दस्तावेज एसजीपीसी के पास जमा करवा दिए गए थे।

दोनों देशों के बीच तनाव तथा अभी तक लगाई गई पाबंदियों के मद्देनजर एसजीपीसी ने इस बार सिख श्रद्धालुओं को पाकिस्तान नहीं भेजने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि सिख श्रद्धालुओं को उनके पासपोर्ट तथा अन्य दस्तावेज वापस किए जाएंगे।

कांग्रेस के दबाव के चलते सरकार जाति जनगणना कराने पर मजबूर हुई : सम्राट चौधरी

नई दिल्ली । केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा आयोजित वार्षिक राहत आयुक्त एवं राज्य आपदा मोचन बल सम्मेलन 2025 का समापन हो गया। इस दो दिवसीय सम्मेलन में देशभर के राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों से आए 1000 से अधिक प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। दो दिवसीय सम्मेलन के समापन सत्र की अध्यक्षता प्रधानमंत्री के प्रमुख सचिव डॉ. पी. के. मिश्रा ने की। उन्होंने आपदा प्रबंधन के बदलते स्वरूप के अनुसार राज्यों को तत्परता और सामूहिक प्रयास बढ़ाने पर बल दिया। दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित सम्मेलन के समापन सत्र को संबोधित करते हुए डॉ. पी. के. मिश्रा ने कहा कि यह सम्मेलन औपचारिकता भर नहीं, बल्कि संयुक्त सोच, समीक्षा और सुधार का अवसर है। उन्होंने कहा कि आज खतरे आपस में जुड़े हुए हैं, उनके प्रभाव कई गुना बढ़ रहे हैं और जोखिम तेजी से बदल रहे हैं। इसके लिए सभी संस्थाओं को अपनी तैयारियों को नए सिरे से मजबूत करना होगा। डॉ. मिश्रा ने कहा कि राज्यों को राहत और मोचन से आगे बढ़कर तैयारी और न्यूनीकरण के लिए स्थायी संस्थागत ढांचा विकसित करना चाहिए। पुरानी

आपदाओं से सीखी गई बातों को संरक्षित कर क्रियान्वयन में लाना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि भारत के आपदा जोखिम न्यूनीकरण वित्तीय मॉडल को हाल ही में जिनेवा में वैश्विक मंच पर मान्यता मिली है। राज्यों को पुनर्निर्माण एवं न्यूनीकरण कोष का उपयुक्त उपयोग सुनिश्चित करना चाहिए।उन्होंने कहा कि समय पर चेतावनी और तेज गति से राहत संचालन अब मिनटों का खेल बन चुका है। सूखा और बिजली गिरने जैसी आपदाओं के नुकसान अनुमान से अधिक होते हैं। स्थानीय परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए शहरी बाढ़ समाधान अपनाने चाहिए। 'आपदा मित्र' जैसे कार्यक्रमों से जनभागीदारी को बढ़ावा देना जरूरी है। 'माय भारत' पहल युवाओं को आपदा मोचन में जोड़ने में सहायक हो सकती है। सम्मेलन में अर्ली वार्निंग, पोस्ट डिजास्टर असेसमेंट, शहरी बाढ़ प्रबंधन, तकनीकी नवाचार, मॉक ड्रिल, नागरिक रक्षा बलों और वालंटियर भागीदारी जैसे विषयों पर गहन चर्चा की गई। विभिन्न विशेषज्ञों ने अपने अनुभव साझा किए और भावी आपदा प्रबंधन की रूपरेखा पर विचार रखे। उल्लेखनीय है कि भारत में 1950 के दशक से आपदा प्रबंधन नीति का विकास होता आया है। वर्तमान में राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और राज्यस्तरीय एसडीआरएफ इस दिशा में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुख्यमंत्री ने की मुलाकात

एजेंसी

नई दिल्ली। नई दिल्ली में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात की। इस दौरान मुख्यमंत्री

ने रानीखेत और लैंसडाउन छावनी क्षेत्र को नगर पालिकाओं के साथ विलय करने और ग्वालदम से नंदकेसरी मार्ग के रख-रखाव व अनुरक्षण कार्य, आपदा कार्यों के लिए वायुसेना देय शुल्क को माफ सहित राज्य से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने केन्द्रीय रक्षा मंत्री से रानीखेत और लैंसडाउन छावनी क्षेत्र को नगर पालिकाओं के साथ विलय करने का अनुरोध किया।

जिससे इन क्षेत्रों में पर्यटन व जनसुविधाओं के समग्र विकास में सहयोग मिलेगा। धारचूला और जोशीमठ के सैन्य हेलीपैड को आरसीएस हवाई सेवा के अंतर्गत उपयोग करने के लिए अनुमति प्रदान करने का आग्रह किया। राज्य के आपदा एवं राहत कार्यों के लिए भारतीय वायुसेना की सेवाओं के लिए देय शुल्क को माफ किये जाने का भी अनुरोध किया।

एआईसीटीई ने उद्योग-अकादमिक सहयोग को मजबूत करने के लिए उद्योग फेलोशिप कार्यक्रम शुरू किया

एजेंसी

नई दिल्ली। शिक्षा और उद्योग जगत के बीच की खाई को पाटने के लिए अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) ने एआईसीटीई इंडस्ट्री फेलोशिप प्रोग्राम शुरू किया है। इसके माध्यम से देशभर के तकनीकी संस्थानों के चयनित संकाय सदस्यों को अग्रणी उद्योगों के साथ काम करने का अवसर मिलेगा। एआईसीटीई के अध्यक्ष प्रो. टी.जी. सीताराम ने मंगलवार को योजना को लांच किया। एआईसीटीई के वर्ष 2047 तक विकसित भारत के विजन के हिस्से के रूप में फेलोशिप को शुरू में बतौर पायलट प्रोजेक्ट लागू किया जाएगा जिसमें शैक्षणिक वर्ष 2025-26 में 350 संकाय सदस्यों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। आने वाले वर्षों में इसे सालाना 1,500 फेलोशिप तक बढ़ाने का लक्ष्य है। यह अनूठी फेलोशिप सभी हितधारकों, संकाय, शैक्षणिक संस्थानों, उद्योग भागीदारों और छात्रों के लिए फायदेमंद है। संकाय सदस्यों को उद्योग का व्यावहारिक अनुभव, वर्तमान तकनीकों के बारे में बेहतर जानकारी और वास्तविक समय में समस्या-समाधान में प्रत्यक्ष भागीदारी प्राप्त होगी। वहीं, उद्योग जगत को

प्रशिक्षित शिक्षकों के बौद्धिक इनपुट से लाभ होगा और सहयोग के माध्यम से भविष्य के लिए तैयार कार्यबल की पाइपलाइन तैयार होगी। इस दौरान एआईसीटीई के अध्यक्ष प्रो. टी.जी. सीताराम ने कहा कि इस कार्यक्रम को उद्योग और शिक्षा जगत के बीच के अंतर को पाटने के लिए तैयार किया गया है। यह एक सामूहिक प्रयास है जो सभी हितधारकों के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है। संकाय सदस्यों को उद्योग का मूल्यवान अनुभव प्राप्त होगा जिससे वे अपने करियर में उन्नति कर सकेंगे। जबकि उद्योग जगत तकनीकी शिक्षा को आकार देने में अपनी सक्रिय भूमिका निभा सकेंगे। उन्होंने कहा कि परिसरों तक सीमित रहने से इस तरह के सहयोग विकसित नहीं हो सकते हैं। हमारे संकाय को आगे बढ़कर उद्योग में जाना होगा।

दिल्ली विश्वविद्यालय में दाखिलों का आगाज़, कुलपति ने लॉन्च किया नया एडमिशन पोर्टल

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) में शैक्षणिक वर्ष 2025-26 के लिए दाखिलों का बिगुल बज चुका है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने मंगलवार को संवाददाता सम्मेलन में स्नातक व स्नातकोत्तर कोर्सों के लिए नया एडमिशन पोर्टल लॉन्च किया। इसके साथ ही 5 वर्षीय लॉ व बी.टेक प्रोग्रामों, स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग (एसओएल) व पीएचडी दाखिलों की प्रक्रिया भी औपचारिक रूप से शुरू हो गई। इस वर्ष डीयू ने पीजी स्तर पर दो नए पाठ्यक्रम एमए हिंदी पत्रकारिता और एमए इन टूरिज्म मैनेजमेंट की भी शुरुआत की है। प्रो. सिंह ने बताया कि जल्द ही अंग्रेज़ी विभाग में एमए जर्नलिज़्म कोर्स भी शुरू किया जाएगा। साथ ही, प्रत्येक पीजी कोर्स में सिंगल गर्ल चाइल्ड के लिए एक अतिरिक्त आरक्षित सीट जोड़ी गई है। कुलपति ने बताया कि दाखिला पोर्टल को अपग्रेड किया गया है, जिसमें अब 'ऑटो-एक्सेप्ट' मोड लागू है जिससे आवंटित सीट अपने आप स्वीकृत हो जाती है। इस वर्ष स्नातकोत्तर स्तर पर 82 प्रोग्रामों के लिए कुल 13,432 सीटों पर 53,609 विद्यार्थियों ने पंजीकरण किया है, जिसमें 30,490 छात्राएं, 23,117 छात्र और 2 ट्रांसजेंडर अभ्यर्थी शामिल हैं। सिंगल गर्ल चाइल्ड कोटा के लिए 1,131 और अनाथ कोटे के लिए 90 आवेदन प्राप्त हुए हैं। एलएलबी प्रोग्राम सबसे लोकप्रिय रहा जिसमें 9,270 पंजीकरण हुए। स्नातक कार्यक्रमों में दाखिला कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट (सीयूईटी) के स्कोर के आधार पर होगा। डीयू के 69 कॉलेजों में 79 स्नातक कार्यक्रमों के लिए कुल 71,624 सीटें उपलब्ध कराई गई हैं। डीयू इस बार बीएससी (ऑनर्स) कोर्सों के लिए अनिवार्य 30 प्रतिशत न्यूनतम भाषा स्कोर की शर्त हटा चुका है डीयू के बी.टेक प्रोग्रामों में भी बड़ी रुचि देखने को मिली, जहां कंप्यूटर साइंस, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग कोर्सों के लिए 6,030 छात्रों ने पंजीकरण किया। इनमें से 195 ने सिंगल गर्ल चाइल्ड और 4 ने अनाथ श्रेणी के तहत आवेदन किया है।

संपादक की कलम से

प्रबंधन से ज्यादा जरूरी है आपदा रोकना

अहमदाबाद या उत्तराखंड हादसे से लेकर कोविड के नाम पर तालाबंदी के जरिए देश भर के करोड़ों प्रवासी मजदूरों के जीवन में तबाही लाने जैसे अधिकांश मामलों में मुख्य भूमिका सरकार की दिखती है या उसकी तरफ से दी गई ढील की है। अगर सिंगल इंजन के विमानों को दुर्गम पहाड़ियों वाले उत्तराखंड में ऑटो की तरह पैसेंजर ढोते सब लोग देख लेते हैं तो यह सरकार को क्यों नहीं दिखता।

सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के राहत आयुक्तों और आपदा प्रबंधन के मुखिया लोगों के बीच जब केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह आपदा प्रबंधन में भारत को दुनिया का अगुआ और मोदी राज के दस वर्षों में यह उपलब्धि हासिल करने का दावा कर रहे थे तब डरावने विमान हादसे से बिखरे मलबे और मानव अंगों को समेटने और पहचानने का काम पूरा नहीं हुआ था और जिस किसी ने भी प्रत्यक्ष या वीडियो वगैरह के जरिए राहत एजेंसियों के लोगों को लगन और धैर्य से काम करते देखा होगा वह एक बार गृह मंत्री के दावे पर भरोसा कर लेगा। वैसे यह अलग बात है कि इसी अमित शाह ने इसी दुर्घटना को लेकर जैसा कैजुअल बयान दिया था उसकी काफी आलोचना हुई थी। आपदा प्रबंधन वाले लोगों के काम की मुश्किल इस बात से भी समझी जा सकती थी कि जब शायद ही कोई शव साबुत मिला हो तब टुकड़ों के आधार पर उसकी पहचान करके घरवालों को सही व्यक्ति की लाश सौंपना असंभव बन गया। लगभग आधे शव ही पहचाने जा सके। हजारों हजार रुपए देकर यात्रा करने वाले यात्रियों और आकाश से आने वाली मौत से अनजान डाक्टर बनने का सपना लेकर आगे बढ़ रहे हास्टल वाले बच्चों के परिवार वालों को अगर शव सौंपना संभव न हो तब सफलता-विफलता और दुनिया में सर्वश्रेष्ठ बनने का दावा क्यों नहीं करना चाहिए यह समझ तो इतने जिम्मेदार नेता में होनी चाहिए।

अब यह दुर्घटना या इसके ठीक बाद हुई उतराखंड में हेलीकाप्टर दुर्घटना या पुणे में पुल टूटने की घटना या बेंगलुरु में भगदड़ या कुम्भ की भगदड़ या हाथरस की भगदड़ या फिर बाढ़ और प्राकृतिक आपदाओ या कोविड जैसी महामारी के बीच हमारी इन आपदा प्रबंधन एजेंसियों के कामकाज पर नजर डालेंगे तो रिकार्ड फिफ्टी-फिफ्टी का ही मिलेगा। इन पर होने वाले खर्च को जोड़ेंगे तो हिसाब और महंगा लगेगा। इनकी जरूरत और इनकी कार्यकुशलता की मांग तो लगातार बढ़ती जा रही है। लेकिन गृह मंत्री का यह दावा राजनैतिक लगता है कि एजेंसियों ने मोदी राज में नुकसान को न्यूनतम या कम करने की जगह शून्य करने में सफलता पाई है। वे यह कहने से भी नहीं चूके कि आपदा एक वैश्विक समस्या है क्योंकि जलवायु परिवर्तन और वैश्विक तापमान में वृद्धि के चलते इनकाक्रम बढ़ गया है। इस बात में सच्चाई हो सकती है लेकिन सारी आपदाओं को प्रकृति और जलवायु के बदलाओं के मत्थे मढ़ना ठीक नहीं है। असल में उस बदलाव और बिगड़ाव के लिए हमी दोषी हैं, हमारी सरकारों की नीतियां दोषी हैं।

अपने यहां अहमदाबाद या उत्तराखंड हादसे से लेकर कोविड के नाम पर तालाबंदी के जरिए देश भर के करोड़ों प्रवासी मजदूरों के जीवन में तबाही लाने जैसे अधिकांश मामलों में मुख्य भूमिका सरकार की दिखती है या उसकी तरफ से दी गई ढील की है। अगर सिंगल इंजन के विमानों को दुर्गम पहाड़ियों वाले उत्तराखंड में ऑटो की तरह पैसेंजर ढोते सब लोग देख लेते हैं तो यह सरकार को क्यों नहीं दिखता। उसके साथ दलालों और पैसों की लूट करने वाली कंपनियों का रिश्ता क्यों नहीं दिखता। हवाई यातायात ही नहीं, सड़क और रेल परिवहन जितना लूटने लगे है उनमें सुविधाओं और सुरक्षा की उतनी ही कमी क्यों आती जा रही है। सड़े गले पुल पर ट्रैफिक न जाए यह देखना किसका जिम्मा है? लोगों के बड़े जमावड़े की इजाजत देते समय कायदे कानून को क्यों बिसरा दिया जाता है? ऐसी दुर्घटनाएं बार-बार हो रही हैं और एनडीआरएफ के जवानों की बहादुरी और कर्तव्यपरायणता के बावजूद बड़ी संख्या में मौत हो जाती है। ऐसी जगह सरकार किसके पक्ष में होती है यह बताया न भी जाए तो इतना जरूर होता है कि वह नुकसान को कम से कम बताकर अपनी जिम्मेवारी से बचना चाहती है।

इस बात का सबसे अच्छा उदाहरण पहलगाम कांड और हमारी सैनिक कार्रवाई की गहमागहमी के बीच कोविड से हुई मौतों का आंकड़ा जारी करना है। यह काम गृह मंत्रालय का ही था और जन्म तथा मृत्यु के आंकड़े जारी करने का रूटीन काम भी कई साल बाद किया गया। इस सरकारी आंकड़े से पता चला कि अकेले 2021 में कोविड से मौत के आंकड़े तीन लाख नहीं बीस लाख से ज्यादा है- पहले बताए जाने वाले आंकड़े से लगभग सात गुना। गुजरात जैसे राज्य में आंकड़ों का फासला साठ गुना लगता है तो उत्तर प्रदेश में भी सात के कई गुना ज्यादा। इस बीच कोविड प्रबंधन में दुनिया भर में झण्डा फहराने जैसे न जाने कितने दावे किए गए। इन मौतों को लेकर सारे चैनल और अखबार सरकार की भक्ति में न थे लेकिन हिन्दू की रिपोर्टों को अनदेखा किया गया तो भास्कर को डांटकर चुप करा दिया गया। अंग्रेजी मीडिया की खबरों से सरकार को ज्यादा चिंता नहीं होती। याद कीजिए, दानिश सिद्दीकी द्वारा लाश से पटी सीमापुरी श्मशान की तस्वीरों पर क्या कहा गया या भास्कर को किस तरह माफी मांगने पर मजबूर किया गया। अफगान युद्ध में फोटोग्राफी करते वक्त जान गंवाने वाले दानिश को तब शासक दल के प्रवक्ता गिद्ध कहते थे।

किस बीमारी के कारण अचानक हाथ पैरों में दर्द होने लगता है

यदि आपके भी हाथ पैरों में अचानक दर्द होने लगता है तो कुछ सचेत हो जाएं. यह कई कारणों से हो सकता है. इसके पीछे बीमारी या पोषण की कमी हो सकती है. अचानक ऐसा क्यों होता है और इसके पीछे क्या कारण होते हैं. इस बारे में हमें बता रहे हैं एक्सपर्ट.

अचानक हाथ पैरों में दर्द होने के पीछे कई कारण हो सकते हैं. इनमें अधिक परिश्रम और कुछ स्वास्थ्य समस्याएं भी शामिल हो सकती हैं. कई बार अचानक झटका लगने के कारण भी ऐसा हो सकता है. इसके अलावा कुछ बीमारियां भी इसका कारण हो सकती है. यदि आपको भी अचानक ही हाथ पैरों में दर्द होना शुरू हो जाता है तो इसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए. इसके कारणों के बारे में जानकारी करनी चाहिए. कई बार सोने के दौरान भी हाथ या पैर गलत एंगल में होने के कारण दर्द होता है.

क्यों होता है दर्द

जिला कंबाइंड अस्पताल के सीनियर ऑथोर्पेडिक सर्जन डॉ. एके सिंह बताते हैं कि अचानक हाथ-पैरों में दर्द होने के कारण होते हैं. इनमें कई बीमारियां भी शामिल हैं. सामान्य कारणों में गठिया, अर्थराइटिस, फाइब्रोमायल्जिया, नसों में दर्द, संक्रमण शामिल हैं. इसके अलावा गंभीर कारणों में इलेक्ट्रोलाइट असंतुलन, डिहाइड्रेशन, विटामिन की कमी और कुछ प्रकार की दवाइयों के साइड इफेक्ट्स भी दर्द का कारण बन सकते हैं. यदि आपको अचानक ही हाथ या पैरों में दर्द होने लगता है तो इसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

एफएटीएफ के निशाने पर है पाक का आतंकवाद

-: ललित गर्ग :-

विश्व में मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकवाद के वित्तपोषण पर नजर रखने वाली संस्था वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (एफएटीएफ) ने भले ही अभी पाकिस्तान को ग्रे लिस्ट में नहीं डाला है, लेकिन उसने अंततः 22 अप्रैल को पहलगाम की क्रूर आतंकवादी हमले की निंदा की है। ऐसा करते हुए एफएटीएफ ने भारत की तार्किक दलील पर ही मोहर लगायी है जो भारत की इस विषयक सफलता को द्योतक हैं। एफएटीएफ ने दो टूक शब्दों में कह दिया है कि ह्यऐसे घटनाक्रम बिना पैसे और आतंकवादियों के समर्थकों के बीच फंडों के स्थानांतरित करने के बगैर नहीं हो सकते।ह्न आखिरकार भारत की यह चिर-प्रतीक्षित मांग कि पाक को आतंकवाद के पोषण के लिये कटघरे में खड़ा किया जाए, इस मांग के सफलता की सीढ़ियां चढ़ने का ही संकेत हैं। भारत ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद विश्व जनमत को पाकिस्तान की हकीकत बताने के जो सार्थक प्रयास किए थे, भारत के सांसदों एवं अफसरों के प्रतिनिधिमण्डल को पाक को बेनकाब करने के लिये विश्व के प्रमुख देशों में भेजा, वे फलीभूत होते नजर आ रहे हैं।

एफएटीएफ की ग्रे लिस्ट में किसी देश को तब तक निगरानी में रखा जाता है, जब तक कि वह अपनी वित्तीय प्रणाली में पहचानी गई खामियों, त्रुटियों, विसंगतियों को ठीक नहीं कर लेता। पाकिस्तान निरंतर आतंकवाद को पोषण एवं प्रोत्साहन देने के लिये 2022 तक ग्रे लिस्ट में था, उसी वर्ष उसे ग्रे लिस्ट से हटाया गया, बावजूद पाकिस्तान ने कोई सुधार नहीं किया है और आतंकवादियों को न सिर्फ सुरक्षित पनाहगाह उपलब्ध करा रहा है, बल्कि आतंकवाद के वित्तपोषण जैसे आपराधिक कामों में भी खुद को शामिल करते हुए आतंकवाद की प्रयोगशाला बना हुआ है। एफएटीएफ ने फरवरी 2019 में पुलवामा आत्मघाती हमले की भी निंदा करते हुए ऐसे ही कठोर शब्दों का उपयोग किया था। लेकिन इस बार का अंतर यह है कि एफएटीएफ ने घोषणा की है कि ह्यराज्य प्रायोजित आतंकवादह्न इसकी आगामी रिपोर्ट में आतंकवाद के वित्तपोषण मामलों की जांच का हिस्सा होगा। दरअसल, पहलगाम नरसंहार के बाद भारत लगातार पाक को फिर से एफएटीएफ की ग्रे लिस्ट में डालने की मांग करता रहा है। जो पाकिस्तान की अंतर्राष्ट्रीय ऋणों तक पहुंच को गंभीर रूप से सीमित कर देगा।

दरअसल, पाकिस्तान गढ़े हुए तर्कों के आधार पर इस निगरानी संगठन एफएटीएफ को मनाने में आंशिक रूप से सफल रहा था कि वह धन शोधन और आतंकवाद वित्तपोषण से निपटने के लिये अपने सिस्टम में सुधार कर रहा है। उल्लेखनीय है कि भारत के प्रबल विरोध के बावजूद इस्लामाबाद ने अंतर्राष्ट्रीय मद्रा कोष यानी आईएमएफ से एक अरब डॉलर का बेलआउट पैकेज हासिल करने में कामयाबी हासिल कर ली थी। हालांकि, इस बेलआउट पैकेज के साथ कई कड़ी शर्तों का सामना भी पाक को

करना पड़ेगा। यूं भी यह अन्तर्राष्ट्रीय धन का गलत एवं अतिश्योक्तिपूर्ण इस्तेमाल देरसबेर विश्व के सामने आयेगा। भारत दुनिया के देशों को यह बताने और समझाने में कामयाब रहा है कि पाक न केवल आतंकवाद का समर्थन करता है, बल्कि वह आतंकवाद का पोषक भी है और वह आतंकवाद के लिए फंडिंग भी करता है। इस तरह इसे भारत की कूटनीतिक विजय कहा जा सकता है। क्योंकि एफएटीएफ का इतना बोल्ड बयान पाकिस्तान के मुंह पर तमाचा है। एफएटीएफ की ओर से जारी आधिकारिक बयान की गहराई को समझने की जरूरत है, कि ह्यआतंकवादी हमले दुनिया भर में लोगों की जान लेते हैं, उन्हें अपंग बनाते हैं और भय पैदा करते हैं। यानि एफएटीएफ ने यह मान लिया है कि पहलगाम हमला आतंकवादी वित्त पोषण के कारण ही अमल में आया। एफएटीएफ का यह बयान भारत के लिए बहुत अहम है। ध्यान रहे कि एफएटीएफ, जी-7 देशों की ओर से स्थापित एक स्वतंत्र संस्था है, जो देशों की वित्तीय नीतियों का मूल्यांकन करती है। गौरतलब है कि वर्तमान में एफएटीएफ की ग्रे लिस्ट में 24 देशों का नाम है, जो धन शोधन, आतंकवादी वित्तपोषण और प्रसार वित्त पोषण के लिए निगरानी में हैं।

यहां यह उल्लेखनीय एवं ध्यान देने वाली बात है कि पाक को कई बार एफएटीएफ की ग्रे लिस्ट में डाला जा चुका है। इसे पहली बार 2008 में ग्रे लिस्ट में डाला गया था, लेकिन बाद में 2010 में इसे हटा लिया गया। इसके बाद, 2012 में पाक को फिर से इस लिस्ट में डाला गया और 2015 में इसे दुबारा हटा दिया गया। इसके बाद, पाक को जून 2018 में फिर से ग्रे लिस्ट में डाला गया था और अक्टूबर 2022 में इसे हटा लिया गया। लेकिन यह कुत्ते की ऐसी दूम है जिसे कितने की कड़े प्रावधानों में रखा जाये, यह टेढ़ी की टेढ़ी ही रहती है। उल्लेखनीय है कि एफएटीएफ ने वैश्विक नेटवर्क में 200 से अधिक क्षेत्रों के मूल्यांकन में योगदान देने वाले विशेषज्ञों का समर्थन करने के लिए आतंकवादी वित्तपोषण जोखिम पर मार्गदर्शन विकसित किया है। अहम बात यह है कि एफएटीएफ के सख्त एवं कठोर व्यवहार के बाद अंतरराष्ट्रीय निवेशकों के यह समझ में आने लगा है कि पाकिस्तान एक असुरक्षित एवं आतंकवादी पोषक गंतव्य बनता जा रहा है। ऐसे में एफएटीएफ के दबाव और आर्थिक प्रतिबंधों की संभावना के कारण पाक की पहले से ही डांवाडोल अर्थव्यवस्था को और झटका लग सकता है।

जी-7 शिखर बैठक 15 से 17 जून 2025 तक कनाडा के अल्बर्टा प्रांत के कनानास्किस में कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी की मेजबानी में हो रही है। इसमें जी-7 देशों के प्रमुखों के अलावा, भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमीर जेलेंस्की, दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा और ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज जैसे नेताओं को भी आमंत्रित किया गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने इस बैठक के दौरान जी-7 के सदस्य देशों के राष्ट्राध्यक्षों को पाक का सच और ऑपरेशन सिंधूर की सफलता के बारे में बताते हुए आतंकवाद के विरोध में संगठित होने के लिये वातावरण बना रहे हैं। भारत ने एफएटीएफ के बयान का स्वागत करते हुए कहा भी है कि यह वैश्विक स्तर पर आतंकवाद के खिलाफ एकजुट रुख की पुष्टि करता है। सुरक्षा विशेषज्ञों ने भी एफएटीएफ की चेतावनी को गंभीर बताते हुए कहा कि यह पाक के लिए एक और बड़ा झटका है, जिससे उसकी वैश्विक छवि और कमजोर हो सकती है।

गौरतलब है कि भारतीय अधिकारियों ने पिछले महीने पेरिस और वॉशिंगटन में एफएटीएफ प्रतिनिधियों से बैठक कर पाक के खिलाफ नई कार्रवाई की मांग की थी।

भारत ने दुनिया को बताया कि कैसे पाक आतंकवाद की पाठशालाओं को स्वास्थ्य केंद्रों या स्कूलों के रूप में छिपा रहा था। पाक का मकसद था कि इससे दुनिया को आतंकवाद के प्रशिक्षण केंद्रों का पता नहीं चलेगा और वह वैश्विक संगठनों की सजा से बच जाएगा। दरअसल, पाक हुकमरान हमेशा से खुद को आतंकवाद से पीड़ित बताकर अंतर्राष्ट्रीय बिरादरी से मदद हासिल करने की फिराक में रहते हैं। भारत ने इस खतरे का हवाला देते हुए विश्व जनमत को हकीकत से अवगत कराने का सफल प्रयास किया है। अब यह एफएटीएफ के कर्ता-धताओं के विवेक पर निर्भर करता है कि वे पाक के खतरनाक मंसूबों को कितनी जल्दी भांपने में कामयाब हो सकते हैं। एक ओर पाक आर्थिक बदहाली का हवाला देकर अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं से मदद की गुहार लगा रहा है, तो दूसरी ओर उसने अपनी रक्षा मद पर बीस प्रतिशत व्यय बढ़ा दिया है। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि पाकिस्तान इस रक्षा बजट वृद्धि का सारा पैसा राष्ट्रीय सुरक्षा की बजाय आतंकवाद को पल्लवित करने पर खर्च करेगा। इन त्रासद एवं विडम्बनापूर्ण आतंकवाद पोषण की स्थितियों में धन के किसी भी दुरुपयोग का पता लगाने के लिये उसके नियमित खर्च की निगरानी अंतर्राष्ट्रीय बिरादरी को करनी चाहिए।

न्यायपालिका को अपना घर भी ठीक करना चाहिए

- अनिल जैन

भारतीय सेना की कर्नल सोफिया कुरैशी के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने वाले मध्यप्रदेश के मंत्री विजय शाह के मामले में तो सुप्रीम कोर्ट का रवैया बेहद ही हैरतअंगेज और अफसोसनाक रहा। मध्यप्रदेश हाई कोर्ट ने इस मामले में सख्त रवैया अपनाते हुए पुलिस को शाह के खिलाफ सख्त धाराओं में एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया था जिसकी देश भर में सराहना हुई थी

बीसवीं सदी के मशहूर जर्मन कवि-नाटककार बर्तोल्त ब्रेख्त ने कहा है कि 'हमें छोटे-छोटे न्याय दिए जाते हैं ताकि बड़े अन्याय छिपाए जा सकें।' हमारे देश में भी ऐसा ही हो रहा है। पिछले कुछ वर्षों से देश की अन्य संवैधानिक संस्थाओं की तरह हमारी न्यायपालिका भी संक्रमण के दौर से गुजर रही है। न सिर्फ उसकी कार्यशैली और फैसलों पर सवाल उठ रहे हैं, बल्कि उसकी हनक भी लगातार कम हो रही है। यह बात सर्वोच्च और उच्च अदालतों के कई पूर्व और वर्तमान न्यायाधीश भी कई मौकों पर कह चुके हैं। इस सिलसिले में कोई सात साल पहले सुप्रीम कोर्ट के चार वरिष्ठ जजों की ऐतिहासिक प्रेस कांफ्रेन्स उल्लेखनीय है।

साल 2018 के जनवरी महीने में सुप्रीम कोर्ट के चार जजों ने एक प्रेस कांफ्रेंस के माध्यम से शीर्ष अदालत में प्रशासनिक गड़बड़ियों को उजागर करते हुए कहा था कि- ये गड़बड़ियां न्यायपालिका को नुकसान पहुंचा रही हैं और देश के लोकतंत्र को नष्ट कर सकती हैं। इन चार जजों का मीडिया के सामने आकर ऐसा कहना आजाद भारत के इतिहास में अपनी तरह की पहली घटना थी। उस घटनाक्रम की एक हैरान करने वाली बात यह भी थी कि चार जजों ने जो कुछ कहा था, उस पर सफाई या उनकी बातों का खंडन सुप्रीम कोर्ट के तत्कालीन प्रधान न्यायाधीश दीपक मिश्रा की ओर से नहीं आया था बल्कि भारतीय जनता पार्टी के प्रवक्ता और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े संगठन के नेता प्रधान न्यायाधीश के बचाव में आगे आए थे।

बहरहाल इस पूरे घटनाक्रम के बाद सुप्रीम कोर्ट की प्रशासनिक कार्यप्रणाली में कोई सुधार हुआ हो या न हुआ हो, लेकिन देश की न्याय व्यवस्था में तो कोई सुधार हर्गिज नहीं आया। हालांकि तब से लेकर अब तक सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्टों ने कुछ फैसले बहुत अच्छे दिए, जिनसे लोगों को लगा कि अभी सब कुछ खत्म नहीं हुआ है। अलबत्ता सत्ता प्रतिष्ठान को वे फैसले रास नहीं आए और इसी वजह से सत्तापक्ष की ओर से सुप्रीम कोर्ट को कई तरह की नसीहतें भी दी गईं। फिर भी लोक महत्व के कई फैसले बेहद निराशाजनक रहे, जिन्हें किसी भी दृष्टि से तार्किक या निष्पक्ष नहीं कहा जा सकता। इसी दौरान सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्टों के कुछ जजों का व्यक्तिगत आचरण भी बेहद आपत्तिजनक रहा, जिससे न्यायपालिका की विश्वसनीयता पर सवाल उठे।

ज्यादा पुरानी बात न करें तो हाल के दिनों में ही सुप्रीम कोर्ट के कुछ अजीबोगरीब फैसले आए हैं, जो पहलगाम कांड और उसके बाद

भारत-पाकिस्तान के बीच हुए सैन्य टकराव के शोर में दब गए और लोगों का उन पर ध्यान नहीं गया। इनमें से कुछ फैसले शीर्ष अदालत की निष्पक्षता पर सवाल खड़ा करते हैं तो कुछ फैसले ऐसे हैं जो शीर्ष अदालत ने अपने अधिकार क्षेत्र के बाहर जाकर दिए हैं।

सबसे महत्वपूर्ण मामला इलाहाबाद हाई कोर्ट के जज शेखर यादव का है। विश्व हिंदू परिषद के एक कार्यक्रम में भाषण देते हुए जस्टिस यादव ने मुसलमानों को कठमुल्ला बताते हुए कहा था कि देश बहुसंख्यकों की इच्छा के मुताबिक ही चलना चाहिए। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने जस्टिस यादव से सफाई मांगी थी और तत्कालीन प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना उनके खिलाफ इन-हाउस जांच के लिए कमेटी गठित करने वाले थे लेकिन राज्यसभा सचिवालय ने सुप्रीम कोर्ट को पत्र लिख कर जस्टिस यादव के खिलाफ जांच रुकवा दी। मामला रफा-दफा हो गया। जस्टिस यादव को उनके पद से हटाने के लिए राज्यसभा के 55 सदस्यों के हस्ताक्षर वाला प्रस्ताव भी सदन के सभापति के पास गया था लेकिन उसमें भी कुछ नहीं हुआ।

एक अन्य मामला अवमानना का है जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट रूप से दोहरा रवैया अपनाया है। एक यूट्यूबर अजय शुक्ल ने अपने यूट्यूब प्लेटफॉर्म पर सुप्रीम कोर्ट से हाल ही में रिटायर हुई जस्टिस बेला एम. त्रिवेदी की कार्यशैली और उनके दिए कुछ फैसलों को लेकर आलोचनात्मक टिप्पणियां की थीं, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने अपमानजनक मानते हुए उनका स्वतः संज्ञान लिया और सुप्रीम कोर्ट की रजिस्टरी को निर्देश दिया कि वह यूट्यूबर शुक्ल के खिलाफ अवमानना की कार्रवाई शुरू करे। जबकि इसी वाकये से कुछ दिनों पहले भाजपा के वरिष्ठ सांसद निशिकांत दुबे ने तत्कालीन प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना का नाम लेकर कहा था कि उनकी वजह से देश में गृह युद्ध छिड़ा हुआ है। देश के इतिहास में यह पहला मौका था जब सुप्रीम कोर्ट के मुखिया पर किसी ने इतना गंभीर आरोप लगाया था लेकिन उसके खिलाफ अदालत ने अवमानना का मामला शुरू नहीं किया, बल्कि अदालत के सामने जब यह मामला आया तो उसे खुद जस्टिस संजीव खन्ना ने यह कहते हुए खारिज कर दिया कि 'न्यायपालिका ऐसी छुई मुई नहीं है कि जो ऐसी टिप्पणियों से बिखर जाएगी।'

इन मामलों के अलावा सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर तमिलनाडु के दो मंत्रियों के इस्तीफे का मामला भी कम हैरान करने वाला नहीं रहा। तमिलनाडु के बिजली और आबकारी मंत्री सेंथिल बालाजी और वन मंत्री के. पोनमुडी के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने एक तरह से धमकी दी थी कि अगर उन्होंने मंत्रिपरिषद से इस्तीफा नहीं दिया तो उनकी जमानत रद्द कर उन्हें जेल भेज दिया जाएगा। सवाल है कि कोई भी अदालत किसी मंत्री को यह कैसे कह सकती है कि वह मंत्री पद छोड़े नहीं तो जमानत रद्द करके उसे जेल भेज दिया जाएगा? क्या यह कार्यपालिका के काम में न्यायपालिका का असंवैधानिक हस्तक्षेप नहीं है? किसी आरोपी या दागी व्यक्ति को मंत्रिमंडल में रखने का फैसला नैतिकता की कसौटी पर हो सकता है कि सही नहीं हो लेकिन अगर कानूनी और संवैधानिक रूप से सही है तो उसमें अदालत का दखल क्यों होना चाहिए?

गौरतलब है कि सेंथिल बालाजी और पोनमुडी धन शोधन और आय से अधिक संपत्ति के मामलों में लंबे समय तक जेल में रहने के बाद जमानत पर रिहा हुए थे और फिर से मंत्री बनाए गए थे, क्योंकि अगर कोई व्यक्ति विधायक है और उसे अयोग्य नहीं ठहराया गया है तो वह भारत के संविधान के मुताबिक मंत्री, मुख्यमंत्री या प्रधानमंत्री बन सकता है। जैसे पिछले साल धन शोधन के मामले में जेल से छूटने के बाद हेमंत सोरेन फिर से झारखंड के मुख्यमंत्री बने थे और अरविंद केजरीवाल तो जेल में रहते हुए भी मुख्यमंत्री बने रहे।

भारतीय सेना की कर्नल सोफिया कुरैशी के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने वाले मध्यप्रदेश के मंत्री विजय शाह के मामले में तो सुप्रीम कोर्ट का रवैया बेहद ही हैरतअंगेज और अफसोसनाक रहा। मध्यप्रदेश हाई कोर्ट ने इस मामले में सख्त रवैया अपनाते हुए पुलिस को शाह के खिलाफ सख्त धाराओं में एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया था जिसकी देश भर में सराहना हुई थी लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट के आदेश पर दो महीने का रहस्यमय स्थगन देकर देश को निराश ही किया।

हाल के वर्षों में हेट स्पीच यानी नफरत फैलाने वाले भाषणों को लेकर भी शीर्ष अदालत और हाई कोर्टों का रवैया बेहद विचित्र रहा है। जेएनयू के दो छात्र खालिद उमर और शरजील इमाम हेट स्पीच के मामले में करीब पांच साल से जेल में हैं। सुप्रीम कोर्ट कई बार कह चुका है कि 'जमानत नियम है और जेल अपवाद' लेकिन सुप्रीम कोर्ट की यह व्यवस्था इन दोनों पर लागू नहीं हो रही है। इसके विपरीत कई केंद्रीय मंत्री और सत्ताधारी पार्टी के सांसद आए दिन हेट स्पीच देते रहते हैं पर उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने की अपील तक अदालतों में नहीं सुनी जाती।

मोदी, ट्रंप के बीच पाकिस्तान

आपरेशन सिंदूर पर आखिरकार डोनाल्ड ट्रंप और नरेन्द्र मोदी के बीच सीधी बातचीत हो ही गई। जिसमें ट्रंप ने पहले की तरह आतंकवाद के खिलाफ भारत का साथ देने की प्रतिबद्धता जतलाई है। लेकिन क्या भारत को ट्रंप की जबान का यकीन करना चाहिए, ये एक बड़ा सवाल खड़ा हो गया है। क्योंकि जिस समय ट्रंप श्री मोदी से फोन पर आतंकवाद और इसके अलावा दुनिया में चल रहे युद्धों पर चर्चा कर रहे थे, उस समय पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर अमेरिका में ही थे और बुधवार को उनका राष्ट्रपति ट्रंप के साथ लंच निर्धारित हो चुका था। यह वही असीम मुनीर हैं जो भारत में आग लगाने की धमकी दे चुके हैं, जो खुलकर आतंकवादियों का साथ दे रहे हैं, और ट्रंप ऐसे व्यक्ति की मेजबानी कर रहे हैं।

ऐसा नहीं है कि पाकिस्तान की तरफ अपना झुकाव ट्रंप ने पहले जाहिर नहीं किया है। अभी कुछ दिनों पहले ट्रंप ने पाकिस्तान के नेतृत्व को मजबूत बताते हुए कहा था कि इससे कुछ लोगों को तकलीफ होती है, यह सीधे तौर पर भारत को चिढ़ाने वाली बात थी। इसके अलावा 10 मई से लेकर अब तक ट्रंप कम के कम 14 बार यह दावा कर चुके हैं कि भारत और पाकिस्तान के बीच युद्धविराम उन्होंने करवाया। जब पहलगाम हमला हुआ था और ऑपरेशन सिंदूर शुरू नहीं

हुआ था, तब भी ट्रंप ने कहा था कि दोनों देशों के बीच हजारों सालों से समस्या चली आ रही है, दोनों के नेता महान हैं और वो आपस में अपने मसले सुलझा लेंगे। जितने आराम से ट्रंप भारत और पाकिस्तान को एक पलड़े पर रखते हैं, कायदे से उसका कड़ा जवाब भारतीय नेतृत्व की तरफ से दिया जाना चाहिए। लेकिन नरेन्द्र मोदी इस मामले में भारतीय इतिहास के सबसे कमजोर प्रधानमंत्री साबित हो चुके हैं।

आज तक किसी प्रधानमंत्री ने अमेरिका की इतनी दादागिरी बर्दाश्त नहीं की, जितनी श्री मोदी कर रहे हैं। खुद भाजपा के ही कई नेता इस बारे में दबी-खुली जुबान से आलोचना कर चुके हैं। लेकिन इस समय नरेन्द्र मोदी की छवि को बनाने की मुहिम में सब लगे हैं, इसलिए इस कमजोरी का जिक्र नहीं होता और बाकी कसर भाजपा का पिठ्ठू मीडिया पूरी कर रहा है।

अभी ऑपरेशन सिंदूर को लेकर नरेन्द्र मोदी और डोनाल्ड ट्रंप के बीच जो चर्चा हुई, उसे लेकर कुछ पत्रकार कांग्रेस और राहुल गांधी का मखौल उड़ा रहे हैं कि ये नरेन्दर, सरेण्डर की बात करते थे, अब उन्हें मुंह की खानी पड़ी। लेकिन कांग्रेस को कोसते वक्त ये लोग भूल जाते हैं कि बात कांग्रेस की नहीं देश की है और इस समय पाकिस्तान को अमेरिका ने जैसा अपना सगा बना लिया है, उसमें भारत का अपमान करने की ही चेष्टा की है। जिसका जवाब मोदी सरकार की तरफ से जाना चाहिए।

गौरतलब है कि कनाडा में हुए जी-7 शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी की मुलाकात अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से न हो सकी थी, क्योंकि ट्रंप इजरायल-ईरान युद्ध के कारण बैठक बीच में ही छोड़कर अमेरिका वापस आ गए थे।

डब्ल्यूटीसी फाइनल में जीत को रबाडा ने जीवन का सबसे यादगार पल बताया

एजेंसी

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के स्टार तेज़ गेंदबाज़ कगिसो रबाडा ने आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल 2025 में ऑस्ट्रेलिया पर मिली ऐतिहासिक जीत को अपने जीवन का सबसे यादगार पल बताया है। हालांकि, यह उपलब्धि व्यक्तिगत रूप से बेहद खास थी, लेकिन रबाडा ने इसे पूरी टीम की जीत बताया और साथी खिलाड़ियों के समर्पण की खुलकर तारीफ की। लॉर्ड्स के ऐतिहासिक मैदान पर खेले गए इस फाइनल मुकाबले में रबाडा ने कुल 9 विकेट चटकाए और एक बार फिर यह साबित किया कि वह टीम के सबसे भरोसेमंद गेंदबाज़ों में से हैं। इस प्रदर्शन के साथ वह साउथ अफ्रीका के टेस्ट इतिहास में चौथे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए हैं, उन्होंने महान एलन डोनाल्ड को पीछे छोड़ दिया। रबाडा अब तक 150 से अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज़ों में सबसे बेहतरीन स्ट्राइक रेट (38.9) रखने वाले गेंदबाज हैं। उन्होंने आईसीसी के हवाले से कहा, मैं खुद को सितारा नहीं मानता। मैं खुद को एक ऐसा खिलाड़ी मानता हूं जो मेहनत करता है, टीम के लिए खून-पसीना बहाता है और लगातार बेहतर बनने की कोशिश करता है।

सुपर-60 अमेरिका लीजेंड टूर्नामेंट में जलवा दिखाने को तैयार भारतीय दिग्गज

नई दिल्ली। इस साल अगस्त में आयोजित होने वाले सुपर-60 अमेरिका लीजेंड टूर्नामेंट में भारतीय क्रिकेट के चार पूर्व सितारे हरभजन सिंह, शिखर धवन, सुरेश रैना और रॉबिन उथप्पा एक बार फिर मैदान पर अपने जौहर दिखाने को तैयार हैं। यह प्रतियोगिता 5 अगस्त से 16 अगस्त तक अमेरिका में चलेगी, जिसका उद्देश्य वहां क्रिकेट को लोकप्रिय बनाना है। 2011 में एकदिवसीय विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम के सदस्य हरभजन सिंह और सुरेश रैना, 2007 में टी-20 विश्व कप जीतने वाली टीम का हिस्सा रहे रॉबिन उथप्पा और 2013 में चैंपियंस ट्रॉफी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले शिखर धवन ने इस प्रतियोगिता में भाग लेने पर उत्साह जताया।हरभजन सिंह ने कहा, सुपर-60 अमेरिका दिग्गजों के टूर्नामेंट का हिस्सा बनना मेरे लिए गर्व की बात है। यह एक अनोखा और प्रतिष्ठित प्रारूप है जो क्रिकेट को एक नई दिशा देगा। अंतरराष्ट्रीय स्तर के पूर्व खिलाड़ी इसमें भाग ले रहे हैं, जो अमेरिका में क्रिकेट को बढ़ावा देने की दिशा में एक बड़ा कदम है। सुरेश रैना ने कहा, मैं इस प्रतियोगिता का हिस्सा बनकर रोमांचित हूं। यह दुनिया भर के शानदार खिलाड़ियों को एक मंच पर लाता है। ऐसे आयोजनों से अमेरिका में क्रिकेट का दायरा बढ़ेगा और मुझे इसका हिस्सा बनकर गर्व महसूस हो रहा है।

यू मुंबा के कप्तान सुनील कुमार ने कोच को दिया 25 लाख रुपये का सम्मान

नई दिल्ली। प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के स्टार डिफेंडर और यू मुंबा के कप्तान सुनील कुमार ने ऐसा भावुक कदम उठाया है, जिसने खेल जगत में सभी का दिल जीत लिया है। पीकेएल ऑक्शन के बाद सुनील कुमार ने अपने बचपन के कोच भूपेंदर मलिक को बतौर सम्मान 25 लाख रुपये का चेक सौंपा। यह महज एक आर्थिक मदद नहीं, बल्कि गुरु के प्रति सच्ची श्रद्धा और कृतज्ञता का प्रतीक था। सुनील कुमार ने एक बयान में कहा, भूपेंदर मलिक मेरे बचपन के कोच हैं। उन्होंने ही मुझे पहली बार कबड्डी से जोड़ा और मेरी नींव रखी। कोच भूपेंदर मलिक पिछले 20-25 सालों से खिलाड़ियों को बिना किसी शुल्क के ट्रेनिंग देते आ रहे हैं और अब तक कई पीकेएल स्टार्स को तैयार कर चुके हैं।यह क्षण तब और भी भावुक हो गया जब भूपेंदर मलिक ने शुरुआत में यह उपहार लेने से इनकार कर दिया, लेकिन सुनील कुमार ने विनम्र लेकिन दृढ़ स्वर में कहा कि यह केवल पैसे का लेन-देन नहीं, बल्कि सम्मान और आभार की अभिव्यक्ति है। सुनील ने कहा, जो कुछ भी मैंने प्रो कबड्डी लीग में हासिल किया है, वह सब उनके प्रशिक्षण की वजह से है। उन्होंने मुझे न केवल डिफेंस सिखाया, बल्कि कवर पोजिशन में खेलने से लेकर नेतृत्व करना भी सिखाया।

पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज सिद्धार्थ कौल ने बिग बैश लीग के लिए कराया रजिस्ट्रेशन

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज सिद्धार्थ कौल ने बिग बैश लीग (बीबीएल) के आगामी सीज़न के लिए पंजीकृत कराया है। बिग बैश लीग का ड्राफ्ट इस आयोजित किया जाएगा। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने मंगलवार को पुष्टि की है कि कौल पुरुष वर्ग में रजिस्ट्रेशन कराने वाले इकलौते भारतीय खिलाड़ी हैं। उन्होंने पिछले साल नवंबर में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। भारत के लिए उन्होंने तीन वनडे और तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले थे। इंग्लैंड के महान तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन भी पुरुष बीबीएल ड्राफ्ट में शामिल हुए हैं। यदि उन्हें चुना जाता है तो वह लीग के इतिहास में 43 साल की उम्र में सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन जाएंगे। एंडरसन के साथ दुनिया भर से 600 से अधिक खिलाड़ियों ने भी अपना नाम दर्ज कराया है। इस बीच, महिला बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) के लिए भारत की 15 महिला खिलाड़ियों ने भी ड्राफ्ट में अपना नाम दर्ज कराया है। इनमें कनिका आहूजा (रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर, डब्ल्यूपीएल) शामिल हैं, जिन्होंने इस साल की शुरुआत में भारत के लिए टी20 डेब्यू किया था।

भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम जर्मनी रवाना, 4 देशों के टूर्नामेंट में लेगी हिस्सा

एजेंसी

बेंगलुरु। भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम आज सुबह जर्मनी के बर्लिन के लिए रवाना हो गई, जहां वह 21 जून से 25 जून तक आयोजित होने वाले 4 देशों के अंतरराष्ट्रीय हॉकी टूर्नामेंट में भाग लेगी। टीम की कमान कप्तान अरिजीत सिंह हुंदल के हाथों में है, जो टूर्नामेंट के पहले पूल मैच में 21 जून को मेज़बान जर्मनी के खिलाफ मैदान में उतरेंगे। इसके बाद भारतीय टीम का सामना 22 जून को ऑस्ट्रेलिया और 24 जून को स्पेन से होगा। पूल चरण के बाद शीर्ष दो टीमें फाइनल में भिड़ेंगी, जबकि निचली दो टीमें तीसरे स्थान के लिए 25 जून को मुकाबला करेंगी। सभी मैच टीसी 1899 ब्लाउ वीस्, बर्लिन में खेले जाएंगे। कप्तान अरिजीत सिंह हुंदल ने टूर्नामेंट को लेकर कहा, यह

टूर्नामेंट हमारे लिए बेहद अहम है क्योंकि एफआईएच जूनियर वर्ल्ड कप 2025 अब ज्यादा दूर नहीं है। यह हमारे लिए अपनी रणनीतियों को परखने, नए संयोजन आज़माने और कमजोरियों को पहचानने का बेहतरीन मौका होगा। यहां हमें दुनिया की कुछ बेहतरीन टीमों के खिलाफ खेलने का अनुभव मिलेगा। उपकप्तान आमिर अली ने भी टूर्नामेंट को अहम बताते हुए कहा, हमारी कोशिश है कि वर्ल्ड कप से पहले हर छोटी-बड़ी कमी को दूर किया जाए। यह टूर्नामेंट सिर्फ टीम के लिए ही नहीं, बल्कि हर खिलाड़ी के लिए व्यक्तिगत रूप से भी खुद को आंकने और सुधारने का मौका है। गौरतलब है कि एफआईएच जूनियर पुरुष हॉकी वर्ल्ड कप 2025 का आयोजन 28 नवंबर से 10 दिसंबर तक चेन्नई और मदुरै में किया जाएगा। ऐसे में भारतीय जूनियर टीम के लिए यह टूर्नामेंट वर्ल्ड कप की तैयारियों का एक अहम पड़ाव साबित होगा।

टीएसएच में पीयूष चावला का विशेष क्रिकेट प्रशिक्षण 19 से 25 जून तक : शशिकांत खांडेकर

एजेंसी

कानपुर। शहर के क्रिकेट प्रेमियों और उभरते खिलाड़ियों के लिए यह गर्मी का मौसम एक सुनहरा अवसर लेकर आया है। आर्य नगर स्थित द स्पोर्ट्स हब में आयोजित सात दिवसीय समर क्रिकेट कैम्प में भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व स्टार गेंदबाज़ पीयूष चावला प्रशिक्षण देने आ रहे हैं। यह जानकारी मंगलवार को द स्पोर्ट्स हब के मुख्य क्रिकेट कोच शशिकांत खांडेकर ने दी। शशिकांत खांडेकर ने बताया कि 19 से 25 जून तक चलने वाले इस कैम्प में पहले तीन दिन तक खुद पीयूष चावला मौजूद रहकर खिलाड़ियों को क्रिकेट की बारीकियों का विशेष प्रशिक्षण देंगे। उन्होंने कहा कि पीयूष चावला का नाम भारतीय क्रिकेट इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में दर्ज है। वे उन चुनिंदा खिलाड़ियों में से हैं जो टी 20 वर्ल्ड कप (2007) और वनडे वर्ल्ड कप (2011) जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रहे हैं। उनके पास अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के साथ-साथ आईपीएल जैसे बड़े टूर्नामेंटों में वर्षों का अनुभव है। जिसमें उन्होंने चेन्नई सुपर किंग्स, कोलकाता नाइट राइडर्स, किंग्स इलेवन पंजाब और गुजरात टाइटंस जैसी टीमों का प्रतिनिधित्व करते हुए कई यादगार प्रदर्शन किए। उन्होंने कहा कि ऐसे अनुभवी खिलाड़ी से प्रशिक्षण पाना निश्चित ही किसी भी युवा के लिए प्रेरणादायक और परिवर्तनकारी अनुभव होगा। प्रशिक्षण कैम्प में तीन दिन बादअंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खिलाड़ी और टीम इंडिया के सदस्य रहे और टीएसएच के मुख्य क्रिकेट कोच शशिकांत खांडेकर और पूर्व रणजी ट्राफी प्लेयर एवं टीएसएच के कोच मो0 आमिर द्वारा खिलाड़ियों को प्रशिक्षण देकर उनकी प्रतिभा को तराशेंगे।

ब्री इलिंग और बेला जेम्स को न्यूजीलैंड महिला टीम का केंद्रीय अनुबंध मिला

एजेंसी

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड की तेज गेंदबाज ब्री इलिंग और बल्लेबाज बेला जेम्स को पहली बार न्यूजीलैंड महिला क्रिकेट टीम के लिए केंद्रीय अनुबंध मिला है। न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) ने को 2025-26 सत्र के लिए केंद्रीय अनुबंध सूची जारी की, जिसमें इन दोनों युवा खिलाड़ियों को जगह दी गई है। यह स्थान हेली जेनसेन के संन्यास और कप्तान सोफी डिवाइन के कैजुअल प्लेइंग एग्रीमेंट पर जाने के बाद खाली हुआ था। बाएं हाथ की तेज गेंदबाज ब्री इलिंग ने 2022 में घरेलू क्रिकेट में पदार्पण किया था और अब तक अपनी टीम की प्रमुख विकेट टेकर बन चुकी हैं। 21 वर्षीय इलिंग ने इस सत्र में सभी प्रारूपों में कुल 29 विकेट लिए हैं। इस शानदार प्रदर्शन के दम पर उन्होंने इसी साल मार्च में श्रीलंका के खिलाफ वनडे और टी20 दोनों प्रारूपों में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया, जहां उन्होंने छह मैचों में छह विकेट झटके। वहीं, बेला जेम्स ने पिछले साल दिसंबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू किया था। उन्होंने मार्च में एक और

मुकाबला इसी टीम के खिलाफ खेला। हालांकि, जेम्स ने महज 16 साल की उम्र में घरेलू क्रिकेट में कदम रखा था और उन्हें अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में आने के लिए लंबा इंतजार करना पड़ा। न्यूजीलैंड महिला टीम के कोच बेन सॉयर ने कहा, ब्री ने श्रीलंका के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया। एक विश्वस्तरीय बल्लेबाज जैसे चमारी अटापट्टू के खिलाफ उसका प्रदर्शन यह दिखाता है कि वह अंतरराष्ट्रीय स्तर के लिए तैयार है। वहीं, बेला ने घरेलू स्तर पर निरंतर अच्छा खेल दिखाया है और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ डेब्यू श्रृंखला में भी शानदार रही थी।सूजी बेट्स, ईडन कार्सन, लॉरेन डाउन, इज़ी गेज़, मैडी ग्रीन, ब्रुक हॉलिडे, ब्री इलिंग, पॉली इंग्लिस, बेला जेम्स, फ्रैन जोनास, जेस केर, एमेलिया केर, रोसमेरी मेयर, मॉली पेनफोल्ड, जॉर्जिया प्लिमर, हन्ना रोवे, लिया ताहुहु।

रग्बी अफ्रीका मेन्स 7ह्य टूर्नामेंट के लिए युगांडा की टीम घोषित

एजेंसी

कम्पाला। युगांडा ने मॉरिशस में 21 से 22 जून तक होने वाले रग्बी अफ्रीका मेन्स 7जी टूर्नामेंट के लिए अपनी अंतिम टीम की घोषणा कर दी है। टीम की कमान एलेक्स अतुरिंडा को सौंपी गई है। मुख्य कोच टोल्बर्ट ओन्यांगो ने 12 सदस्यीय टीम का ऐलान करते हुए कहा, हम बेहद उत्साहित हैं क्योंकि टीम ने अच्छी तैयारी की है। हमें अपना खिताब बचाने के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। यह टूर्नामेंट मापो के लाबोर्दोने स्पोर्ट्स क्लब में खेला जाएगा, जिसमें कुल 12 टीमें हिस्सा लेंगी।

खिताबी मुकाबले के अलावा, टीमें वर्ल्ड रग्बी 7जी सीरीज़ के नवप्रस्तावित डिवीजन 3 में जगह बनाने के लिए भी प्रतिस्पर्धा करेंगी। युगांडा की रग्बी क्रेन्स टीम को ग्रुप ए में कोट डी आइवोर, घाना और चिर प्रतिद्वंद्वी केन्या के साथ रखा गया है। कोच ओन्यांगो ने कहा, हम अपने ग्रुप में किसी भी टीम को हल्के में नहीं ले सकते, क्योंकि हर टीम मौजूदा चैंपियन को हराने की कोशिश करेगी। लेकिन हम हर मैच के लिए खास रणनीति के साथ तैयार हैं।

अन्य भाग लेने वाली टीमें हैं: दक्षिण अफ्रीका, बुर्किना फासो, जाम्बिया, नाइजीरिया, मेडागास्कर, जिम्बाब्वे, ट्यूनीशिया और मेज़बान मॉरिशस।

युगांडा टीमः एलेक्स अतुरिंडा (कप्तान), एलन ओलैंगो, मुबारक वांडेरा, मार्क ओसुना, अर्नोल्ड ओसेन, रॉय किज़िटो, करीम अरिनाइत्वे, मैल्कम ओकेलो, आरोन टुकेई, डेनिस एत्वाउ, जोन्स कामिजा और नोबर्ट ओकेनी।

इंग्लैंड दौरे के लिए भारत की टेस्ट टीम में हर्षित राणा बतौर बैकअप शामिल

एजेंसी

नई दिल्ली। युवा तेज गेंदबाज हर्षित राणा को इंग्लैंड दौरे के लिए भारत की टेस्ट टीम में बैकअप खिलाड़ी के रूप में शामिल किया गया है। वह मुख्य टीम के साथ इंग्लैंड पहुंच चुके हैं और 20 जून से शुरू हो रही टेस्ट सीरीज़ के पहले मैच के लिए उपलब्ध रहेंगे। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने मंगलवार देर रात उक्त जानकारी दी। 23 वर्षीय राणा ने पिछले साल ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट डेब्यू किया था, लेकिन इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की सीरीज़ के लिए घोषित 18 सदस्यीय मूल टीम में उनका नाम नहीं था। हालांकि, वह इंडिया ए टीम का हिस्सा थे और कैंटरबरी में इंग्लैंड लायंस के खिलाफ पहले अनाधिकारिक टेस्ट में

खेले थे। हर्षित राणा अब तक दो टेस्ट, पांच वनडे और एक टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेल चुके हैं। टीम के अन्य सदस्यों के साथ वह लंदन से ट्रेन के जरिए लीड्स पहुंचे, जहां उन्हें टीम के साथ देखा गया। वहीं केएल राहुल, करुण नायर, यशस्वी जायसवाल, शार्दुल ठाकुर, ध्रुव जुरेल और नितीश रेड्डी जैसे खिलाड़ी पहले से ही इंडिया ए टीम के साथ यूके में मौजूद थे और उन्हें वहां मैच अभ्यास का अच्छा मौका मिला। भारत ने इंग्लैंड दौरे की तैयारी के तहत बेकनहम में इंडिया ए के खिलाफ एकमात्र अभ्यास मैच खेला था टीम इस प्रकार हैः शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (उपकप्तान एवं विकेटकीपर), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, अभिमन्यु ईश्वरन, करुण नायर, नितीश रेड्डी, रवींद्र जडेजा, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, शार्दुल ठाकुर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव और हर्षित राणा (बैकअप)।

स्मृति मंधाना वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में फिर शीर्ष पर पहुंची

एजेंसी

दुबई। भारत की उप-कप्तान स्मृति मंधाना अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में 2019 के बाद पहली बार शीर्ष स्थान पर पहुंच गई। दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लॉरा वोलवार्ट ने ताजा अपडेट में 19 रेटिंग अंक गंवाए जिसका फायदा भारतीय बल्लेबाज को मिला। मंधाना के कुल 727 रेटिंग अंक हैं। उनके बाद इंग्लैंड की कप्तान नताली साइवर-ब्रंट 719 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर हैं। वोलवार्ट अब 719 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर हैं। मंधाना के बाद इस सूची में अगली दो भारतीय बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स और कप्तान हरमनप्रीत कौर हैं, जो क्रमशः 14वें और 15वें स्थान पर हैं। भारत और इंग्लैंड के बीच इस महीने के आखिर में पांच टी-20 और तीन एकदिवसीय मैचों की श्रृंखला खेली जाएगी।

मंधाना हाल के दिनों में वनडे बल्लेबाजों की सूची में शीर्ष 10 में शामिल रही हैं, लेकिन बाएं हाथ की यह बल्लेबाज 2019 की शुरुआत से शीर्ष स्थान पर नहीं पहुंच पाई थी। भारतीय सलामी बल्लेबाज हाल ही में शानदार फॉर्म में हैं और उन्होंने कोलंबो में श्रीलंका और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेली गई त्रिकोणीय श्रृंखला के फाइनल में शतक बनाया था। इससे उन्हें अपनी रैंकिंग में सुधार करने में मदद मिली। मंधाना टी20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजों की सूची में भी चौथे स्थान पर हैं।

एफआईएच महिला प्रो लीग : अर्जेंटीना के खिलाफ भारत को मिली 1-4 की हार, दीपिका ने दागा एकमात्र गोल

एजेंसी

लंदन। एफआईएच महिला हॉकी प्रो लीग 2024-25 के मुकाबले में भारतीय महिला हॉकी टीम को अर्जेंटीना के खिलाफ 1-4 से शिकस्त झेलनी पड़ी। लंदन के ली वैली हॉकी एंड टेनिस सेंटर में खेले गए इस मुकाबले में दीपिका (30%) ने भारत के लिए एकमात्र गोल दागा, लेकिन अर्जेंटीना की अनुभवी खिलाड़ी अगस्टिना गोरजेलानी ने हैट्रिक (42%, 54%, 55%) लगाकर मुकाबले को भारत की पहुंच से बाहर कर दिया।

पहला क्वार्टर गोलरहित रहा, लेकिन भारत की शुरुआत उत्साहजनक रही। सलीमा टेटे और लालरेमसियामी ने गोल के करीब मौके बनाए। भारतीय टीम ने तेज-तर्रार खेल दिखाते हुए अर्जेंटीना की रक्षापंक्ति को चौंकाने की कोशिश की, जबकि अर्जेंटीना ने शांतचित्त,

संगठित और ऊंचा प्रेसिंग गेम अपनाया। दूसरे क्वार्टर में खेल की रफ्तार बढ़ी। भारत की नवनीत कौर ने गोल लाइन पर शानदार बचाव किया, जबकि सलीमा की तेज़ दौड़ और पास के बाद बलजीत कौर गोल से चूक गईं। 29वें मिनट में अर्जेंटीना की विक्टोरिया फालास्को ने गोल कर बढ़त दिलाई। लेकिन भारत ने तुरंत जवाब दिया। 30वें मिनट में भारत को पहला पेनल्टी कॉर्नर मिला जिसे दीपिका ने दमदार ड्रैग-फ्लिक से गोल में तब्दील कर स्कोर 1-1 कर दिया।

तीसरे क्वार्टर में भारत ने दो पेनल्टी कॉर्नर और एक ओपन प्ले में मौके बनाए, लेकिन गोल में तब्दील नहीं कर पाए। इस बीच अर्जेंटीना को पेनल्टी स्ट्रोक मिला जिसे गोरजेलानी ने 42वें मिनट में गोल में बदला। 47वें मिनट में सलीमा फिर एक मौके पर करीब पहुंचीं लेकिन गोलकीपर ने रोक दिया। भारत को एक और पेनल्टी कॉर्नर मिला लेकिन सफलता नहीं मिली। अंततः गोरजेलानी ने दो और गोल (54 पेनल्टी स्ट्रोक, 55 पेनल्टी कॉर्नर) कर अपनी हैट्रिक पूरी की और भारत की वापसी की उम्मीदों को खत्म कर दिया।

अब तक का सबसे अच्छा खिलाड़ी : दिग्गज प्लेयर 14 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी से हुआ प्रभावित

नई दिल्ली। वैभव सूर्यवंशी ने इंडियन प्रीमियर लीग 2025 सीजन में 14 साल की उम्र में कदम रखते हुए हैरान कर दिया और इसके बाद सबसे तेज शतक लगाकर बड़े-बड़े खिलाड़ियों को अपने कोशल से मुरीद बना लिया। सूर्यवंशी ने 206 के अविश्वसनीय स्ट्राइक रेट से सिर्फ सात पारियों में 252 रन बनाए। जिसमें गुजरात टाइटन्स (जीटी) के खिलाफ 35 गेंदों में शतक भी शामिल था। सूर्यवंशी की इस प्रतिभा से इंग्लैंड के दिग्गज खिलाड़ी जोस बटलर प्रभावित हुए हैं जोकि उस दिन गुजरात के विकेटकीपर थे। बटलर ने स्टुअर्ट ब्रॉड के साथ पॉडकास्ट पर बात करते हुए कहा, हमारे खिलाफ 35 गेंदों में शतक जड़ने वाली पारी बहुत ही शानदार थी। हमारी (जीटी) गेंदबाजी में मोहम्मद सिराज, शानदार अंतरराष्ट्रीय गेंदबाज, प्रसिद्ध कृष्णा, अंतरराष्ट्रीय गेंदबाज, राशिद खान, सर्वश्रेष्ठ टी20 गेंदबाज शामिल हैं ।

हैदराबाद हीरोज की प्रतियोगिता में अबतक की सबसे बड़ी जीत, चेन्नई बुल्स जीएमआर आरपीएल में अंक तालिका में शीर्ष पर

एजेंसी

मुंबई। चेन्नई बुल्स और हैदराबाद हीरोज ने शहाजी राजे भोसले स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स (अंधेरी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स) में जीएमआर आरपीएल के सीज़न 1 में प्रभावशाली प्रदर्शन किया जबकि चेन्नई बुल्स ने दिल्ली रेडज़ के खिलाफ 21-7 के स्कोरलाइन से जीत हासिल की, हैदराबाद हीरोज ने बेंगलुरु ब्रेवहार्ट्स को 43-7 से हराया, जो जीएमआर आरपीएल के सीज़न 1 में अब तक की सबसे बड़ी जीत का अंतर है। दिन के पहले मैच में चेन्नई बुल्स एक बार फिर अपना शानदार फॉर्म दिखा रहे थे और उन्होंने मैच की शुरुआत से ही पूरी तरह से दबदबा बनाया। दिल्ली रेडज़ ने शुरुआती आदान-प्रदान में लगभग हमला नहीं किया, और वाफ़ाउसे मालिको के दो प्रयासों और जोकिन पेलैंडिनी के परिणामी रूपांतरण से और पीछे धकेल दिया गया। पहले हाफ के अंत से पहले, टेरी केनेडी लगभग पूरे मैदान में दौड़कर चेन्नई बुल्स के लिए तीसरा प्रयास जोड़ने के लिए गया, जिसके बाद जोकिन पेलैंडिनी ने शांति से अपने किक को परिवर्तित कर दिया। हाफ-टाइम पर, बुल्स 21-0 की बढ़त के साथ आसानी से जीत रहे थे। इसके बाद बुल्स की यूनिट ने पीछे से चीजों को ठोस रखा और तीसरी तिमाही में रेडज़ को कुछ नहीं दिया। हालांकि, चौथी तिमाही में खेल के अंतिम प्ले में, मातियास ओसाड्जुक ने रेडज़ के लिए एक प्रयास किया और फिर अपने किक को परिवर्तित किया, जिससे स्कोरलाइन को एक अलग रूप मिला। बुल्स ने दिन में अपने प्रतिद्वंद्वी को पूरी तरह से दबा दिया था और 21-7 की जीत के साथ चले गए। दिन के दूसरे मैच में हैदराबाद हीरोज ने बेंगलुरु ब्रेवहार्ट्स को एक उत्कृष्ट प्रदर्शन के साथ हराया। हीरोज ने शुरू से ही बढ़त बना ली और उनके विदेशी खिलाड़ियों ने विपक्ष को पीछे छोड़ दिया। हैदराबाद हीरोज ने 43-7 से जीत हासिल की और अंक तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गए। हैदराबाद हीरोज ने बिजली की गति से शुरुआत की जोजी नासोवा और केविन वेकेसा ने पहली तिमाही में प्रयास किए। टेरियो तमानी एक किक को परिवर्तित करने में भी सक्षम थे।

फॉर्मूला 1 : कनाडाई ग्रां प्री अब 2035 तक, मॉन्ट्रियल में जारी रहेगी रेसिंग

एजेंसी

मॉन्ट्रियल। मोटरस्पोर्ट प्रेमियों के लिए बड़ी खुशखबरी है। फॉर्मूला 1 ने आज, घोषणा की है कि कनाडाई ग्रां प्री अब 2035 तक हर साल कैलेंडर में बनी रहेगी। यह घोषणा ओक्टेन रेसिंग ग्रुप, कनाडा और क्यूबेक की सरकारों के साथ हुए चार साल के नए समझौते के तहत की गई है। साथ ही, बेल मीडिया के साथ मीडिया अधिकारों के समझौते को भी दीर्घकालिक रूप से बढ़ा दिया गया है।

इतिहास और गौरव का प्रतीक है कनाडाई ग्रां प्री

कनाडा की यह रेस यूरोप के बाहर आयोजित होने वाली सबसे पुरानी फॉर्मूला 1 ग्रां प्री है, जिसकी शुरुआत 1967 में हुई थी। 1978 से यह रेस सर्किट गिल विलेनुव पर आयोजित होती आ रही है, जो कनाडा के दिग्गज ड्राइवर गिल विलेनुव के नाम पर है। यह ट्रैक अपने हार्ड-ब्रेकिंग चिकेन्स, हेयरपिन कॉर्नर, और वॉल ऑफ चैंपियंस के लिए प्रसिद्ध है।

हैमिल्टन और शूमाकर के नाम सबसे ज्यादा जीत

फिलहाल चार मौजूदा ड्राइवर मैक्स वर्सटैपेन, लुईस हैमिल्टन, जॉर्ज रसेल और फर्नांडो अलोंसो इस सर्किट पर जीत दर्ज कर चुके हैं। लुईस हैमिल्टन और माइकल शूमाकर दोनों के नाम यहां 7-7 जीत हैं, जो एक रिकॉर्ड है।

अधिकारियों ने कहा–

फॉर्मूला 1 के सीईओ स्टेफानो डोमेनिकाली ने कहा, हमारी 75वीं वर्षगांठ के मौके पर इस ऐतिहासिक रेस के साथ साझेदारी बढ़ाना बेहद खास है। मॉन्ट्रियल की रेस फैंस और ड्राइवरों दोनों के दिल के करीब है।

बेल मीडिया के एसवीपी ज्यां-फिलिप पारादी ने कहा कि 2035 तक इस प्रतिष्ठित आयोजन को मॉन्ट्रियल में लाना हमारे लिए गर्व की बात है। यह साझेदारी कनाडा की वैश्विक साख को और मजबूती देगी। वहीं, स्थानीय अधिकारियों ने साझा बयान में कहा कि यह रेस ना सिर्फ हमारी संस्कृति और पर्यटन का प्रतीक है, बल्कि आर्थिक दृष्टि से भी देश का सबसे बड़ा आयोजन है। हम मॉन्ट्रियल को वैश्विक मंच पर चमकता देखना जारी रखेंगे।

नए बदलाव

2026 से रेस की तारीख कैलेंडर में पहले लाई जाएगी ताकि वैश्विक कार्यक्रमों का तालमेल बेहतर हो सके। ओक्टेन रेसिंग ग्रुप ने हाल के वर्षों में ट्रैक और सुविधाओं को अत्याधुनिक बनाने में निवेश किया है, और आने वाले वर्षों में और सुधार किए जाएंगे।

ईरान के साथ संघर्ष के बीच इजराइल सरकार ने 2,700 से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया

एजेंसी

तेल अवीव। ईरान और इजराइल के बीच जारी सैन्य संघर्ष के बीच इजराइल सरकार ने बताया कि अब तक देशभर से कम से कम 2,725 नागरिकों को उनके घरों से सुरक्षित स्थानों पर निकाला गया है। यह कदम हालिया सैन्य हमलों के मद्देनजर उठाया गया है, जो लगातार जारी हैं।

नागरिकों की सुरक्षा प्राथमिकता: इजराइल सरकार ने युद्धग्रस्त इलाकों में नागरिकों को सुरक्षित क्षेत्रों में स्थानांतरित करने के लिए आपातकालीन योजनाएं लागू की हैं। अधिकारियों के अनुसार, रेस्क्यू ऑपरेशन और मानवीय सहायता कार्यों में सेना और आपात सेवाएं पूरी मुस्तैदी से लगी हुई हैं। सरकारी प्रेस कार्यालय (जीपीओ) के अनुसार, इजराइल में अबतक 24 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 647 से अधिक लोग घायल हैं, जिनमें से कम से कम 10 की हालत गंभीर बनी हुई है। यह संघर्ष उस समय शुरू हुआ जब इजराइल ने ईरान के खिलाफ अभूतपूर्व हवाई हमले किए, जिनका मुख्य निशाना ईरान का परमाणु कार्यक्रम और शीर्ष सैन्य अधिकारी थे। इसके जवाब में ईरान ने भी मिसाइल और ड्रोन हमलों से पलटवार किया। पांचवें दिन भी यह संघर्ष थमने का नाम नहीं ले रहा।

नेपाल में मानव तस्करी प्रकरण को लेकर विपक्षी दलों ने फिर नहीं चलने दी संसद

काठमांडू। नेपाल में मानव तस्करी प्रकरण को लेकर विपक्षी दल संसद की कार्यवाही नहीं चलने दे रहे हैं। प्रमुख विपक्षी दल माओवादी का सत्ता पक्ष को समर्थन मिलने के बावजूद अन्य विपक्षी पार्टियां संसद की कार्रवाई का विरोध कर रही हैं। विपक्षी दल लगातार गृह मंत्री के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। नेपाल के रास्ते बड़े पैमाने पर मानव तस्करी होने और उसमें गृह मंत्रालय की भूमिका का खुलासा होने के बाद भी नेपाल के विपक्षी दल राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी और राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी के सांसदों ने वेल में खड़े होकर नारेबाजी की और संसद की कार्रवाई में बाधा पहुंचाई। लगातार नारेबाजी के बीच स्पीकर देवराज घिमिरे ने संसद की कार्रवाई को बुधवार दोपहर 1:00 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया है। संसद की कार्रवाई का अवरोध करने वाले विपक्षी दलों ने गृहमंत्री का इस्तीफा और इस मामले की जांच के लिए न्यायिक आयोग के गठन की मांग है। राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के प्रमुख सचेतक संतोष परियार ने आज संसद की कार्रवाई शुरू होते ही कहा कि जब तक गृह मंत्री अपने पद से इस्तीफा नहीं दे देते और सरकार इस मामले की जांच के लिए एक उच्च स्तरीय न्यायिक आयोग का गठन नहीं कर लेती है, तब तक सदन के भीतर उनका विरोध जारी रहेगा।

ट्रंप ने ईरान से मांगा बिना शर्त आत्मसमर्पण, कहा- 'खामेनेई के ठिकाना पता, लेकिन फिलहाल मारेंगे नहीं'

वॉशिंगटन/तेहरान। ईरान और इजराइल के बीच जारी टकराव के बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान से बिना शर्त आत्मसमर्पण की मांग करते हुए धमकी भरे लहजे में कहा है कि अमेरिका ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के ठिकाने की सटीक जानकारी रखता है, लेकिन फिलहाल उन्हें मारने का इरादा नहीं है। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर लिखा, 'हमें ठीक-ठीक पता है कि तथाकथित 'सुप्रीम लीडर' कहां छिपे हैं। वह आसान निशाना हैं, लेकिन फिलहाल वहां सुरक्षित हैं। हम उन्हें मारने नहीं जा रहे, कम से कम अभी नहीं। लेकिन हम नागरिकों या अमेरिकी सैनिकों पर मिसाइलें नहीं झेल सकते। हमारा धैर्य जवाब दे रहा है। कृपया इस मामले पर ध्यान दें। ' इसके कुछ ही मिनट बाद उन्होंने दूसरे पोस्ट में महज दो शब्द लिखे - अनकंडिशनल सरेंडर मतलब बिना शर्त आत्मसमर्पण! वहीं एक अन्य पोस्ट में ट्रंप ने दावा किया कि अमेरिका ने ईरान के आकाशीय क्षेत्र पर 'पूरी और सम्पूर्ण पकड' बना ली है। उन्होंने लिखा, 'ईरान के पास अच्छे ट्रैकिंग सिस्टम और रक्षात्मक उपकरण हैं, लेकिन अमेरिकी तकनीक की कोई तुलना नहीं। 'यूएसए' जैसा कोई नहीं कर सकता।'

इजराइली हमले में ईरान की भूमिगत परमाणु साइट को नुकसान, ट्रंप ने दी सख्त चेतावनी

दुबई/तेहरान। इजराइल और ईरान के बीच जारी संघर्ष के पांचवें दिन इजराइली हवाई हमलों ने ईरान की प्रमुख भूमिगत परमाणु सुविधा 'नतांज' को गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त कर दिया है। इस बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने तेहरान के नागरिकों को शहर खाली करने की चेतावनी दी है और कहा है कि अमेरिका सीजफायर से बेहतर विकल्प पर काम कर रहा है। डोनाल्ड ट्रंप, जो वर्तमान में कनाडा में आयोजित जी7 शिखर सम्मेलन से एक दिन पहले ही अमेरिका लौट गए, ने एयर फोर्स वन में पत्रकारों से कहा, मैं केवल युद्धविराम की बात नहीं कर रहा हूं, हम उससे बेहतर समाधान पर काम कर रहे हैं। जब उनसे स्पष्टीकरण मांगा गया, तो उन्होंने कहा कि अमेरिका चाहता है कि यह संघर्ष पूरी तरह खत्म हो जाए और इसके लिए ईरान को पूरी तरह आत्मसमर्पण करना होगा। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) ने पुष्टि की कि इजराइल के पहले हवाई हमलों में नतांज यूरेनियम संवर्धन केंद्र के भूमिगत हिस्से को भी क्षति पहुंची है।

भारत आएंगे अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, क्वाड समिट के लिए पीएम मोदी के न्योते को स्वीकार किया

एजेंसी

नई दिल्ली । अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जल्द भारत दौरे पर आएंगे। क्वाड समिट के लिए डोनाल्ड ट्रंप ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बातचीत के दौरान न्योते को स्वीकार कर लिया है। बुधवार को भारतीय विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने इसकी जानकारी दी।

विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच 35 मिनट की बातचीत में कई विषयों पर चर्चा हुई। इस दौरान इंडो-पैसिफिक क्षेत्र के संबंध में दोनों नेताओं ने अपने विचार साझा किए। दोनों ने इस क्षेत्र में क्वाड की अहम भूमिका के प्रति समर्थन जताया। विदेश सचिव के मुताबिक, क्वाड की अगली बैठक के लिए प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति ट्रंप को भारत यात्रा का निमंत्रण दिया। राष्ट्रपति ट्रंप ने निमंत्रण स्वीकार करते हुए कहा कि वह भारत आने के लिए उत्सुक हैं।

क्वाड नेताओं के शिखर सम्मेलन का आयोजन इस साल भारत में होना है। क्वाड चार देशों का एक ग्रुप है, जिसमें ऑस्ट्रेलिया, भारत, अमेरिका और जापान शामिल हैं। इस संगठन को चार देशों ने समुद्री सुरक्षा को मजबूत करने के मकसद से बनाया।

विदेश सचिव ने जानकारी दी कि कनाडा में आयोजित जी-7 शिखर सम्मेलन में पीएम मोदी और डोनाल्ड ट्रंप की मुलाकात होनी तय थी, लेकिन ट्रंप को जल्दी अमेरिका लौटना पड़ा, जिस कारण मुलाकात नहीं हो पाई। इसके बाद राष्ट्रपति ट्रंप के आग्रह पर दोनों नेताओं के बीच फोन पर 35 मिनट बात हुई। विक्रम मिस्री ने बताया, ऑपरेशन सिंदूर के बाद दोनों नेताओं की ये पहली बातचीत थी।

22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले के बाद ट्रंप ने पीएम मोदी को फोन पर शोक संवेदना प्रकट की थी और आतंक के खिलाफ समर्थन व्यक्त किया था। पीएम मोदी ने राष्ट्रपति ट्रंप से ऑपरेशन सिंदूर के बारे में विस्तार से बात की। भारतीय विदेश सचिव के मुताबिक, राष्ट्रपति ट्रंप ने प्रधानमंत्री मोदी की ओर से विस्तार में बताई गई बातों को समझा और आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई के प्रति समर्थन व्यक्त किया।

ईरान ने अपने नागरिकों को व्हाट्सएप-टेलीग्राम का उपयोग बंद करने की चेतावनी दी

एजेंसी

तेहरान। इजराइल की तरफ से की गई हालिया 'लक्षित हत्याओं' (टारगेटेड असैसिनेशन) के बाद ईरानी सरकार ने नागरिकों को व्हाट्सअप, टेलीग्राम और अन्य लोकेशन-आधारित ऐप्स के उपयोग से बचने की कड़ी चेतावनी जारी की है। यह जानकारी ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी आईआरआईबी ने एक सुरक्षा रिपोर्ट के हवाले से दी।रिपोर्ट के अनुसार, वैज्ञानिकों सहित हालिया हत्याओं के बाद यह बात सामने आई है कि इजराइली खुफिया एजेंसियां मोबाइल ऐप्स के जरिए लोगों की लोकेशन ट्रैक कर उन्हें निशाना बना रही हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि मौजूदा हालात में इन ऐप्स का उपयोग खतरनाक हो सकता है। ईरानी सुरक्षा एजेंसियों ने लोगों को सलाह दी है कि वे स्थान बदलने से पहले अपने मोबाइल फोन स्विच ऑफ करें और संवेदनशील स्थानों पर मोबाइल फोन साथ न ले जाएं। इसके साथ ही, रिपोर्ट में संवेदनशील संगठनों के कर्मचारियों को विशेष रूप से सुरक्षित दूरसंचार माध्यम का उपयोग करने और असुरक्षित सॉफ्टवेयर से बचने की सलाह दी गई है।

खामेनेई पर ट्रंप की धमकी बेअसर, ईरान के सर्वोच्च नेता का एलान-अब तो युद्ध शुरू हो चुका है

एजेंसी

तेहरान। ईरान और इजराइल के बीच सैन्य संघर्ष आज छठे दिन में प्रवेश कर गया। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की धमकी का ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई का कोई असर नहीं पड़ा है। खामेनेई ने एक्स हैंडल पर कहा, युद्ध शुरू हो गया है। व्हाइट हाउस ने कहा कि कुछ घंटे पहले राष्ट्रपति ट्रंप ने अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा टीम से मुलाकात के दौरान इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से टेलीफोनिक बात की है। अमेरिका के द न्यूयॉर्क टाइम्स अखबार और सीएनएन चैनल की खबरों में समूचे मध्य पूर्व में मंडरा रहे युद्ध के बादलों पर विस्तार से चर्चा की गई है। इन खबरों के अनुसार, ट्रंप ने ईरान से बिना शर्त आत्मसमर्पण का आह्वान कर सर्वोच्च नेता को धमकाया। राष्ट्रपति ने घोषणा की अब ईरान के आसमान पर हमारा पूरा और समग्र नियंत्रण है। ट्रंप की सोशल ट्रुथ पर यह टिप्पणी ऐसे समय पर आई है जब इस बात के मजबूत संकेत मिल रहे हैं कि अमेरिका, ईरान के

खिलाफ इजराइल के बमबारी अभियान में शामिल होने पर विचार कर रहा है।राष्ट्रपति ट्रंप के कल ईरान के बिना शर्त आत्मसमर्पण का आह्वान करने और देश के सर्वोच्च नेता की हत्या की संभावना का उल्लेख करने के बाद बड़े युद्ध की आशंका बढ़ गई है। खुफिया रिपोर्टों की समीक्षा करने वाले अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, अगर अमेरिका इजराइल का युद्ध में साथ देता है तो ईरान ने मध्य पूर्व में अमेरिकी ठिकानों पर संभावित हमलों के लिए मिसाइलों और अन्य उपकरणों को तैयार किया है।

भारत और कनाडा की राजधानी में होगी उच्चायुक्तों की बहाली, प्रधानमंत्री मोदी और मार्क की द्विपक्षीय बैठक में सहमति

एजेंसी

कनानैस्किस (कनाडा)। भारत और कनाडा ने एक-दूसरे की राजधानियों में उच्चायुक्तों की शीघ्र वापसी के साथ संबंधों में स्थिरता बहाल करने के लिए सोची-समझी और रचनात्मक पहल करने पर सहमति जताई है। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी की अल्बर्टा प्रांत के कनानैस्किस में आयोजित जी-7 शिखर सम्मेलन के मौके पर हुई द्विपक्षीय बैठक में रिश्तों में जमी बर्फ के पिघलने की शुरुआत हुई है। भारत के विदेश मंत्रालय की विज्ञप्ति के अनुसार, प्रधानमंत्री मोदी ने आज कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी से द्विपक्षीय बैठक की। यह दोनों नेताओं के बीच पहली आमने-सामने की बातचीत है। यह मुलाकात प्रधानमंत्री कार्नी के हालिया आम चुनाव के बाद पदभार संभालने के बाद हुई। इस बैठक ने भारत-कनाडा संबंधों की स्थिति और आगे की दिशा पर स्पष्ट और दूरदर्शी चर्चा का अवसर प्रदान किया। विज्ञप्ति के अनुसार, दोनों नेताओं ने साझा लोकतांत्रिक मूल्यों, कानून के शासन के प्रति सम्मान, और संप्रभुता एवं क्षेत्रीय अखंडता के सिद्धांतों को बनाए रखने की प्रतिबद्धता पर आधारित भारत-कनाडा संबंधों के

महत्व को दोहराया। उन्होंने परस्पर सम्मान, जन-जन के बीच मजबूत संबंधों, और बढ़ती आर्थिक पूरकताओं पर आधारित एक रचनात्मक और संतुलित साझेदारी की आवश्यकता को रेखांकित किया। इस संदर्भ में दोनों पक्षों ने एक-दूसरे की राजधानियों में उच्चायुक्तों की शीघ्र वापसी के साथ संबंधों में स्थिरता बहाल करने के लिए सोची-समझी और रचनात्मक पहल करने पर सहमति जताई। साथ ही दोनों नेताओं ने विभिन्न क्षेत्रों में विश्वास बहाली और संबंधों में गति लाने के लिए वरिष्ठ मंत्रियों तथा कार्य-स्तरीय संवादों को पुनः आरंभ करने के महत्व को रेखांकित किया। दोनों पक्षों ने स्वच्छ ऊर्जा, डिजिटल परिवर्तन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, एलएनजी, खाद्य सुरक्षा, महत्वपूर्ण खनिज, उच्च शिक्षा, गतिशीलता और आपूर्ति श्रृंखला जैसी क्षेत्रों में भविष्य के सहयोग के अवसरों पर चर्चा की। उन्होंने एक स्वतंत्र और खुली इंडो-पैसिफिक क्षेत्र को बढ़ावा देने में साझा रुचि की पुष्टि की। नेताओं ने प्रारंभिक प्रगति व्यापार समझौते (ईपीटीए) पर रुकी हुई वार्ताओं को पुनः शुरू करने के महत्व पर चर्चा की, ताकि व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते (सीईपीए) का मार्ग प्रशस्त हो सके। उन्होंने अपने-अपने अधिकारियों को इस संबंध में आगे बातचीत का निर्देश दिया।

तेहरान में बांग्लादेश दूतावास के अधिकारी दहशत में, बमबारी में इनके घर ध्वस्त

एजेंसी

ढाका। ईरान-इजराइल के बीच जारी भीषण सैन्य संघर्ष के बीच बांग्लादेश दूतावास के अधिकारी दहशत में हैं। कुछ अधिकारियों के घर बमबारी में ध्वस्त हो गए हैं। इन अधिकारियों के सामने खाने-पीने तक का संकट खड़ा हो गया है। बांग्लादेश के अखबार ढाका ट्रिब्यून ने एक वैश्विक समाचार संवाद समिति के हवाले से यह रिपोर्ट आज अपनी वेबसाइट पर एक फोटो के साथ प्रसारित की है। इस रिपोर्ट के अनुसार, ईरान की राजधानी तेहरान में सोमवार को हुए इजराइली हमले में बांग्लादेश दूतावास में काम करने वाले अधिकारियों के घरों को भी निशाना बनाया गया। कम से कम एक अधिकारी के घर को भारी नुकसान पहुंचा है। हालांकि, अधिकारी बच गया क्योंकि हमले के समय वह घर पर नहीं था। ईरान में बांग्लादेश दूतावास के प्रथम सचिव ओलीद इस्लाम ने कहा, मेरा घर पूरी तरह से नष्ट हो गया। तेहरान में बांग्लादेश दूतावास के अधिकारी मुख्य रूप से जॉर्डन नामक क्षेत्र में रहते हैं, जो तेहरान के डिस्ट्रिक्ट 3 में है। ओलीद ने कहा, इस क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण इमारतें हैं, जिनमें ईरानी राज्य टेलीविजन भवन भी शामिल है, जिस पर इजरायल ने सोमवार को हमला करने की घोषणा की थी। हमले से पहले

निवासियों को खाली करने के लिए कहा गया था। हालांकि जान-माल का नुकसान कुछ कम हुआ, लेकिन कई इमारतें क्षतिग्रस्त हो गईं। उन्होंने कहा, अब हमारे आसपास कुछ भी नहीं बचा है। राजनयिकों के कुछ ही घर बचे हैं, लेकिन आसपास कुछ भी नहीं है

दोपहर को तेहरान के डिस्ट्रिक्ट 3 पर हमले की घोषणा के बाद, ढाका ने बांग्लादेश मिशन में काम करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों सहित सभी बांग्लादेशी नागरिकों को क्षेत्र छोड़ने का आदेश दिया। इसके बाद कर्मचारी तेहरान में बांग्लादेश दूतावास परिसर से चले गए। हालांकि वे वर्तमान में तेहरान के अन्य क्षेत्रों में रह रहे हैं।ढाका में कार्यवाहक विदेश सचिव रूहुल आलम सिद्दीकी ने कल एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, हम उन लोगों के बारे में चिंतित हैं जो तेहरान में हैं। वे हमले से प्रभावित होने के जोखिम में हैं। हम अब उनके और अपने दूतावास में काम करने वालों के लिए काम कर रहे हैं ताकि वे सुरक्षित रह सकें। विदेश मंत्रालय ने कहा कि तेहरान में वर्तमान में रह रहे लगभग 400 बांग्लादेशी सुरक्षित हैं।

ईरान का आरोपः इजराइल ने छेड़ा साइबर युद्ध, बैंक सेवाएं बनीं निशाना

एजेंसी

तेहरान। ईरान ने इजराइल पर व्यापक साइबर युद्ध छेड़ने का गंभीर आरोप लगाया है। ईरान की साइबर सुरक्षा कमान के अनुसार, इजराइल ने देश के डिजिटल ढांचे पर बड़े पैमाने पर साइबर हमले किए हैं, जिनका उद्देश्य आम नागरिकों को दी जाने वाली सेवाओं को बाधित करना है।ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी आईआरआईबी के अनुसार, इजराइल की साइबर रणनीति का उद्देश्य हमारे साइबर नेटवर्क की परतों में घुसपैठ करना और इन ढांचों का उपयोग कर सैन्य एवं डिजिटल हमले करना है। लेकिन अब तक कई हमलों को सफलतापूर्वक नाकाम कर दिया गया है। ईरान ने दावा किया कि उसके सुरक्षा तंत्र ने इन हमलों को रोकने के लिए आवश्यक उपाय किए हैं ताकि इजराइली हैकर्स को सरकारी प्रणाली में प्रवेश करने और उसे नुकसान पहुंचाने से रोका जा सके। सरकारी-संबद्ध समाचार एजेंसी की रिपोर्ट में बताया गया कि देश के प्रमुख वित्तीय संस्थान बैंक सेपा की सेवाएं भी साइबर हमले की चपेट में आईं। इस हमले के बाद बैंक की कई सेवाएं अस्थायी रूप से बाधित हो गईं। एक इजराइल-संबंधित हैकर समूह ने इस हमले की जिम्मेदारी ली है और दावा किया है कि उसने बैंक सेपा का पूरा डेटा नष्ट कर दिया है। उल्लेखनीय है कि यह साइबर हमला ऐसे समय में हुआ है जब ईरान और इजराइल के बीच पांच दिनों से जारी सैन्य संघर्ष ने पूरे क्षेत्र को अस्थिर कर दिया है।

भारत-फ्रांस हमारी पृथ्वी की बेहतरी के लिए मिलकर काम करते रहेंगे : पीएम मोदी

एजेंसी

कनानास्किस (कनाडा) । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जी7 शिखर सम्मेलन के दौरान फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से बातचीत करके खुशी जताई। भारत और फ्रांस के बीच मजबूत संबंधों पर प्रकाश डालते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने अकाउंट पर लिखा, मेरे मित्र, राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ बातचीत और विभिन्न मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान करना, हमेशा खुशी की बात होती है। भारत और फ्रांस हमारी पृथ्वी की बेहतरी के लिए मिलकर काम करते रहेंगे। इस साल अप्रैल में पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद मैक्रों ने 12 जून को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से फोन पर बातचीत की थी। उन्होंने कहा था कि इस दुख की घड़ी में फ्रांस, भारत और उसके लोगों के साथ मजबूती से

खड़ा है। मैक्रों ने यह भी कहा कि फ्रांस अपने सहयोगियों के साथ खड़ा रहेगा। जहां भी जरूरत होगी, फ्रांस आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई जारी रखेगा। फ्रांसीसी राष्ट्रपति ने %एक्स% पर पोस्ट किया था, मैंने हुए कायरतापूर्ण आतंकवादी हमले के बारे में पीएम नरेंद्र मोदी से बात की है। इस हमले में दर्जनों निर्दोष नागरिकों की दुखद मौत हुई है। फ्रांस इस दुख की घड़ी में भारत और उसके लोगों के साथ मजबूती से खड़ा है। फ्रांस अपने सहयोगियों के साथ मिलकर, जहां भी जरूरत होगी, आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई जारी रखेगा। मैक्रों के साथ यह बैठक कनानास्किस में 51वें जी7 शिखर सम्मेलन में पीएम मोदी की कई उच्च स्तरीय द्विपक्षीय बैठकों में से एक थी। यहां उन्होंने मैक्सिको, दक्षिण कोरिया, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका, फ्रांस और कनाडा के नेताओं से मुलाकात की। इसमें वैश्विक साझेदारी को मजबूत करने के लिए भारत की प्रतिबद्धता जाहिर की है। भारत और फ्रांस ने रणनीतिक साझेदारी के 25 साल पूरे कर लिए हैं। फ्रांस के साथ भारत के संबंध गहरे विश्वास और प्रतिबद्धता पर आधारित हैं। पीएम मोदी ने इससे पहले जी7 शिखर सम्मेलन के दौरान यूके के पीएम कीर स्टार्मर से मुलाकात की थी। पीएम मोदी ने कीर स्टार्मर से मुलाकात के बाद एक्स पर एक पोस्ट में कहा, प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के साथ एक खास बातचीत! भारत और यूके के संबंध मजबूत हो रहे हैं, जो व्यापार और वाणिज्य जैसे क्षेत्रों में हमारी प्रगति में झलकता है। हम इस दोस्ती को और भी गति देने के लिए मिलकर काम करते रहेंगे।

प्रधानमंत्री मोदी की कनाडा यात्रा सफल, क्रोएशिया के लिए हुए रवाना

एजेंसी

कनानैस्किस (कनाडा)। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की कनाडा यात्रा सफल रही। उनका अगला पड़ाव क्रोएशिया होगा। प्रधानमंत्री मोदी कनाडा की दो दिवसीय यात्रा पूरी कर यहां से क्रोएशिया के लिए रवाना हुए हैं। भारत के विदेश मंत्रालय ने एक्स पर लिखा,प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कनाडा की बहुत ही उत्पादक यात्रा संपन्न की। जी-7 शिखर सम्मेलन में ऊर्जा सुरक्षा, प्रौद्योगिकी और नवाचार जैसे वैश्विक संदर्भ में प्रमुख मुद्दों पर सार्थक चर्चा की। कई नेताओं से मुलाकात की और द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा की। उनका अगला पड़ाव-क्रोएशिया। विदेश मंत्रालय के अनुसार, कनाडा के कनानैस्किस में जी-7 आउटरीच सत्र में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, दुर्भाग्य से ग्लोबल साउथ के देश अनिश्चितता और संघर्षों से सबसे अधिक पीड़ित हैं। वे खाद्य, ईंधन, उर्वरक और वित्त से संबंधित संकटों से सबसे पहले प्रभावित होते हैं। भारत ग्लोबल साउथ की प्राथमिकताओं और चिंताओं को विश्व मंच पर लाना अपनी जिम्मेदारी समझता है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, एक तरफ हम अपनी पसंद के आधार पर सभी तरह के प्रतिबंध लगाने में तत्पर रहते हैं। दूसरी तरफ आतंकवाद का खुलकर समर्थन करने वाले देशों को पुरस्कृत किया जाता है। उन्होंने कहा कि आतंकवाद मानवता का दुश्मन है। यह उन सभी देशों के खिलाफ है जो लोकतांत्रिक मूल्यों को बनाए रखते हैं। वैश्विक शांति और समृद्धि के लिए, हमारे विचार और नीतियां स्पष्ट होनी चाहिए। अगर कोई देश आतंकवाद का समर्थन करता है, तो उसे इसकी कीमत चुकानी होगी। इस यात्रा की खास उपलब्धि यह है कि भारत और कनाडा ने पूर्ण राजनयिक सेवाएं फिर से शुरू करने पर सहमति जताई। जल्द ही नए उच्चायुक्तों को नामित करने की घोषणा की है। इससे दोनों देशों के रिश्तों पर जमी बर्फ पिघलेगी। यह तनाव कनाडा के उन आरोपों से शुरू हुआ था कि 2023 में कनाडा में एक गुरुद्वारे के बाहर आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंट शामिल थे। भारत ने इन आरोपों को खारिज कर कड़े उपाय शुरू किए थे।

नेतन्याहू मध्य पूर्व की सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा खतरा : एर्दोगन

एजेंसी

अंकारा/दोहा। तुर्की के राष्ट्रपति रेचेप तैयप एर्दोगन ने इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को मध्य पूर्व की सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा खतरा करार दिया है। यह तीखा बयान उन्होंने कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल-थानी से फोन पर बातचीत के दौरान दिया। इस बात की जानकारी तुर्की राष्ट्रपति कार्यालय ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर साझा की। पोस्ट में कहा गया कि राष्ट्रपति एर्दोआगन ने ईरान पर इजराइल के हमलों के बाद उपजे संघर्ष को लेकर गहन राजनयिक प्रयास शुरू कर दिए हैं और उन्होंने क्षेत्र में हिंसा के दुष्चक्र को समाप्त करने के लिए प्रयास जारी रखने का संकल्प जताया है। एर्दोगन ने जोर देते हुए कहा कि, इजराइल के हमले गाजा में चल रहे मानवीय संकट और नरसंहार की वास्तविकता को छिपाने का बहाना नहीं बन सकते। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि यदि इन घटनाओं को समय रहते नहीं रोका गया, तो यह संघर्ष सीरिया को भी अपनी चपेट में ले सकता है। गौरतलब है कि गाजा युद्ध शुरू होने के बाद से एर्दोगन नेतन्याहू और इजराइली नीतियों के मुखर आलोचक रहे हैं। वे अक्सर इजराइल को आतंकी राष्ट्र बताते आए हैं और नेतन्याहू की तुलना हिटलर से भी कर चुके हैं।

'इटली के साथ भारत की दोस्ती और मजबूत होगी', जी7 शिखर सम्मेलन में पीएम मोदी ने की जॉर्जिया मेलोनी से मुलाकात

एजेंसी

कनानास्किस (कनाडा) । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जी-7 शिखर सम्मेलन में मेजबान कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी सहित कई देशों के नेताओं ने मुलाकात की। 51वें जी-7 शिखर सम्मेलन में पीएम मोदी ने इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी से भी मुलाकात की। जॉर्जिया मेलोनी ने इस मुलाकात की तस्वीर अपने एक्स हैंडल पर पोस्ट की। उन्होंने पोस्ट में लिखा- भारत और इटली दोस्ती की मजबूत डोर से एक-दूसरे से जुड़े हैं। इस पोस्ट पर पीएम मोदी ने कहा, मैं आपसे पूरी तरह सहमत हूं, प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी। इटली के साथ भारत की दोस्ती और मजबूत होती जाएगी, जिससे हमारे लोगों को बहुत लाभ होगा! प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कनाडा में 51वें जी-7 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए कनानास्किस पहुंचे, जहां उन्होंने वैश्विक नेताओं से मुलाकात की। यह जी7 शिखर सम्मेलन के आउटरीच सत्र में भारत की 12वीं और पीएम मोदी की छठी भागीदारी है। इससे पहले दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल

रामफोसा और ब्राजील के राष्ट्रपति लुईस इनासियो लूला दा सिल्वा ने जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री मोदी से बातचीत की। 'एक्स' पर एक अन्य पोस्ट में, पीएम मोदी ने कहा, दो प्रिय मित्रों, दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति रामफोसा और ब्राजील के राष्ट्रपति लूला के साथ शानदार बातचीत हुई। हम ग्लोबल साउथ के महत्वपूर्ण मुद्दों पर बोलने के लिए अपनी प्रतिबद्धता में अडिग हैं। हम आने वाली पीढ़ियों के लिए बेहतर कल बनाने के लिए जो कुछ भी करना होगा, करने के लिए समान रूप से दृढ़ हैं। जी-7 शिखर सम्मेलन में नेताओं के बीच एकता को दर्शाते हुए, ब्राजील के राष्ट्रपति लूला ने ट्वीट किया, +जी-7 में ग्लोबल साउथ मौजूद है। यहां सिरिल रामफोसा और नरेंद्र मोदी के साथ बैठक में हम एकजुट होकर अपनी आवाज को बुलंद कर रहे हैं। भारतीय प्रधानमंत्री ने जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन से भी मुलाकात की। प्रधानमंत्री मोदी ने एक पोस्ट में कहा, ईयू आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन के साथ उपयोगी चर्चा हुई। भारतीय प्रधानमंत्री ने यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा से भी मुलाकात की। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर कहा, यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा के साथ अच्छी बातचीत हुई। जी-7 शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी से मिले। इस दौरान उन्होंने उनके साथ संक्षिप्त बातचीत की। प्रधानमंत्री मोदी और इटली की पीएम मेलोनी के बीच की मित्रता सोशल मीडिया पर काफी सुर्खियां बटोर रही हैं।

मन्नारा चोपड़ा

पर टूटा दुखों का पहाड़, पिता का निधन, दो दिनों से बीमार थे

हमेशा अपने चेहरे पर मुस्कान रखने वाली फिल्म एक्ट्रेस और बिग बॉस फेम मन्नारा चोपड़ा पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है. मन्नारा के पिता रमन राय हांडा का निधन हो गया है. वो कुछ दिनों से बीमार चल रहे थे. उनका इलाज चल रहा था लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका.

बॉलीवुड और टीवी की दुनिया में नाम कमा चुकीं एक्ट्रेस मन्नारा चोपड़ा के घर में दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है. मन्नारा के पिता का निधन हो गया है. उनके पिता रमन राय हांडा अब इस दुनिया में नहीं रहे. खुद बिग बॉस फेम एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया के जरिए इस बात की जानकारी शेयर की है. उनके पिता 71 साल के थे और पिछले 2 दिन से उनकी तबीयत ठीक नहीं चल रही थी.

रमन हांडा एक नामी वकील थे और वे दिल्ली हाई कोर्ट में काम करते थे.मन्नारा चोपड़ा ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर इस बात की जानकारी साझा की है. उन्होंने पिता की तस्वीर शेयर करते हुए लिखा– 'बहुत गहरे दुख और उदासी के साथ हमें ये सूचित करना पड़ रहा है कि 16 जून 2025 को हमारे प्यारे पिता का स्वर्गवास हो गया. वे हमारे परिवार का एक मजबूत स्तंभ थे.' मन्नारा ने आगे कहा अंतिम संस्कार की जानकारी शेयर की है. 18 जून 2025 को मुंबई के अंधेरी वेस्ट में अंबोली स्थित क्रीमेटोरिअम ग्राउंड में मन्नारा के पिता का अंतिम संस्कार हो गया .

प्रियंका और मन्नारा का रिश्ता क्या ?

एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा मन्नारा चोपड़ा की कजिन हैं. मन्नारा भी अपना सरनेम चोपड़ा ही लगाती हैं क्योंकि उनकी मां चोपड़ा हैं. मन्नारा की मां कामिनी चोपड़ा प्रियंका के पिता अशोक चोपड़ा की बहन हैं. ऐसे में रिश्ते में प्रियंका और मन्नारा कजिन हैं. बिग बॉस में जब मन्नारा आई थीं तो प्रियंका ने इंस्टा पर स्टोरी लगाकर अपनी कजिन सिस्टर को सपोर्ट भी किया था. हालांकि दोनों बहने कम मौके पर ही साथ देखी गईं हैं.

बॉलीवुड में काम कर चुकी हैं मन्नारा चोपड़ा

मन्नारा चोपड़ा की बात करें तो उन्होंने साल 2014 में विवेक अग्निहोत्री की फिल्म जिद से अपने करियर की शुरुआत की थी. अपने 10 साल के करियर में उन्होंने तेलुगू, पंजाबी, तमिल, कन्नड़ और हिंदी फिल्मों में काम किया है. वहीं छोटे पर्दे की बात करें तो वे बिग बॉस 17 में नजर आई थीं और सेकंड रनरअप भी रही थीं. वर्क फ्रंट की बात करें तो वे ओही चन्न ओही रातां नाम की फिल्म में नजर आएंगी.

पायरेसी से सलमान खान की 'सिकंदर' को लगा 90 करोड़ का चूना, इंश्योरेंस कंपनी से वसूलने की तैयारी में मेकर्स

सलमान खान की फिल्म 'सिकंदर' बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह फ्लॉप हो गई और ये बात किसी से छिपी नहीं है. 200 करोड़ के बजट में बनी 'सिकंदर' के मेकर्स को करोड़ों का नुकसान हुआ है. 'सिकंदर' के मेकर्स ने अब एक बड़ा कदम उठाया है. साजिद नाडियाडवाला की नाडियाडवाला ग्रैंडसन एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड (एनजीईपीएल) कंपनी सलमान खान की फिल्म 'सिकंदर' को पायरेसी से हुए नुकसान के लिए 91 करोड़ रुपये का भारी बीमा दावा दायर करने का प्रोसेस जारी कर चुकी है.

बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट के मुताबिक प्रोडक्शन हाउस ने डिटेल्ड नुकसान आकलन के बाद, अपने डिजिटल पायरेसी बीमा कवर को लागू करने के बारे में चर्चा शुरू कर दी है. रिपोर्ट की मानें तो फिल्म के लीक होने के बाद क्या इम्पैक्ट पड़ा और इससे कितना नुकसान हुआ इसका अंदाजा लगाने के लिए ऑडिट को आदेश दिया गया था. अर्न्स्ट एंड यंग (ईएनवाई) ने एक डिटेल रिपोर्ट पेश की, जिसमें नुकसान लगभग 91 करोड़ रुपये आंका गया है.

'सिकंदर' को पायरेसी से हुआ 91 करोड़ का नुकसान

रिपोर्ट के अनुसार 91 करोड़ रुपये का आंकड़ा मॉडलिंग और मार्केट बेंचमार्किंग के बीच तुलना करने के बाद निकाला गया था. आमतौर पर ऑडिट लीक के बाद प्री-रिलीज़ बॉक्स ऑफ़िस प्रोजेक्शन, थिएटर-वार ऑक्यूपेंसी ट्रेंड और रिजन-वाइज कमाई में गिरावट को एनालाइस करता है. प्लेटफ़ॉर्म पर इललीगल डाउनलोड और स्ट्रीम की मात्रा को ट्रैक करने के लिए डिजिटल फुटप्रिंट ट्रेसिंग टूल का भी इस्तेमाल किया गया था.

कैसे निकाला जाता है पायरेसी से होने वाला नुकसान ?

इन आंकड़ों को अनुमानित बॉक्स ऑफिस नुकसान में कंवर्ट किया जाता है. ऐसे ऑडिट में अक्सर टिकटिंग प्लेटफ़ॉर्म, डिस्ट्रीब्यूटर्स रिपोर्ट और पायरेसी प्रसार के फ़ोरेंसिक ट्रेसिंग से डेटा का मिश्रण शामिल होता है.

91 करोड़ रुपये का आंकड़ा खुद से बनाया हुआ नहीं था. यह संभावित थियेटर और डिजिटल रेवन्यू के नुकसान में निहित है, रिपोर्ट की मानें तो ऑडिट में पाया गया कि 'सिकंदर' की पायरेटेड रिएक्शन सिनेमाघरों में रिलीज होने के कुछ ही घंटों बाद एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग प्लेटफॉर्म और अनऑथराइज्ड स्ट्रीमिंग साइट्स पर सरक्यूलेट की जा रही थीं.

जब गोविंदा के पास थी 70 फिल्में, एक दिन में इतनी पिक्चर की करते थे शूटिंग

हिंदी सिनेमा में गोविंदा ने जो शोहरत और मुकाम हासिल किया है वहां तक बहुत कम ही कलाकार पहुंच पाए हैं. बात एक्टिंग की हो, डांस की या फिर कॉमेडी कीज्हर मामले में गोविंदा नंबर 1 रहे हैं. 90 के दशक तक गोविंदा सिनेमा की दुनिया में सिक्का चलता था. उस दौर में अक्षय कुमार, अजय देवगन, आमिर खान, सलमान खान, सुनील शेट्टी, जैकी श्रॉफ जैसे स्टार्स भी थे, लेकिन गोविंदा की बात ही अलग थी. उनका एक अलग चार्म और स्टारडम था.गोविंदा आज चाहे फिल्मी दुनिया में एक्टिव न हों पर उन्होंने सफल होने के बाद वो दौर भी देखा जब उनके पास काम की कमी आई. हालांकि जब वो अपने करियर में पीक पर थे तब उनके पास एक बार तो 70 फिल्में थीं. लेकिन क्या आप जानते हैं कि तब एक दिन में 'हीरो नंबर 1' कितनी फिल्मों की शूटिंग करते थे ?

जब गोविंदा के पास थीं 70 फिल्में

अपने करियर में एक से बढ़कर एक फिल्में देने वाले गोविंदा के मेकर्स भी दीवाने थे. गोविंदा को अपनी फिल्मों में लेने के लिए मेकर्स में होड़ लगी रहती थी. ऐसे में एक बार तो उनके पास 70 फिल्में थीं. ये खुलासा खुद उन्होंने अपने एक इंटरव्यू में किया था. उनसे सवाल किया गया था, 'सुना है कि आपके पास इस समय 50 से 60 फिल्में हैं ? क्या ये बात सही हैं ? इस पर अभिनेता ने कहा था, जी हां. मेरे पास 70 फिल्में थी बीच में.

एक दिन में कितनी फिल्मों की शूटिंग करते थे ?

गोविंदा ने आगे कहा था, आठ-दस पिक्चर अपने आप बंद हो गईं. चार-पांच पिक्चर मुझे डेट्स की कमी की वजह से छोड़नी पड़ीं. इसके बाद उनसे पूछा गया था, आप एक दिन में कितनी फिल्मों की शूटिंग करते है? इस पर उन्होंने कहा था, ये सिचुएशन पर डिपेंड करता है. कभी दो कर लेता हूं, कभी तीन, कभी चार तो कभी एक दिन में 5 फिल्में भी शूट करता हूं.

गोविंदा की बेहतरीन फिल्में

गोविंदा ने बॉलीवुड में अपनी शुरुआत साल 1986 की फिल्म 'इल्जाम' से की थी. अपने करियर में उन्होंने 'कुली नंबर 1', 'हीरो नंबर वन', 'राजा बाबू', 'साजन चले ससुराल' 'पार्टनर', 'बड़े मियां छोटे मियां', 'स्वर्ग' 'भागम भाग', 'जोड़ी नंबर 1', 'दूल्हे राजा', 'दीवाना मस्ताना' जैसी कई बेहतरीन फिल्में दी हैं.

पूजा बनर्जी

कुणाल वर्मा पर लगा किडनैपिंग का आरोप! मारपीट कर फिल्ममेकर से ऐंठे 23 लाख रुपये

कुछ दिनों पहले टीवी के जाने-माने कपल पूजा बनर्जी और कुणाल वर्मा ने दावा किया था कि उनके कुछ करीबी दोस्तों ने ही उनके साथ धोखाधड़ी की है. उन्होंने सोशल मीडिया पर अपना दर्द भी शेयर किया था. लेकिन अब इस कपल पर ही एक बंगाली फिल्ममेकर ने बेहद संगीन आरोप लगाए हैं. फिल्ममेकर श्याम सुंदर डे का कहना है कि गोवा में पूजा और कुणाल ने उनका अपहरण किया, उन्हें एक विला में कैद करके रखा और उनसे लाखों रुपये की वसूली भी की. इस मामले में डे की पत्नी मालबिका ने गोवा पुलिस में शिकायत भी दर्ज कराई है.

टाइम्स ऑफ इंडिया को श्याम सुंदर डे ने दिए बयान के मुताबिक जब वे गोवा में छुट्टियां मना रहे थे, तब एक दिन उनकी गाड़ी को सड़क पर एक काली जैगुआर ने घेर लिया. उसमें से दो लोग निकले और उन्हें गाड़ी से बाहर आने को कहा. डे को विश्वास है कि ये सारा मामला वहां की सीसीटीवी में रिकॉर्ड हुआ होगा. शुरुआत में उन्होंने मना किया, लेकिन जब उन्होंने वहां पूजा बनर्जी को देखा, जिन्हें वो बहन मानते थे, तो उनका डर थोड़ा काम हो गया.

बहन जैसी दोस्त ने किया किडनैप

श्याम सुंदर डे का दावा है कि पूजा और कुणाल ने उन्हें अपनी कार में बिठाया और वहीं गोवा के अंबर विला ले गए. वहां उन्हें 1 जून से 4 जून तक जबरन कैद रखा गया. डे ने आरोप लगाया कि उन्हें उस विला से कहीं जाने नहीं दिया गया. वे हर दिन पूजा और कुणाल को समझाने की कोशिश करते रहे, उन्हें परिवार का हवाला देते रहे, लेकिन बदले में सिर्फ धमकियां मिलती रहीं.

मारपीट और जबरन कागजात पर साइन करवाने का आरोप

फिल्ममेकर श्याम सुंदर डे का कहना है कि कुणाल वर्मा और कुछ अन्य अज्ञात लोगों ने उनके साथ मारपीट की और ये सब कुणाल की पत्नी और फिल्म मेकर की दोस्त पूजा बनर्जी के सामने हुआ. उन्होंने ये भी बताया कि उनके दोनों मोबाइल फोन छीन लिए गए थे, हालांकि एक फोन उनके पास छोड़ा गया ताकि वे पैसों का इंतजाम कर सकें. डे के मुताबिक, इस दौरान उन पर कुछ संपत्ति के कागजात पर दस्तखत करने का भी दबाव डाला गया, जिसके बाद उन्हें एहसास हुआ कि मामला हाथ से निकल चुका है.

बाथरूम से वीडियो बनाकर मांगी मदद

श्याम सुंदर डे ने पूजा और कुणाल की नजरों से बचकर किसी तरह विला के बाथरूम से चुपके से एक वीडियो बनाया और अपनी पत्नी मालबिका को पूरी घटना की जानकारी दी. मालबिका ने तुरंत गोवा पुलिस को सूचना दी. पुलिस ने तेजी से कार्रवाई करते हुए 4 जून को श्याम सुंदर डे को सुरक्षित विला से बाहर निकाला.

भारत दे सकता है यूके की अर्थव्यवस्था को रफ्तार : पीयूष गोयल

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि भारत ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था को तेजी से बढ़ने में मदद कर सकता है। भारतीय यूके जाकर वहां की अर्थव्यवस्था में मूल्य जोड़ते हैं। मुक्त व्यापार समझौते से दोनों देशों के रिश्ते और मजबूत होंगे। गोयल ने लंदन में इंडिया ग्लोबल फोरम (आईजीएफ) में यह बात कही। उन्होंने कहा कि हम इस अनिश्चित विश्व में जो अस्थिरता, अनिश्चितता, चुनौतियों और संकटों से भरा हुआ है, ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था को तेजी से बढ़ने में मदद कर सकते हैं। इस समय दुनिया संकटों और चुनौतियों से भरी है। फिर भी भारत स्थिरता, तेज विकास के दौर में है। यहां के लोग अपने शांत स्वभाव के कारण पूरे विश्वभर में जाने जाते हैं। उन्होंने कहा कि चार करोड़ भारतीय विश्व के अलग-अलग देशों में रहते हैं, जो अपनी प्रतिभा और कौशल के लिए पहचाने जाते हैं। इंडिया ग्लोबल फोरम में बोलते हुए गोयल ने यूके-भारत मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर भी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि इसे मुफ्त में दिए जाने वाला कहना अनुचित है। भारतीय लोग जब यहां आते हैं तो वे यूके की अर्थव्यवस्था में मूल्य जोड़ते हैं। एफटीए के लागू होने की समयसीमा के बारे में उन्होंने कहा, ह्यहमेरा मानना है कि ब्रिटेन की संसद द्वारा उनकी प्रक्रियाएं पूरी करने के बाद बहुत जल्द इसे एक लागू करने योग्य समझौते का रूप दे दिया जाएगा।

दिल्ली स्पोर्ट्स स्कूल में प्रवेश के लिए खेल प्रतिभा पहचान के लिए स्टेज-II मूल्यांकन का सफल समापन- दिल्ली स्पोर्ट्स

दिव्य दिल्ली : दिल्ली स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी को शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए दिल्ली स्पोर्ट्स स्कूल में प्रवेश के लिए खेल प्रतिभा पहचान के लिए स्टेज-क्क मूल्यांकन के सफल समापन की घोषणा करते हुए प्रसन्नता हो रही है, जो 29 मई से 3 जून, 2025 तक दिल्ली के विभिन्न स्थानों पर आयोजित किया गया था।स्टेज-क्क मूल्यांकन का उद्देश्य कई विषयों में होनहार खेल प्रतिभाओं का आकलन और पहचान करना था। आयोजन से पहले, स्टेज-क्क मूल्यांकन के लिए बुलाए गए सभी शॉर्टलिस्ट किए गए छात्रों को डीएसयू/डीएसएस वेबसाइट, ईमेल पर पोस्ट किए गए परिपत्रों के माध्यम से तुरंत सूचित किया गया था और उनके पंजीकृत मोबाइल नंबरों पर संपर्क स्थापित किया गया था। उन्हें उनके पंजीकृत मेल आईडी पर प्रवेश पत्र भी भेजे गए थे जिसमें परीक्षणों की अनुसूची शामिल थी। दिल्ली/एनसीआर से बाहर से आने वाले छात्रों के लिए निःशुल्क आवास व्यवस्था की गई थी, ताकि स्टेज-क्क मूल्यांकन के दौरान उनकी सुविधा सुनिश्चित की जा सके।शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए दिल्ली स्पोर्ट्स स्कूल में प्रवेश के लिए टैलेंट स्काउटिंग के स्टेज-कमें भाग लेने वाले छात्रों में से लगभग 566 छात्रों को स्टेज-क्क मूल्यांकन के लिए चुना गया। आश्चर्यजनक रूप से, आमंत्रित छात्रों में से लगभग 90 प्रतिशत ने इस कार्यक्रम में भाग लिया, जिससे खेल उत्कृष्टता के प्रति उनका उत्साह और प्रतिबद्धता प्रदर्शित हुई।

परीक्षण में विभिन्न प्रतिष्ठित स्थानों पर आयोजित खेल विज्ञान परीक्षण और खेल परीक्षण शामिल थे:त्यागराज स्टेडियम में 3 खेलों (बैडमिंटन, एथलेटिक्स और लॉन टेनिस) के लिए खेल विज्ञान परीक्षण आयोजित किए गए।शेष 7 खेलों (तीरंदाजी, मुक्केबाजी, कुश्ती, टेबल टेनिस, भारोत्तोलन, तैराकी और निशानेबाजी) के खेल विज्ञान परीक्षण दिल्ली स्पोर्ट्स स्कूल लुडलो कैसल में आयोजित किए गए। दिल्ली स्पोर्ट्स स्कूल में मुक्केबाजी, कुश्ती, टेबल टेनिस, भारोत्तोलन, तैराकी, निशानेबाजी के लिए खेल ट्रायल हुए।त्यागराज स्टेडियम, आईएनए में बैडमिंटन, एथलेटिक्स और लॉन टेनिस के ट्रायल हुए।एसकेवी एच ब्लॉक अशोक विहार में तीरंदाजी के ट्रायल हुए।डीएसयू और डीएसएस के अधिकारियों और प्रशिक्षकों की विशेषज्ञ देखरेख में यह आयोजन सुचारू रूप से चला, जिसमें प्रतिभागियों की भागीदारी, भोजन और आवास के लिए सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गईं। आयोजन टीम के समर्पित प्रयासों और छात्रों की उत्साही प्रतिक्रिया ने इस आयोजन की समग्र सफलता में योगदान दिया।हम उन अभिभावकों के प्रति भी अपनी कृतज्ञता व्यक्त करते हैं जिन्होंने पूरे आयोजन के दौरान अपना अमूल्य सहयोग दिया, जिससे उनके बच्चों की सहज भागीदारी और प्रोत्साहन सुनिश्चित हुआ।प्रतिभागियों और अभिभावकों दोनों की उत्साही प्रतिक्रिया ने इस आयोजन की सफलता में महत्वपूर्ण योगदान दिया, जो खेल प्रतिभाओं को बढ़ावा देने के लिए एक मजबूत प्रतिबद्धता को दर्शाता है।स्टेज-क्क मूल्यांकन के परिणाम सभी संबंधितों की जानकारी के लिए जल्द ही सार्वजनिक किए जाएंगे और जिन छात्रों को प्रवेश के लिए बुलाया जाएगा, उन्हें तुरंत सूचित किया जाएगा। चरण-क्क मूल्यांकन परिणामों और भविष्यकी पहलों के बारे में अधिक जानकारी के लिए कृपया डीएसयू और डीएसएस की आधिकारिक वेबसाइट देखें।

ईरान-इजरायल संघर्ष से कच्चे तेल में तेजी, 77 डॉलर के पार पहुंचा क्रूड ऑयल

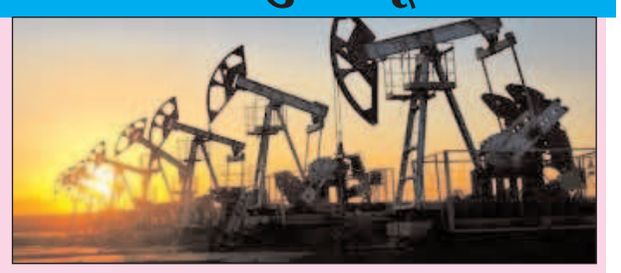

नई दिल्ली/एजेंसी
ईरान-इजरायल के बीच जारी जंग और उसमें अमेरिका के हस्तक्षेप की वजह से मिडिल ईस्ट का तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है। इस तनाव का प्रत्यक्ष असर क्रूड ऑयल (कच्चे तेल) की कीमत में आई तेजी के रूप में देखा जा सकता है। मिडिल ईस्ट के तनाव की वजह से कच्चा तेल आज 77 डॉलर प्रति बैरल के स्तर को भी पार कर गया। भारतीय समय के हिसाब से शाम 5 बजे ब्रेंट क्रूड 77.77 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा था। वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड 76 डॉलर के स्तर को पार करके 76.38 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर पहुंचा हुआ था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में आई तेजी का असर घरेलू बाजार में भी नजर आ रहा है। आज मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर कच्चा तेल 6,450 रुपये प्रति बैरल के स्तर को पार कर गया। एमसीएक्स पर आज कच्चा तेल 26 रुपये की बढ़त के साथ 6,360 रुपये प्रति बैरल के स्तर पर खुला। थोड़ी ही देर बाद इसकी कीमत बढ़ाकर 6,467 रुपये प्रति बैरल के उच्चतम स्तर तक पहुंच गई। हालांकि बाद में इसकी कीमत में मामूली गिरावट भी आई। कमोडिटी मार्केट के एक्सपर्ट्स का कहना है कि ईरान-इजरायल संघर्ष के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड ऑयल की सप्लाई में कमी आने की आशंका बन गई है।

तकनीकी खराबी के कारण इंडिगो की फ्लाइट वापस लौटी

नई दिल्ली। इंडिगो एयरलाइन की नई दिल्ली से लेह जाने वाली उड़ान संख्या 6ई 2006 तकनीकी खराबी के कारण गुरुवार सुबह दो घंटे से अधिक समय तक हवा में रही और उसके बाद उसे आईजीआई हवाई अड्डे पर उतारना पड़ा। एयरलाइन के प्रवक्ता ने बताया कि दिल्ली से लेह के लिए 19 जून को उड़ान भरने वाली फ्लाइट (6ई-2006) तकनीकी समस्या के कारण अपने मूल स्थान पर लौट आई है। प्रवक्ता ने यह भी कहा कि परिचालन पुनः शुरू करने से पहले विमान का आवश्यक रखरखाव किया जा रहा है। यात्रियों को लेह ले जाने के लिए एक वैकल्पिक विमान की व्यवस्था की गई है।

जेंडर बजट केवल आंकड़े नहीं, विकास का दृष्टिकोण: अन्नपूर्णा

नई दिल्ली/एजेंसी
केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 के 4.49 लाख करोड़ रुपये के जेंडर बजट और 273 से अधिक योजनाओं में महिला हितधारकों की प्राथमिकता–यह साबित करता है कि अब बजट केवल आंकड़े नहीं, विकास का दृष्टिकोण है। यह बदलाव महिलाओं को लाभार्थी से नेतृत्वकर्ता बना रहा है। जेंडर बजटिंग पर राष्ट्रीय परामर्श में मंत्रालयों, राज्यों, सहयोगी संस्थानों और विशेषज्ञों की सहभागिता ने महिला नेतृत्व में विकास के साझा संकल्प को सशक्त किया। यह संवाद, समावेशी नीति निर्माण की दिशा में अहम कदम रहा। अन्नपूर्णा देवी गुरुवार को विज्ञान भवन में आयोजित जेंडर बजटिंग पर राष्ट्रीय परामर्श में मौजूद विशेषज्ञों को संबोधित कर रही थीं। पिछले एक दशक में भारत ने ऐसे भविष्य की नींव रखी है जहां महिलाएं अब सिर्फ भागीदार नहीं हैं बल्कि- वे नेता, नवप्रवर्तक, संरक्षक और उद्यमी हैं।

अंतरिक्ष मिशन से लेकर जमीनी स्तर के शासन तक नारी शक्ति पहले से कहीं अधिक दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ रही है। भारत की महिलाओं ने अपने दृढ़-संकल्प से, विकसित भारत निर्माण में नित नए आयाम स्थापित किए हैं ' वे चुनौतियों को अवसर में बदल रही हैं।

सेल ने आईएनएस 'अणार्ला' का उत्पादन करने के लिए आपूर्ति की स्टील

नई दिल्ली: सार्वजनिक क्षेत्र की सबसे बड़ी इस्पात उत्पादक कंपनी स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) ने रक्षा के क्षेत्र में देश की आत्मनिर्भरता और आयात प्रतिस्थापन की दिशा में एक और कदम बढ़ाया है। देश की महारत्न कंपनी सेल ने देश के पहले एंटी-सबमरीन वारफेयर शैलो वाटर क्राफ्ट 'अणार्ला' के लिए विशेष इस्पात की जरूरत को सफलतापूर्वक पूरा किया है। भारतीय नौसेना में शामिल किया गया।

योग दिवस को भव्य तरीके से मनाएगी सरकार, योग साधना में दिल्ली के लोगों के साथ मुख्यमंत्री भी होंगी सहभागी

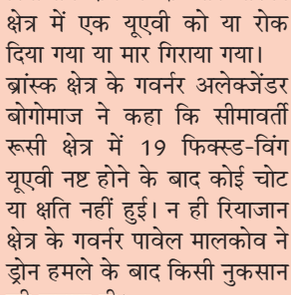

नई दिल्ली/एजेंसी
दिल्ली सरकार 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को बहुत भव्य तरीके से मनाने की तैयारी कर रही है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने गुरुवार को एक्स पोस्ट में कहा कि योग दिवस पर हम सब मिलकर राजधानी दिल्ली में एक नई परंपरा की शुरूआत करेंगे। दिल्ली के 11 प्रतिष्ठित स्थलों पर वे उनके कैबिनेट सहयोगी और दिल्ली के सांसद, विधायक दिल्ली के लोगों के साथ योग साधना में सहभागी बनेंगे। मुख्यमंत्री ने बताया कि यह आयोजन केवल योग का उत्सव नहीं, बल्कि जनभागीदारी और जनशक्ति का प्रतीक बनेगा, जहां सरकार और समाज मिलकर एक स्वस्थ, सशक्त और जागरूक दिल्ली के संकल्प को साकार करेंगे। उन्होंने सभी से आग्रह किया कि 21 जून को अपनी भागीदारी से इस योग महापर्व को ऐतिहासिक जन-उत्सव बनाएं और एक भारत, स्वस्थ भारत के संकल्प को और मजबूत करें। इसके पहले 7 जून को शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने एक बयान में कहा था कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की 11वीं वार्षिकी के अवसर पर सरकार दिल्ली में 11 स्थानों पर योग दिवस का आयोजन करने जा रही है। दिल्ली सरकार पहली बार भारत सरकार के साथ मिलकर आधिकारिक तौर पर दिल्ली में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन कर रही है।

योगी सरकार को मिला किसानों का साथ, टूटा पिछला रिकॉर्ड

लखनऊ/एजेंसी
योगी सरकार की नीतियों को अन्नदाता किसानों का निरंतर साथ मिल रहा है। योगी सरकार के निर्देशन में चली गेहूं खीद ने भी इस बात को साबित किया। गेहूं खरीद में पिछले साल का रिकॉर्ड टूट गया। पिछले वर्ष जहां 9.31 लाख मीट्रिक टन गेहूं खरीद हुई थी, वहीं रबी विपणन वर्ष 2025-26 यानी वर्तमान सत्र में यह खरीद बढ़कर 10.27 लाख मीट्रिक टन से अधिक रही। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर गेहूं खरीद बढ़ाने के लिए मोबाइल क्रय केंद्र गांवों तक पहुंचे। रबी विपणन वर्ष (2025-26) में 17 मार्च से

प्रारंभ हुई गेहूं खरीद 15 जून तक चली। खरीद 5853 क्रय केंद्रों के माध्यम से हुई। प्रदेश के दो लाख से अधिक किसानों से 10.27 लाख मीट्रिक टन से अधिक की गेहूं खरीद की गई। गेहूं बिक्री करने वाले किसानों को सरकार की ओर से 2508.26 करोड़ रुपये का भुगतान भी किया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर गेहूं खरीद के दौरान एक तरफ जहां सुबह 8 से रात्रि 8 बजे तक प्रतिदिन क्रय केंद्र खुले रहे। वहीं अवकाश में भी गांव-गांव पहुंचकर अफसरों ने किसानों से संपर्क-संवाद स्थापित किया। रविवार के अवकाश में भी खाद्य व रसद विभाग के अधिकारियों ने किसानों से वार्ता करते हुए मोबाइल क्रय केंद्र के जरिए गेहूं खरीद की।

इस वर्ष 150 रुपये प्रति कुंतल अधिक रहा समर्थन मूल्य
केंद्र सरकार ने गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) रबी विपणन वर्ष 2025-26 के लिए 2425 रुपये प्रति कुंतल निर्धारित किया है।

रूस ने यूक्रेन के 81 यूएवी रोके या मार गिराए

मास्को/एजेंसी
रूस की वायुरक्षा प्रणालियों ने रात भर में देश के 11 स्थानों में 81 यूक्रेनी मानवरहित हवाई वाहनों (यूएवी) को रोका या नष्ट कर दिया। रूस के रक्षा मंत्रालय ने आज यह जानकारी दी। यूक्रेन ने रात लगभग नौ बजे से सुबह तक कई स्थानों पर यूएवी हमले का प्रयास किया। रूस की सरकारी समाचार एजेंसी तास की खबर के अनुसार, रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा, "18 जून को रात 9:20 बजे मास्को समय (जीएमटी +3) से लेकर 19 जून को सुबह 6:40 बजे तक 81 यूक्रेनी फिक्स्ड-विंग यूएवी को वायुरक्षा इकाइयों ने रोका या नष्ट कर दिया। ब्रांस्क क्षेत्र में 19, कुर्स्क क्षेत्र में 17, स्मोलेंस्क क्षेत्र में 13, वोल्गोग्राड क्षेत्र में सात, ओर्योल क्षेत्र में छह, रोस्तोव क्षेत्र में पांच, क्रीमिया गणराज्य में पांच, बेलगोरोड में तीन, अस्त्राखान क्षेत्रों में तीन, रियाजान क्षेत्र में दो और मास्को क्षेत्र में एक यूएवी को या रोक दिया गया या मार गिराया गया।

ब्रांस्क क्षेत्र के गवर्नर अलेक्जेंडर बोगोमाज ने कहा कि सीमावर्ती रूसी क्षेत्र में 19 फिक्स्ड-विंग यूएवी नष्ट होने के बाद कोई चोट या क्षति नहीं हुई। न ही रियाजान क्षेत्र के गवर्नर पावेल मालकोव ने ड्रोन हमले के बाद किसी नुकसान की सूचना दी।

कर्नाटक में रिलीज होगी 'ठग लाइफ' फिल्म

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट की सख्ती के बाद कर्नाटक में फिल्म 'ठग लाइफ' की रिलीज का रास्ता साफ हो गया है। जस्टिस उज्जवल भुइयां की अध्यक्षता वाली बेंच ने आज कर्नाटक सरकार को निर्देश दिया है कि अभिनेता कमल हासन की तमिल भाषा की फिल्म ठग लाइफ को कर्नाटक में रिलीज नहीं करने देने वालों पर सख्ती से निपटे। कर्नाटक सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दाखिल करके भरोसा दिलाया कि फिल्म की रिलीज में बाधा बनने वालों पर कार्रवाई की जाएगी।

रासायनिक युद्ध व जैविक खतरों से निपटने की ट्रेनिंग दे रहा सीआईएसएफ

नई दिल्ली/एजेंसी
केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ), भारत का एकमात्र केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) है, जिसके पास एक समर्पित अग्निशमन विंग है। इसी के अंतर्गत सीआईएसएफ द्वारा एक राष्ट्रव्यापी अग्निशमन प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन किया जा रहा है। सीआईएसएफ ने 22 राज्यों/यूटी के 150 शहरों में 380 फायर कर्मियों को रासायनिक युद्ध एजेंटों व जैविक खतरों से निपटने की ट्रेनिंग दी है। प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आधुनिक अग्निशामक और बचाव तकनीकों के साथ-साथ महत्वपूर्ण आपदा प्रबंधन कौशल पर ध्यान केंद्रित करने के लिए डिजाइन किया गया है। घनी आबादी वाले शहरों और औद्योगिक क्षेत्रों में उभरती चुनौतियों का समाधान करने पर विशेष जोर दिया जाता है। ट्रेनिंग कार्यक्रम में परिष्कृत अग्नि प्रतिक्रिया तंत्र, रासायनिक, जैविक, रेडियोलॉजिकल और परमाणु (सीबीआरएन) आपात स्थितियों के लिए तैयारी और रासायनिक युद्ध एजेंटों से निपटने जैसे उन्नत विषयों को शामिल किया गया है, जो आधुनिक खतरों की विकसित प्रकृति को दर्शाता है।

केंद्रीय गृह मंत्री की पहल पर शुरू हुई ट्रेनिंग
बता दें कि सीआईएसएफ के स्थापना दिवस 2023 के दौरान, केंद्रीय गृह मंत्री और अमित शाह ने अपने संबोधन में सीआईएसएफ को 100 भारतीय शहरों के अग्निशमन कर्मियों को प्रशिक्षित करने का विशेष दायित्व सौंपा था। इस निर्देश के बाद सीआईएसएफ ने राज्य अग्निशमन सेवा कर्मियों के कौशल को उन्नत करने के लिए एक विशेष पाठ्यक्रम तैयार किया। वर्ष 2023-24 के दौरान, हैदराबाद में सीआईएसएफ के प्रतिष्ठित अग्निशमन सेवा प्रशिक्षण संस्थान ने 11 प्रशिक्षण बैचों का आयोजन किया, जिसमें 113 शहरों के 274 अग्निशमन कर्मियों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

पांचवां प्रशिक्षण सत्र 25 अगस्त से प्रारंभ होगा
वर्ष 2025 में इस पहल को और गति मिली, जब पांच अतिरिक्त प्रशिक्षण बैच आवंटित किये गये। इनमें से चार पहले ही संपन्न हो चुके हैं, जिससे 10 राज्यों के 46 शहरों के 106 प्रतिभागियों को लाभ मिला है।

अभी तक, इस महत्वपूर्ण प्रशिक्षण अभियान के अंतर्गत 22 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के कुल 150 शहरों के 380 अग्निशामकों को सफलतापूर्वक प्रशिक्षित किया गया है। यदि राज्य अपने अग्निशामकों को पाठ्यक्रम के लिए नामांकित करने के इच्छुक हैं।

तो सीआईएसएफ वर्ष 2025 के प्रशिक्षण कैलेंडर में अतिरिक्त स्लॉट को समायोजित करने के लिए भी तैयार है।

सक्रिय संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध
सीआईएसएफ प्रवक्ता के मुताबिक, एक समर्पित फायर विंग के साथ एकमात्र सीएपीएफ के रूप में, सीआईएसएफ अग्निशमन कर्मियों के तकनीकी कौशल को बढ़ाने और अग्नि सुरक्षा और आपदा प्रबंधन तैयारियों के लिए एक सक्रिय संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। हमारे प्रशिक्षण कार्यक्रमों को अग्नि सुरक्षा अनुसंधान और प्रथाओं में नवीनतम को प्रतिबिंबित करने के लिए लगातार अपडेट किया जाता है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि हमारे अग्निशामक न केवल समय पर आपातकालीन प्रतिक्रिया के लिए बल्कि रोकथाम के लिए भी सशक्त हैं।

मद्रास हाई कोर्ट की ओर से एडीजीपी जयराम की गिरफ्तारी के आदेश पर सख्त एतराज जताया था

एडीजीपी की गिरफ्तारी मामले की जांच सुप्रीम कोर्ट ने सीबीसीआईडी को सौंपी

नई दिल्ली/एजेंसी
सुप्रीम कोर्ट ने मद्रास हाई कोर्ट के उस आदेश को निरस्त कर दिया है, जिसमें अपहरण के एक मामले में तमिलनाडु के एडीजीपी एचएम जयराम को गिरफ्तार करने का आदेश दिया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने 18 जून को भी मद्रास हाई कोर्ट की ओर से एडीजीपी जयराम की गिरफ्तारी के आदेश पर सख्त एतराज जताया था। जस्टिस उज्जवल भुईयां की अध्यक्षता वाली वेकेशन बेंच ने आज इस मामले की जांच सीबीसीआईडी को सौंप दी है।

गुरुवार को सुनवाई के दौरान तमिलनाडु सरकार के वकील सिद्धार्थ दवे ने कहा कि इस मामले की जांच पूरी होने तक एडीजीपी जयराम को निलंबित रखना चाहती है। उसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले की जांच सीबीसीआईडी को सौंपने का आदेश दिया। सुप्रीम कोर्ट ने मद्रास हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस को निर्देश दिया कि वो एडीजीपी जयराम से जुड़े मामले की सुनवाई दूसरी बेंच को ट्रांसफर करें। दरअसल, तमिलनाडु पुलिस के मुताबिक वनराजा नामक व्यक्ति की बेटी ने 22 वर्षीय युवक से परिवार की सहमति के बिना प्रेम विवाह किया था। वनराजा ने पूर्व महिला कांस्टेबल महेश्वरी से बेटी को वापस लाने में मदद मांगी थी। महेश्वरी ने कथित रुप से एडीजीपी जयराम से संपर्क किया था, जिन्होंने विधायक पीजे मूर्ति को इसमें शामिल किया। तमिलनाडु पुलिस के मुताबिक जब युवक का पता नहीं चला तो आरोपितों ने उसके छोटे भाई को अगवा कर लिया। तमिलनाडु पुलिस के मुताबिक दबाव बढ़ने पर युवक के छोटे भाई को एडीजीपी जयराम की आधिकारिक कार में छोड़ा गया, जिसे एक पुलिस कांस्टेबल चला रहा था। मद्रास हाई कोर्ट ने अपहरण के एक मामले में तमिलनाडु के एडीजीपी एचएम जयराम को गिरफ्तार करने का आदेश दिया था। हालांकि, तमिलनाडु सरकार का कहना है कि जयराम को औपचारिक रुप से गिरफ्तार नहीं किया गया था, बल्कि उन्हें हिरासत में लेने के बाद उन्हें छोड़ दिया गया था।

Published, printed and owned by Rajesh.Chauhan, printed at B B Graphic printer Z--57 Okhla Industrial Area ph.2 New Delhi -110020 and published at BG 6 305 B Paschim Vihar New Delhi --110063 Editor Rajesh.Chauhan. E mail ID-rajeshchauhan4569@gmail.com, Contact No. - 9873104569, RNI No DELENG/2013/54397